हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

7 मार्च 1980

खण्ड 1, अंक 5

अधिकृत विवरण

विशया सूची

भुक्रवार, 7 मार्च, 1980

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(5) 1
तारांकित प न संख्या 1453 पर आधे घंटे की चर्चा के लिए मांग	(5) 15
तारांकित प्र न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)	(5) 16
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(5) 38
अतारांकित प्र न एवं उत्तर	(5) 54
वैयक्तिक स्पीश्टीकरण – श्री बलदेव तायल द्वारा	(5) 68
औचित्य प्र न– प्रिविलेजिज कमेटी के गठन संबंधी	(5) 69
ध्यानाकर्शण सूचना– हथनीकुंड बैरेज के निर्माण के संबंध में उत्तर प्रदे ा तथा हरियाणा के मध्य 1974 का समझौता लागू करने	(5) 70

संबंधी	
वक्तव्य– सिंचाई तथा बिजली उप–मन्त्री द्वारा बिजली की कमी की वजह से रेतीले और पिछड़े इलाकों में फसलों की तबाही संबंधी	(5) 70
बिजनैसे एडवाइजरी कमेटी की दूसरी रिपोर्ट	(5) 74
वर्श 1979–80 के सप्लीमैंटरी एस्टीमेट्स पे ा करना	(5) 76
एस्टीमेट्स कमेटी की वर्श 1979–80 के सप्लीमैंटरी एस्टीमेट्स पर रिपोर्ट पे ा करना	(5) 76
वर्श 1974–75 के एक्सैस डिमांडज ओवर ग्रान्टस एंड एप्रोप्रिए ांज पे ा करना	(5) 76
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(5) 77
वाट आउट	(5) 103
औचित्य प्र न– (1) प्वायंट आफ आर्डर उठाने संबंधी (2) रूल 116 के अधीन या अन्यथा कार्यवाही से हिस्से या हिस्सों इत्यादि को निकालने के अध्यक्ष के	 (5) 104 (5) 106

विवेकाधिकार संबंधी	
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(5) 107
वैयक्तिक स्पश्टीकरण– श्री वीरेन्द्र सिंह द्वारा	(5) 107
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(5) 108
बैठक का समय बढ़ाना	(5) 120
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(5) 120
वैयक्तिक स्पश्टीकरण– (1) डा0 मंगल सैन द्वारा (2) चौधरी सतवीर सिंह मलिक द्वारा	 (5) 125 (5) 126

राज्यपाल के अभिभाशण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर मतदान	(5) 126

हरियाणा विधान सभा

भुक्रवार, 7 मार्च, 1980

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाला, विधान भवन सैक्टर 1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.00 बजे हुई। अध्यक्ष (कर्नल राव राम सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः साहेबान, अब सवाल होंगे।

Expenditure incurred on Haryana Pay Commission

***1415. Chaudhri Har Swarup Bura:** Will the Minister for Finance be pleased to state the total amount of expenditure incurred on the Pay Commission appointed by the Haryana Government ?

वित्त मंत्री (लाला बलवन्त राय ताय): राज्य सरकार ने वेतन आयोग की स्थापना 23 जनवरी, 1979 को की थी। दिसम्बर 1979 तक वेतन आयोग पर कुल 369055/– रुपये की रा ि ा व्यय की गई है।

डा0 मंगल सैनः क्या मंत्री महोदय बताने का कश्ट करेंगें कि वेतन आयोग का गठन कब किया गया और इस आयोग ने अपनी रिपोर्ट कब दी ?

लाला बलवन्त राय तायलः आयाग का गठन जनवरी 1979 में किया गया था और आयोग ने अपनी रिपोर्ट, दिसम्बर 1979 में दे दी थी।

श्रीमती सुशमा स्वराजः स्पीकर साहब, मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहती हूं कि आयोग की अवधि कितने समय के लिए रखी थी और कितने दिनों में इस आयोग ने अपना कार्य समाप्त किया ?

लाला बलवन्त राय तायलः इस आयोग की दो बार अवधि बढ़ाई गई थी।

श्रीमती सुशमा स्वराजः स्पीकर साहब, मैं यह पूछना चाहती हूं कि इस आयोग की अवधि कितने–कितने समय के लिए बढ़ाई गई थी और इसे अपना काम कब समाप्त कर लेना चाहिए था ?

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल): स्पीकर साहब, वेतन आयोग को यह कहा गया था कि वह अपनी रिपोर्ट 6 मास के अन्दर अन्दर दे लेकिन आयोग इस अवधि के दौरान अपनी रिपोर्ट सरकार को पे ा नहीं कर सका इसलिए इसकी अवधि दो बार बढ़ानी पड़ी।

श्री अध्यक्षः जो सवाल आपने पूछा है उसका मकसद तो पूरा हो गया है। जैसे कि मंत्री महोदय ने बताया है कि इस आयेाग का गठन जनवरी 79 में किया गया था और 6 महीने के अन्दर अन्दर रिपोट्र देने के लिए कहा गया था। लेकिन वह इस अवधि के दौरान अपनी रिपोर्ट नहीं दे सका तो जुलाई अगस्त में आयोग की अवधि और बढ़ा दी गई और उसके बाद दिसम्बर में खत्म हो गयी। यदि मंत्री महोदय के पास कोई निि चत तिथि भी हो तो वह भी बता दें।

लाला बलवन्त राय तायलः आयोग की अवधि दो बार दो दो महीने के बढ़ाई गई थी।

श्री अध्यक्षः आयोग ने दिसम्बर 1979 में अपनी अवधि पूरी कर ली। इस पर जो खर्च हुआ है वह मन्त्री महोदय ने बता ही दिया है।

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहूंगा कि टर्म्ज आफ रैफरेन्स में किस किस कैटेगरी के कर्मचारियों के लिए यह आयोग बनाया गया था ?

श्री अध्यक्षः यह अलग सवाल है। इस सप्लीमेन्टरी का इस सवाल से कोई संबंध नहीं।

लाला बलवन्त राय तायलः यदि माननीय मैंबर सैप्रेट नोटिस देंगे तों जवाब दे दिया जायेगा।

श्री मूल चन्द मंगलाः क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि इस आयोग के गठन पर तनख्वाह के अलावा और कितना खर्च हुआ है ?

लाला बलवन्त राय तायलः स्पीकर साहब, इस आयोग पर तनख्वाह के अलावा डेली अलाउंस और आने जाने का खर्च भाामिल है।

श्री मूल चन्द मंगलाः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने पूरा जवाब नहीं दिया। मैंने तो यह पूछा था कि और मदों पर कितना खर्च हुआ है ?

लाला बलवन्त राय तायलः स्पीकर साहब, इस आयोग पर 41172 रुपये टी0ए0 डी0ए0 पर खर्च हुआ है। इसके अलावा वेतन, स्टे ानरी तथा और दूसरे खर्चों को मिला कर कुल तीन लाख 69 हजार रुपये खर्च हुए हैं। (विघ्न)

Mr. Speaker: I must say that the Minister is giving a very clear cut reply. I tell you that I will be the last person to compliment a Minister unless I really feel that he is giving the reply clearly. the Hon'ble Minister has replied very clearly.

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि जो रिपोर्ट वेतन आयोग ने दी है उसे एक महीने के अन्दर अन्दर लागू कर दिया जायेगा ?

लाला बलवन्त राय तायलः स्पीकर साहब, मैं पूछना चाहता हूं कि क्या वे इस आयोग की रिपोर्ट को लागू करने के लिए कोई एग्जैक्ट टाईम बता सकेंगे ?

श्री अध्यक्षः अभी मंत्री महोदय ने बताया है कि दो मैंबरों की रिपोर्ट आई है और वे दोनों रिपोर्टें अलग अलग हैं। यह पहले भी कहा जा चुका है कि इन दोनों रिपोर्टों को सिक्रूटनाईज करने के लिए चीफ सैक्रेटरी की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई हुई है। इसलिए इसको लागू करने में कुछ समय लगेगा।

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि क्या इस रिपोर्ट को लागू करने के लिए एक महीना, दो महीने, तीन महीने या 4 महीने का समय मुकर्रर करेंगें ?

लाला बलवन्त राय तायलः स्पीकर साहब, सरकार इस रिपोर्ट को भीघ्र लागू करने की कोि ा ा कर रही है।

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैं मंत्री महोदय से जाननना चाहूंगा कि इन दो सदस्यों की रिपोर्ट्स में जो एनोमलीज हैं, वे मोटे तौर पर क्या क्या हैं ?

लाला बलवन्त राय तायलः इसके लिए आप अलग से नोटिस दें, मैं जवाब दे दूंगा। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः यह अलग सवाल हैं इस सप्लीमेन्टरी का इस सवाल से कोई संबंध नहीं है। यदि मंत्री महोदय चाहें तो मोटी मोटी बातें बता दें।

लाला बलवन्त राय तायलः वेतन आयोग की रिपोर्ट पर डिस्क ान के लिए आधे घण्टे का समय भी रखा गया है तथा रिपोर्ट सदन के पटल पर भी रख दी गई है जो देखी जा सकती है।

Illicit distillation and sale of liquor

***1477. Swami Aditya Vesh, Shri Fateh Chand Vij :** Will the Minister for Finance be pleased to state-

(a) whether the Government is aware of the fact that illicit distillation and sale of liquor is going on in the State; if so, the steps, if any, so far taken or proposed to be taken by the Government to check the same; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to introduce total prohibition in the State; if so, the time by which the total prohibition is likely to be introduced in the State ?

वित्त मंत्री (लाला बलवन्त राय तायल):

(ए) जी हां। अवैध भाराब के बनाए जाने तथा इसकी बिक्री के मामले कभी–2 ध्यान में आते रहते हैं। इस अवैध भाराब के बनाये जाने तथा इसकी बिक्री को रोकने के लिए पुलिस स्टाफ

तथा आबकारी अधिकारियों द्वारा काफी जोर से चैंकिंग की जाती है।

(बी) हर वर्श राज्य की आबकारी नीति निर्धारित करते समय न ाबन्दी का पहलू ध्यान में रखा जाता है। पूर्ण न ाबन्दी कब से लागू हो सकती है, इस विशय में कोई नि चत तिथि बताना इस समय सम्भव नहीं है।

स्वामी आदित्यवे ाः स्पीकर साहब, मैं आपके जरिए मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि न ाबंदी की पालिसी को लागू करने में क्या कठिनाई है ?

लाला बलवन्त राय तायलः स्पीकर साहब, जहां जहां पर भाराब के ठेंके बन्द किए गए थे वहां पर इलीसिट भाराब ज्यादा बननी भुरू हो गई थी। इस प्रकार ला एण्ड आर्डर में भी कामी फर्क पड़ गया था, इसलिए इस पालिसी पर दोबारा विचार करना पड़ा।

डा0 बृज मोहन गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि इलीसिट भाराब के औफ एंड औन कितने केसिज पकड़े गऐ और उनके खिलाफ क्या कार्यवाही की गई ?

(इस प्र न का उत्तन नहीं दिया गया)

श्री फतेह चन्द विजः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री साहब ने घोशणा की थी कि जी0टी0 रोड पर जितने भी भाराब के ठेके बन्द पड़े हैं, वे चालू नहीं किए जायेंगे, लेकिन अब मालूम हुआ है कि वे ठेके दोबारा चालू करने के आदे ा दिए गए हैं। क्या यह आदे ा इस पालिसी के तहत दिए गए हैं ?

लाला बलवन्त राय तायलः अध्यक्ष महोदय, जी0टी0 रोड पर जितने भी भाराब के ठेके बंद हैं, उनको चालू करने का कोई विचार नहीं है।

सरदार सुखदेव सिंहः स्पीकर साहब, मैं आप द्वारा मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि जिस प्रकार राजस्थान के अंदर पुलिस वालों के साथ साथ एक्साईज वालों को भी नाजायज भाराब निकालने वालों पर रेड करने का अधिकार है, क्योंकि इस अधिकार से उनकी आमदनी में बढ़ौतरी होती है तो क्या हरियाणा में भी एक्साईज एण्ड टेकसे ान डिपार्टमैंट को यह अधिकार देने की योजना है ?

लाला बलवन्त राय तायलः भाराब को नाजायज तौर पर निकालने से रोकने के लिये पुलिस के पास पावर्ज ठीक हैं।

सरदार सुखदेव सिंहः स्पीकर साहब, मेरी सबमि ान यह है कि नाजायज भाराब को पकड़ने के मामले में पुलिस कुछ न कुछ ले देकर के छोड़ देती है जबकि एक्साईज वालों को अपनी स्टेट की आमदनी बढ़ाने का इन्ट्रैस्ट होता है। राजस्थान में ये

पावर्ज एक्साईज वालों के पास भी और पुलिस वालों के पास भी है, क्या सरकार नाजायज भाराब को रोकने के लिये और स्टेट की आमदनी ज्यादा बढ़ाने के लिये ये पावर्ज एक्साईज वालों को भी देने पर विचार करेगी ?

लाला बलवन्त राय तायलः जो सुजै ान इन्होंने दिया है, उस पर हम विचार कर लेंगे।

चौधरी सतवीर सिंह मलिकः क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि पुरानी सरकार की जो टोटल प्रोहिब ान की पालिसी थी, उसको सरकार ने क्यों चेन्ज किया है ?

लाला बलवन्त राय तायलः स्पीकर साहब, जो पुरानी सरकार की पालिसी थी, वही रखी गयी है लेकिन उसमें उसमें हमने भाराब का कोटा बढ़ा दिया है क्योंकि इसीसिट डिस्टीले ान जयादा बढ़ गई थी।

डा0 मंगल सैनः पिछले दिनों अखबारों में यह छपा था कि आगे से ड्राई डेज भी कम किये जा रहे हैं और भाराब का कोटा भी बढ़ाया जा रहा है। क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि क्या यह बात ठीक है ?

लाला बलवन्त राय तायलः ड्राई डेज तो कम नहीं किये गये, सिर्फ कोटा बढ़ाया गया है।

श्री जय नारायण वर्मा: क्या मंत्री महोदय के नोटिस में कोई ऐसी बात आयी है कि जो भाराब के ठेके हैं, उन पर भी नाजायज भाराब बिकती है। अगर हो, तो ऐसे ठेकेदारों के खिलाफ क्या कोई कार्यवाही की गयी है ?

लाला बलवन्त राय तायल: ऐसा कोई केस अभी तक तो नोटिस में आया नहीं है, जब आयेगा तो बता दूंगा।

चौधरी कर्म सिंह: मैं मंत्री महोदय को यह बताना चाहता हूं कि हल्का रतिया में एक महमड़ा गांव है, वहां पर नाजायज भाराब बहुत ज्यादा निकलती है। वह गांव सारे हरियाणा को नाजायज भाराब सप्लाई करता है। क्या इसको रोकने के लिये सरकार कोई कदम उठाने के लिये तैयार है ?

लाला बलवन्त राय तायल: मेरे नोटिस में यह बात अभी लायी गयी है। मैं इस पर कार्यवाही करके आपको सूचना दे दूंगा।

श्रीमती सुशमा स्वराज: स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने इस सवाल के पार्ट (बी) के जवाब में यह बताया है कि पूर्ण न ाबन्दी कब से लागू हो सकती है, इस विशय में कोई नि चत तिथि बताना इस समय सम्भव नहीं है। यह महकमा संभालते ही मंत्री महोदय ने अखबारों में एक व्यान दिया था कि पूर्ण न ाबंदी 2 अक्तूबर 1979 से लागू हो जायेगी। क्या अब इन्होंने उस स्टैंड को बदल लिया है ?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, सरकार की तरफ से ऐसेा कोई स्टैंड नहीं लिया गया था कि 2 अक्तूबर 1979 से स्टेट में पूर्ण न ाबन्दी लागू की जायेगी। इसमें कोई दो राय नहीं है कि भाराब कोई अच्छी चीज नहीं है लेकिन अकेले हरियाणा प्रान्त में या एक दो दूसरे प्रान्तों में बन्द करने से यह समस्या हल नहीं हो सकती। दे ा में और प्रदे ा में पूर्ण न ाबन्दी तब तक लागू नहीं हो सकती जब तक न ाबन्दी सारे प्रान्तों में लागू न हो। हमने ठेकों की संख्या को बढ़ाया नहीं है और ड्राई डेज भी उतने ही रखे हैं जितने पहले थे। लेकिन चूंकि पड़ौसी राज्यों पंजाब से, राजस्थान से और हिमाचल प्रदे ा से इतनी नाजायज भाराब आती थी कि उससे ला एण्ड आर्डर की प्रौब्लम पैदा हो गयी और एक्साईज का अलग नुक्सान हुआ। हमने इस चीज को मद्देनजर रखते हुए भाराब को कोटा थोड़ा सा जरूर बढ़ाया है। हम अब भी उस बात पर कायम हैं कि अगर कोई पंचायत यह रैजोल्यू ान पास करके भेजे कि वहां पर भाराब का ठेका नहीं होना चाहिए, हम वहां पर ठेका बन्द कर देंगे। जैसे मैंने बताया कि हरियाणा में यदि अकेले में पूर्ण न ाबन्दी लागू की जाये तो यह सम्भव नहीं है क्योंकि यह लागू नहीं हो सकती।

चौधरी संत कंवर: स्पीकर साहब, पिछले दिनों अखबारों में यह आया था कि जो ठेकेदार ज्यादा भाराब बेचेगा, उसको कुछ सहूलियतें दी जायेंगी, क्या यह बात ठीक है ? (ाोर व व्यवधान)

लाला बलवन्त राय तायल: ऐसी कोई बात नहीं है।

चौधरी गंगा रामः स्पीकर साहब, अभी मंत्री महोदय ने यह बताया है कि भाराब का कोटा बढ़ाया गया है। जैसे आपको पता ही है कि हरियाणा में तो अकाल पड़ा हुआ है, लोगों की खरीदने की कैपेसिटी बिल्कुल भी नहीं है। क्या मंत्री महोदय यह बतायेंगे कि भाराब की फरोख्त के लिये मंडियां ढूंढने के लिये स्वामी आदित्यवे ा जी को दूसरे दे ाों में भेजेंगे ? (हंसी व व्यवधान)

श्री भले रामः स्पीकर साहब, अभी यहां पर यह बताया गया है कि इससे हरियाण स्टेट को काफी आमदनी होती है और इसे बन्द करना बहुत ही मु कल है। क्या मंत्री महोदय, यह बताने की कृपा करेंगे कि अगर हरेक आदमी यह सलाक कर ले कि वह भाराब नहीं पीयेगा तो इनको आमदनी कहां से होगी ?

(इस प्र न का उत्तर नहीं दिया गया।)

चौधरी पीर चन्दः मुख्य मंत्री महोदय ने यह बताया है कि पड़ौसी प्रदे ाों, जैसे पंजाब, राजस्थान और हिमाचल से काफी नाजायज भाराब यहां पर आकर बिकती है। क्या हरियाणा सरकार इन प्रदे ाों के बार्डर्ज पर जो अधिकारी बैठते हैं, उनसे मिल कर कोई रेड करवाएगी जिससे कि यह नाजायज भाराब आनी बन्द हो जाये ?

लाला बलवन्त राय तायलः स्पीकर साहब, एक दूसरी स्टेट्स के अधिकारीगण समय समय पर और सख्ती से काम करने के लिए मिलते रहेत हैं। (व्यवधान एवं भाोर)

श्री कंवल सिंहः क्या मंत्री महोदय को यह पता है कि इनके अपने ही हल्के में एक पीरांवाली ढानी है। वहां पर नाजायज भाराब बहुत ज्यादा निकलती है, इनको अगर पता है तो वहां पर नाजायज भाराब को बन्द करने के लिये क्या कोई कदम उठाये हैं ?

लाला बलवन्त राय तायलः नाजायज भाराब तो लगभग हरेक जगह पर निकलती है लेकिन जिस ढानी का नाम इन्होंने लिया है, वहां पर हमने पहले ही पुलिस चौकी बिठा दी है। उन्होंने वहां पर काफी नाजायज भाराब पकड़ी भी है।

चौधरी राम लाल वधवाः स्पीकर साहब, क्या मंत्री महोदय यह बताने का कश्ट करेंगे कि एक गांधीवादी होते हुए इनकी आत्मा इस पालिसी को स्वीकार करती है ?

Mr. Speaker: I think, it has been answered by the Chief Minister very well.

श्री रघुनाथ गोयलः मंत्री महोदय ने यह बताया है कि यहां पर नाजायज भाराब आकर बिकती है। क्या मंत्री महोदय यह बताने का कश्ट करेंगे कि कितने ऐसे केसिज पकड़े गये या दर्ज

हुए हैं जिसमें लोगों ने बाहर से भाराब लाकर हरियाणा में बेची हो ?

श्री अध्यक्षः पुलिस में कितने केस रिपोर्ट हुए हैं, इस सवाल में यह बात नहीं है। इसके लिये सैपरेट नोटिस दें।

चौधरी राम लाल वधवाः स्पीकर साहब, मेरी एक प्रार्थना है। इस पर हाफ एन आवर डिस्क ान हो जाये तो अच्छा रहेगा। (व्यवधान व भाोर) यह सारे हरियाणा के लोगों को बहबूदी का सवाल है और गवर्नमैंट ने पालिसी चेन्ज कर दी है।

स्वामी आदित्यवे ाः स्पीकर साहब, आपने जब चौधरी गंगाराम जी को सवाल पूछने की इजाजत दी तो उन्होंने कोई सवाल, जो उनको पूछना चाहिए था, वह तो पूछा नहीं। उन्होंने यह पूछा कि भाराब की फरोख्त के लिये मंडियां ढूंढने के लिये क्या स्वामी जी को दूसरे दे ाों में भेजेंगे ? मैं इनको यह बताना चाहता हूं कि ये मेरे साथ चलें। मैं इनको भी वहां पर बेच दूंगा। (ाोर व व्यवधान)

श्री अध्यक्षः स्वामी जी, अगर अगर कोई सवाल पूछना चाहते हैं तो पूछें।

स्वामी आदित्यवे ाः अध्यक्ष महोदय, मेरा सवाल यह है कि गुजरात और मद्रास की सरकारें ने भी पूर्ण न ााबन्दी लागू की हुई है और वहां पर भी अवैध भाराब की समस्या होगी। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि क्या हमारी सरकार भी

उनके रास्ते पर चलकर अपने प्रान्त में अवैध भाराब को बन्द करेगी ?

लाला बलवन्त राय तायलः स्पीकर साहब, जिन प्रान्तों में पूर्ण न ाबन्दी है वहां पर भी इलीसिट भाराब की समस्या है। उनसे भी हमने बातचीत की है और वे भी कहते हैं कि हमारे यहां भी इलीसिट भाराब की काफी बड़ी समस्या है लेकिन हमने बन्द की हुई है। अध्यक्ष महोदय, हम इस बारे में वक्तन फवक्तन विचार करते रहते हैं और इसलिए हमने ठेके नहीं बढ़ाए हैं। इस चीज को देखकर भाायद अगले साल और कम हो जाएं। हमारी सरकार इस बारे में काफी जागरूक है।

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, इस सब्जैक्ट पर आधे घंटे की डिस्क ान की मांग आई और मैंने इस सब्जैक्ट का महत्व देखकर इस प्र न पर पन्द्रह मिनट का टाईम दिया है। मेरा ख्याल है कि हर सब्जैक्ट पर आधे घंटे का डिस्क ान करना उचित नहीं रहेगा (व्यवधान) यह सब्जैक्ट बहुत थारोली डिस्कस हो चुका है और मैं अपनी तरफ से गवर्नमैंट से सिफारि ा करूंगा कि इलीसिट डिस्टीलि ान का जो मसला है इसके ऊपर ज्यादा से ज्यादा जोर देकर और कड़ी से कड़ी सजा देकर बन्द कराने का प्रयत्न करें।

Hospitals/Dispensaries in the State

***1464. Shri Hiran Nand Arya:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the total number of foundation stones laid for the construction of Hospitals and Civil Dispensaries during the calendar year 1970 in the State; and

(b) the total number of Hospitals/Dispensaries cut of these referred ot in part (a) above which have started functioning togetherwith the details of cost of construction thereof constituency-wise ?

मुख्य मन्त्री (चौधरी भजन लाल):

(क) एक। उपलब्ध रिकार्ड के अनुसार कैलेण्डर वर्श 1970 में नारनौल में एक हस्पताल के निर्माण का ि ालान्यास किया गया था।

(ख) उक्त हस्पताल 1973 से चल रहा हे। इस हस्पताल के निर्माण की लागत 32.26 लाख रुपये थी।

श्री हीरा नन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, मुख्य मन्त्री महोदय ने बताया है कि उपलब्ध रिकार्ड के अनुसावर एक हस्पताल के निर्माण का ि ालान्यास किया गया थ। क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगें कि क्या इनके पास रिकार्ड नही हैं कि 1979 में कितने हस्पतालों के पत्थर रखे गए और अगर रिकार्ड है तो क्या यह बताने की कृपा करेंगें कि कितने हस्पतालों के पत्थर रखे गए हैं ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इनका सवाल यह है कि 1970 के दौरान कितने हस्पतालों की आधारि ाला रखी गई थी ?

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, मेरा सवाल 1970 के बारे में नहीं है, यह 1979 के सम्बन्ध में है।

चौधरी भजन लालः अगर 1979 के बारे मैं है तो विधान सभा से गल्ती हो सकती है। सवाल में तो 1970 लिखा हुआ हैं (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मुमकिन है कि प्रिटिंग ऐरर हो गई हो। विधान सभा में गल्ती हो गई हो, मैं कह नहीं सकता। मैं इसको चैक अप कर लूंगा। यह प्रिटिंग ऐरर भी हो सकती है। मेरे पास जो कापी है इसमें भी 1970 लिखा हुआ है। मैं चैक अप करूंगा। अब तो 1970 के सम्बन्ध में सवाल आ गया है, उसका जवाब ही दिया जाएगा।

श्री हीरा नन्द आर्यः तो स्पीकर साहब, नैक्सट सिटिंग के लिए यह सवाल रख लीजिए।

श्री अध्यक्षः अगली सिटिंग सोमवार को होगी और सोमवार तक जवाब देना मु ि कल होगा। आप नोटिस दे दें, मैं इसको एडमिट कर लूंगा। मुमकिन है कि विधान सभा से गल्ती हो गई हो या भाायद सवाल देने में गलती हो गई हो, ऐसा हो सकता है।

ब्रिगेडियर रण सिहः स्पीकर साहब, इनका वाजिब बात है।

श्री अध्यक्षः मैं चैक अप कर लूंगा। अगर आपने 1979 लिखा है तो मैं गवर्नमैंट से रिक्वैस्ट करूंगा कि इसका जवाब दस दिन के अन्दर आ जाए। अगर हमारी तरफ से गलती हुई है तो दस दिन के अन्दर जवाब आ जाएगा। अगर आप इस बारे में कोई वि ोश चीज पूछना चाहें तो पूछ लें। अगर मुख्य मंत्री महोदय की नौलिज में होगी तो वे उसका जवाब दे देंगे।

श्री हीरा नन्द आर्यः मैं तो यही पूछना चाहूंगा कि 1979 में राज्य में कितने हस्पतालों के फाउंडे ान स्टाने रखे गए ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, जो 1970 में चालू किए गए थे उनमें से जिन पर काम चालू हैं वे हैं – आदमपुर, सिरसा और बावल। जो मंजूर हुए हैं और जहां पत्थर रखे हैं वे हैं होडल, असन्ध, उकलाना, फतेहाबाद और अम्बाला।

ब्रिगेडियर रण सिंहः स्पीकर साहब, इसमें बड़ी वाजिब बात है। 1970 का तो यह सवाल ही नहीं है। सवाल 1979 के बारे मै पूछा गया है। I am sure, there must be some misprint.

Mr. Speaker: If the Chief Minister is prepared to give information with regard to the year 1979, inspite of the fact whether there is some mistake on the part of the Member giving notice or the Vidhan Sabha Secretariat then I think, there is no difficulty.

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, सवाल जो पूछा गया है वह वर्श 1979 के बारे में पूछा गया है और हम उसी साल के बारे में इंफरमे ान चाहते हैं।

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, मैं आपे सामने जो सवाल पूछा गया है वह पढ़ देता हूं। श्री हीरानन्द आर्य ने अपने पैड के ऊपर लिखा है ––

"HIRA NAND ARYA

M.L.A. Tele 2062

62- Park Colony,

Bhiwani (HARAYANA)

Starred Question

Health Minister

How many Hospitals and civil dispensaries were started or fondation stones were laid down during the year 1970..... " (Interruption)

श्री हीरा नन्द आर्यः यह मेरे से गलती हो गई है, मैं अपनी मिस्टेक मानता हूं। (व्यवधान)

Mr. Speaker: Order please, order. It is not my intention in any way. किसी से भी गलती हो सकती है। मेरे से भी गलती हो सकती है। कोई भी गलती कर सकता है। लेकिन मैं

कहना चाहता हूं कि अगर आप 1979 के बारे में सवाल देंगे तो मैं दस दिन के अन्दर उसका जवाब दिलवा दूंगा।

Profit/Loss in the Cooperative Conusumer Stores

***1453. *Chaudhri Jagjit Singh Pohloo:** Will the Minister for Cooperation be pleased to state-

(a) whether the existing Cooperative Conusmer Stores in the State as well as those run by the Haryana. Government at Chandigarh are running in proift; if so the amount of proift earned by them during the years 1977-78, 1978-79 and 1979-80 (upto 31-1-1980) separately; and

(b) if reply to part (a) be in the negative, the amoutn of loss suffered by them during the period referred to in part (a) above separately ?

Cooperation and Planning Minister (Thakur Bir Singh):

(a) and (b) A statement is laid on the Table of the House.

STATEMENT

(a) 21 Central Cooperative Wholesale Consumers Stores and 66 Primary Cooperative Consumers Stores were working in the State as on 30-6-1979. As on 30-6-1978, there were only 17 Central Cooperative Consumers Stores and 65 Primary Stores. The Ambala Central Cooperative Consumers Stores is also running 7 branches at Chandigarh.

The accounts of the Cooperative Societies are closed on 30th of Jund each year. The profit and loss position of the Stores for the year 1979-80 (as on 31-1-1980) is not available at present. The position for 1977-78 and 1978-79 is given below :-

		Year 1977-78		Amount in lacs 1978-79	
		Central Stores	Primary Stores	Central Stores	Primary Stores
1.	Total No. of Coop. Consumer Stores running in profit.	12	14	15	22
2.	Amount of profit	5.27	0.41	6.99	6.36

(b) The Position of Stores working in loss for the years 1977-78 and 1978-79 is as below :-

		Year 1977-78		Amount in lacs 1978-79	
		Central Stores	Primary Stores	Central Stores	Primary Stores
1.	Total No. of Coop. Consumer Stores running in profit.	4	16	5	8

2.	Amount of profit	3.70	4.79	1.82	0.35

Since the accounts of the Ambala Central Consumers Store for the year 1977-78 and 1978-79 have not yet been finalised, its account can not be given.

The remaining Primary Stores are not very active in their functioning and have not incurred any profit or loss in bothe these years.

There is also an APEX Federation (Confed) of these Stores with Headquarters at Chandigarh. It is primarily meant to facilitate the working of other Stores in the State. This Apex Federation earned a profit of Rs. 1.79 lacs during the year 1977-78 and Rs. 0.52 lacs during the year 1978-79.

राव दलीप सिंहः स्पीकर साहबः वर्श 1978–79 में पांच सैन्ट्रल स्टोर्ज घाटे में हैं और आठ प्राईमरी स्टोर्ज घाटे में हैं। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि इन स्टोर्ज के घाटे में होने का क्या कारण है ?

ठाकुर बीर सिंहः स्पीकर साहब, घाटाा तो ईयरवाइज स्टेटमैंट में दिया हुआ है और मेरे ख्याल में इनके पास उसकी कापी होगी। स्पीकर साहब, हमारे स्टोर्ज आमतौर पर भाहरों में खुल हुए हैं। इनके बोर्डज अलग अलग हैं और आम तौर पर इनकी पालिसी भी अलग अलग होती है। बोर्ड आफ डायरैक्टर्ज की स्टोर्ज के काम में इंटरफीयरैंस होती है इस कारण घाटा हो जाता हैं लोकल परचेज जो की जाती है उसमें मैंने देखा है कि कई आइटम्ज ऐसे खरीद लिए जाते हैं जिनके बाजार में भाव कम होते

हैं और स्टोर्ज में ज्यादा होते हैं। वे आइटम्ज बिकते नहीं हैं और इस तरह से मनी ब्लाक हो जाती है। कैपिटल ब्लाक होने से घाटा पड़ जाता है। मार्किट में कम्पीटी ान बहुत ज्यादा होता है और स्टोजर्ड को फिक्सड प्राईस पर सामान बेचना पड़ता है। बाजार में दुकानदार चीजों का स्टोर कर लेते हैं लेकिन स्टोर्ज में ऐसा नहीं हो सकता है। स्टोर्ज सेल्ज टैक्स और आक्ट्राय टैक्स की चोरी कर लेते हैं लेकिन यहां ऐसी नहीं हो सकता है। इनको हर चीज रिकार्ड पर चढ़ानी पड़ती है जबकि दुकानदार बहुत सी चीजें चोरी छिपे ले जाते हैं और टैक्स बचाते हैं। हमारा स्टाफ पर काफी खर्चा आता है लेकिन दुकानदारों का स्टाफ पर कोई खास खर्चा नहीं आता है। इसलिए ये कुछ कारण हैं जिनसे हमारे स्टोर्ज में घाटा रहता है।

चौधरी राम लाल वधवाः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने अपने जवाब में बताया है कि कुछ स्टोर्ज प्रोफिट में चल रहे हैं और कुछ लौस में चल रहे हैं। प्रोफिट और लौस में जाने के कारण एक ही बताए गये हैं। इसलिये मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि जब इनके कारण एक ही हैं तो फिर या तो सारे स्टोर्ज प्राफिट में जाने चाहिये या फिर सारे के सारे लौस में जाने चाहियें, ऐसा क्यों नहीं ?

ठाकुर बीर सिंहः स्पीकर साहब, मैंने अभी बताया है कि जहां पर लोकल–एडमिनिस्ट्रे ान का काम एफीि ाऐन्सी से हुआ वहां पर स्टोर्ज प्रोफिट में गये और जहां पर मिस मैनेजमैन्ट हुई

वहां पर स्टोर्ज लौस में गये। जैसे कई स्टोर्ज में माल ब्लाक करके रख लिया गया और वह लोगों तक नहीं पहुंचा जिसके कारण माल बिका नहीं और स्टोर्ज में लौस हुआ। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री भाम ोर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मन्त्री महोदय ने अपने जवाब में लिखा है कि 30–6–79 को 21 सैन्ट्रल कोआप्रेटिव होलसेल कंज्यूमर्ज स्टोर्ज और 66 प्राइमरी कोआप्रेटिव कंज्यूमर्ज स्टोर्ज काम कर रहे थे। आगे पार्ट (बी) के जवाब में उन्होंने यह लिखा है "…. Since the accounts of the Ambala Central Consumers Store for the year 1977-78 and 1978-79 have not yet been finalised, its account cannot be given. The remaining Primary Stores are not very active in their functioning and have not incurred any profit or loss in both these years ……"

इसका मतलब तो यह है कि केवल 6–7 स्टोर्ज ही ठीक काम कर रहे हैं। क्या मंत्री महोदय सारी स्टेट में गांवों और भाहरों में भी इस तरह के स्टोर्ज खोलने का विचार करेंगे ताकि लोगों को जरूरत की चीजें समय पर मुहैया करवाई जा सकें ?

ठाकुर बीर सिंहः स्पीकर साहब, सुरजेवाला जी का यह बड़ा अच्छा सवाल है। मैं उनको यह बता देना चाहता हूं कि इन सारी बातों के लिये अच्छे डिस्ट्रीब्यू ान सिस्टम की जरूरत है। लोगों की जरूरत की चीजें हैं वे हमारे देहातों तक नहीं पहुंच पा रही हैं और सभी लैवल पर यह एक समस्या का विशय बना हुआ

है। इस वजह से प्राईसिज भी ऊपर ही ऊपर जा रही हैं। जहां तक सैन्ट्रल कोआप्रेटिव कंज्यूमर्ज स्टोर्ज की संख्या बढ़ाने का सवाल है उसके बारे में मैं बताना चाहता हूं कि 1977–78 में इनकी संख्या 17 थी, 1978–79 में यह बढ़कर 21 हो गई। अब कुछ दिनों के बाद यह संख्या बढ़ाकर 32 कर दी जाएगी। जहां तक प्राईमरी स्टोर्ज की संख्या का सवाल है, इनकी संख्या 1978–79 में 65 थी। कुछे स्टोर्ज ऐसे रन कर रहे थे, जिनको वन मैन भाो कहा जा सकता है क्योंकि जब उनके पास माल कपड़ा चीनी वगैरह होती हैं तो बेच देते हैं जब माल खत्म हो जाता है तो वह स्टोर बन्द कर दिये जाते हैं। मैं हाउस को और आनरेबल मैम्बर की जानकारी के लिये यह बताना चाहता हूं कि अब हम एक और नया प्रोग्राम बना रहे हैं और जून 80 तक उसको पूरी भाकल दे दी जाएगी। सबसे पहले हम पांच हजार की आबादी वाले गांवों में 225 स्टोर्ज खोलेंगे। जब यह टारगैट पूरा हो जाएगा फिर दो हजार की आबादी वाले गांवों में भी यह प्रोग्राम चालू किया जाएगा। एक सवाल और यहां पर आया कि जो भाहरों में स्टोर्ज रन कर रहे हैं, वहां पर डिफरेन्ट कासमैटिकस और दूसरी लग्जरी आइटमज बेची जाती हैं न कि लोगों की रोजमर्रा की इस्तेमाल होने वाली चीजें। अब मैं हाउस को यहां पर एन ाोर कराता हूं कि हम हर सम्भव कोि ा ा करेंगे कि हर आदमी को उसकी रोजमर्रा की इस्तेमाल की चीजें जो उन्हें नहीं मिलती हैं,उनके घरों तक भी पहुंचाई जाएं। हमारा यह प्रोग्राम है। (तालियां)

श्री सुरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मैं आपके जरिये मिनिस्टर महोदय से यह पूछना चाहूंगा कि भिवानी के अन्दर जो सैन्ट्रल कोआप्रेटिव स्टोर है, वह दिसम्बर के महीने से लौस में जा रहा है, इसका क्या कारण है ?

ठाकुर बीर सिंहः स्पीकर साहब, मैं इस मामले में किसी का नाम नहीं लेना चाहता। वहां पर जो आदमी लगा रखा था, उसने कुछ धन्धा ही ऐसा छेड़ रखा था जिसके कारण यह सब कुछ हुआ। उस स्टोर में जो चीजें आती थीं उन्हें वह पब्लिक तक नहीं पहुंचने देता था और सारा माल ब्लाक करके रखा गया था। कुछ मिस मैनजमैंन्ट की वजह से भी ऐसा हुआ। जो पिछला डायरेक्टर था, उसने भाहरों से कुछ रद्दी कपड़ा खरीद रखा था, जो कि अभी तक वहीं पर ही पड़ा है, लोग उस रद्दी माल को खरीदते नहीं हैं। इनहीं कारणों से वहां का स्टोर नुकसान में जा रहा है।

Mr. Speaker: I would request the Hon'ble Minister to keep the reply short.

श्री मांगेंराम गुप्ताः स्पीकर साहब, अभी मन्त्री महोदय ने यह बताया कि कुछ स्टोर्ज मुनाफे में चल रहे हैं और कुछ घाटे में चल रहे हैं और जहां पर मुनाफा हुआ है वहां पर परचेजिंग सिस्टम अच्छा था और बोर्ड की एफीि ाऐन्सी भी नजर आई। मैं मन्त्री महोदय से यह कहूंगा कि जहां पर घाटा हो रहा है, वहां

पर भी कोई ऐसे एफीि ाऐन्ट बोर्ड का निर्माण क्यों न किया जाए ताकि वे स्टोर्ज भी घाटे में न जाएं ?

ठाकुर बीर सिंहः स्पीकर साहब, अब हम परचेजिंग सिस्टम चेन्ज कर रहे हैं और लोकल परचेज सिस्टम को बन्द कर रहे हैं। अब कनफैड के द्वारा होल सेल में माल लेकर सीधा ही स्टोर्ज को सप्लाई किया करेंगे और आगे से इस तरह की कोई ि ाकायतें सुनने में नहीं आएंगी।

श्री बलदेव तायलः अध्यक्ष महोदय, मन्त्री महोदय ने स्टोर्ज के हानि में जाने के जितने भी कारण बताए हैं, उन सभी में ट्रेडर्ज वगैरह को दोशी माना है कि वे हेराफेरी करते हैं। अगर ऐसी बात होती तो सभी स्टोर्ज नुकसान में जाने चाहियों। दरअसल कोई भी किसी किस्म की बीमारी हो, कोई भी सरकार का गलत काम हो तो सरकार उसका सारा उत्तरदायित्व ट्रेडर्ज पर थोंप देती है। अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि जिन स्टोर्ज में मुनाुफा हुआ है क्या वहां पर ट्रेडर्ज नहीं
बसते ?

ठाकुर बीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, तायल साल अब टेडर्ज की बात यहां पर करते हैं जब ये एक्साईज एण्ड टैक्से ान मिनिस्टर थे, उस वक्त इन्हौंने हिसार और सिरसा के ट्रेडर्ज को *** कहा था। (ाोर एवं व्यवधान) स्पीकर साहब, मैं स्टोर्ज के

बारे में इन्हें बताना चाहता हूं कि स्टोर्ज के अपने अपने रूल्ज होते हैं। (ाोर एवं व्यवधान)

(At this stage, so me members rose to put supplementary questions.)

Mr. Speaker: Hon'ble Members, we have spent too much time for discussion on this question. As such, there will be no more supplemntaries on this question.

Shri Baldev Tayal: On a point of personal explanation.

Mr. Speaker: No personla explanaiton is allowed during the question hours. I will give you time later on. Please remind me after the question hour.

Shri Baldev Tayal: Thank you, Sir. (Interruptions)

Mr. Speaker: Alright, I will allow one/two more supplementaries on this question.

डा0 बृज मोहन गुप्ताः क्या मंत्री महोदय के नोटिस में यह बात है कि कई स्टोर्ज में चोरी भी हुई है और कई में भाार्टेज भी हुई है। अगर यह बात सही है तो कितने स्टोर्ज में चोरियां या भाार्टेज हुई हैं ?

ठाकुर बीर सिंहः भाार्टेज का क्वै चन तो आम तौर पर स्टोर्ज में आता रहता है। जैसे अम्बाला इनके पड़ौस में है जिसका चार्ट में भी हवाला दिया हुआ है उसके घाटे की वजह यही थी कि वहां पर भाार्टेज थी। जिस जिस स्टोर में भाार्टेज हमारे नोटिस में

आ रही है उनके अधिकारियों के खिलाफ एक ान लिया जा रहा है।

तारांकित प्र न संख्या 1453 पर आधे घंटे की चर्चा के लिए मांग

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, यह बड़ा जरूरी सवाल है इस पर आधे घंटे की चर्चा होनी चाहिए। (ाोर)

चौधरी राम लाल वधवाः स्पीकर साहब, यह बहुत इम्पोर्टैंट सवाल है और हाउस चाहता है कि इस पर आधे घंटे की चर्चा होनी चाहिए। इस समय टाईम थोड़ा है अगर आधे घंटे की चर्चा हो जाए तो मसला हल हो जाएगा। (ाोर)

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल): मन्त्री जी ने इस पर पहले ही आधे घंटे तक जवाब दिया है अगर आप चाहते हैं तो इस पर दस मिनट और पूछ लें। (ाोर)

श्री अध्यक्षः मैं समझता हूं कि हर एक सवाल इम्पोर्टैंट है। अब आप देखिये कि जो अगला सवाल है कि उसका गवर्नमैंट ने 20.25 सफे का जवाब तैयार किया है लेकिन पूछने वाले मैंबर साहब हाउस में हाजिर ही नहीं हैं। (ाोर)

(इस समय बहुत से मैंबर बोलने के लिए खड़े हो गये) (ाोर)

चौधरी राम लाल वधवाः स्पीकर साहब, सुरजेवाला जी भी मुझे कह रहे हैं कि दे दीजिये।

श्री अध्यक्षः अगर जरूरी सवाल है तो आप आधे घंटे की चर्चा के लिये लिख कर दे दीजिये।

तारांकित प्र न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, ये तो बगैर नकेल के हैं। इनका कोई लीडर नहीं है ये तो सारे ही बोलने के लिये खड़े हो जाते हैं। (ाोर)

श्री अध्यक्षः अगला सवाल। चौधरी राम लाल वधवा।

श्री मूल चन्द जैनः स्पीकर साहब, इससे पले एक मेरा सवाल था .....

श्री अध्यक्षः जैन साहब, आपके सवाल के लिये मुझे दुख है कि गवर्नमैंट ने 25 पेज का जवाब तेयार किया लेकिन आप लेट आए हैं।

श्री मूल चन्द जनः स्पीकर साहब, मेरे चोट लगी हुई है इसलिये आपको मेरे साथ इतनी तो लिहाज करनी चाहिये।

श्री अध्यक्षः ठीक हे आपकी चोट को देखते हुए मैं आपको अलाऊ कर देते हूं। आप कृपया अपना सवाल पूछिये।

***1442. Shri Mool Chand Jain:** Will the Chief Minister be please to state –

(a) the Institute-wise and trade-wise number of students/trainees who sought admission in various Industrial Training Instititutes in the State duringh the years 1978-79 and 1979-80 to

(b) whether demand for increasing the number of seats in various trades has been received; if so, the steps taken or proposed to be taken by the Government to meet this demand; and

(c) whether there is any proposal under consideration of the Government to increase the number of admissions in the aforesaid Institutes w.e.f. the next academic year ?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(ए) विवणियां 'क' से 'घ' परिि ाश्ठों में सदन के पटल पर रख दी हैं।

(बी) जी हां, विभिन्न व्यवसायों में 392 सीटें बढ़ाने हेतु प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है।

(सी) जी हां।

ANNEXURE "A"

Statement showing number of application received in various I.T.I.'s trade-wise in the year 1978-79

Name of I.T.I.	D/Man (Mech.)	Radio & T.V.	Tool & Die Maker	Motor Mech.	Fitter	Turner	Machinist
Ambala	224	182	67	438	484	342	228
Sonepat	217	210	101	357	356	237	118
Narwana	-	-	-	72	50	111	50
Narnaul	-	-	-	-	160	176	87
Kaithal	-	-	-	92	40	54	-
Panipat	-	80	-	175	231	129	-
Palwal	-	-	-	-	159	274	211

Faridabad	222	-	82	134	242	376	289
Karnal	-	-	-	119	75	87	47
Yamuna Nagar	158	136	-	170	434	358	234
Hissar	218	-	-	32	135	178	88
Rohtak	345	210	-	546	478	488	-
Sirsa	-	37	-	73	31	57	28
Bhiwani	-	85	-	-	166	209	108
Gurgaon	162	160	-	281	216	226	118
Gohana	-	-	-	-	283	258	-
Hassangarh	-	-	-	137	86	80	-
Mohindergarh	-	30	-	142	101	130	1
Nathusari Chopta	-	38	-	95	46	59	-

Total	1546	1168	250	2863	3773	3829	1587

Name of I.T.I.	Electrician	Wireman	Instrument Mech.	Ref. & A/C	Pattern Maker	Blacksmith	Carpenter	Mouldre	Painter
Ambala	339	104	45	95	60	37	37	50	50
Sonepat	297	47	-	64	-	19	25	26	33
Narwana	96	-	-	-	-	-	-	32	-
Narnaul	78	-	-	-	-	-	24	26	-
Kaithal	61	31	-	-	-	-	-	-	-
Panipat	160	-	-	-	-	5	10	33	-
Palwal	157	-	-	-	-	-	-	-	-
Faridabad	184	-	29	-	-	-	18	-	-

Karnal	89	26	-	-	-	-	15	23	31
Yamuna Nagar	157	92	-	23	21	-	38	150	50
Hissar	178	58	-	42	-	-	26	31	37
Rohtak	401	86	37	-	-	-	38	33	-
Sirsa	77	13	-	-	-	-	-	-	7
Bhiwani	123	-	-	-	-	-	27	45	-
Gurgaon	171	86	-	-	-	-	42	23	30
Gohana	250	109	-	-	-	12	29	-	-
Hassangarh	110	41	-	-	-	-	19	-	-
Mohindergarh	-	-	-	-	-	-	5	64	-
Nathusari Chopta	84	-	-	-	--	-	-	-	-
Total	3012	693	111	224	81	73	343	536	238

ANNEXURE "A"

Statement showing number of application received in various I.T.I's trade-wise in the year 1978-79

Name of I.T.I.	Sheet Metal	Welder	Steno (E)	Steno (H)	C&T.	H.C. & P.R.	P.M. O.	Mech. (G)	Tractor Mech.	Diesel Mech.	Wire-less Opt.	D/man (C)	Plumber	Electoplator	Surveyor	Hand Weaving of Darti/N.t.	Hand Weaving of furnis ingh Fabrics	
Ambala	-	276	488	248	31	40	30	-	-	-	-	-	-	-	-	--	-	-
Sonepat	26	151	352	207	62	-	-	14	187	136	153	-	-	-	-	-	-	2
Narwana	-	34	-	149	26	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	2
Narnaul	28	139	-	202	18	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	1
Kaithal	-	47	-	165	22	-	-	-	66	-	-	-	-	-	-	-	-	1
Panipat	16	82	281	188	57	-	-	-	82	-	-	-	-	-	-	-	-	2
Palwal	-	157	136	-	-	-	-	-	146	-	-	-	40	-	-	-	-	-
Faridabad	-	-	181	-	89	-	-	92	-	192	-	258	-	-	-	-	-	-
Karnal	-	70	274	165	23	-	-	-	162	83	-	-	-	-	-	-	-	-
Yamuna	-	328	235	-	25	-	-	-	-	-	-	246	-	27	-	-	-	3

Nagar																		
Hissar	-	45	445	167	56	-	-	-	178	251	-	695	51	-	-	-	-	5
Rohtak	-	189	479	247	140	-	-	-	250	-	-	673	-	-	93	-	-	2
Sirsa	-	-	165	139	20	-	-	-	-	51	-	-	-	-	-	-	-	-
Bhiwani	-	87	-	203	109	23	26	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	0
Gurgaon	27	132	372		34				102	206		243	60	60				
Gohana				355					288			438				12		
Hassangarh		60		108												10	14	
Mohindergarh	18	57		114	2													
Nathusari Chopta		23	121						62		90							
Total	215	1768	3529	2780	734	63	56	106	1580	1009	153	2553	151	27	93	22	14	2

ANNEXURE "B"

Statement showing number of application received in various I.T.I's trade-wise in the year 1979-80

Name of I.T.I.	D/Man Mech.	Radio T.V.	Tool & Die Mk.	Motor Mech.	Mech. Elect. (G)	Fitter	Turner	Machinist	Electrician	Instruments	Mech. Ref. & A/C	Pattern maker	Blacksmith	Carpenter	Moulder	Welder	Steno(E)
Ambala	352	382	98	326	180	436	386	275	459	80	132	55	36	50	61	174	471
Bhiwani		157				208	237	126	267					18	27	77	
Karnal			37	131		139	138	97	235					24	34	69	226
Mohindergarh		43		159		104	129	66	91					12	75	39	
Narnaul		56				251	140	104	96					17	41	97	
Hassangarh				146		87	107		175					28		45	
Y. Nagar	242	130	46	121		375	308	256	303		53			36	57	142	259
Panipat				125		223	115		265				3	12	14	93	189
Kaithal		107		97		55	96		156							46	165
Gurgaon	233	195		255	102	217	235	141	248					25	19	99	343
Hissar	339	220	29	217	95	183	214	74	305					20	22	68	397

Rohtak	524	359	71	622	87	485	523		589					41	43	166	446
Gohana						220	224		339				10	28			
Sonepat	357		164	309		306	237	118	463				4	13	12	131	302
Nathu Sari Chopta		42		25		32	27		68							15	76
Faridabad	307		16	123		268	332	332	258					16			205
Palwal			109			158	258	210	236							47	185
Sirsa	184	77		64		34	56	23	133					11		168	141
Narwana				186		102	924	903	253						30	51	
Maham						110			111					19			
Total																	

ANNEXURE "B"

Statement showing number of application received in various I.T.I's trade-wise in the year 1979-80

Name of I.T.I.	P.M. O.	C&T	Emb.	Tractor Mech.	Diesel Mech.	Sheet Metal	H.W. F.F.	H.W.. DN&T	D/Man Civil	Electro Plater	Mill wright mech.	Surve yor	Plum ber	Machi nist (G)	Wire less Opt.	Watch Clock repair	Wir man
Ambala	40	50															96
Bhiwani	35	39	27														
Karnal		46		109	62												45
Mohindergarh		30				43											
Narnaul		28	22			51			222								44
Hassangarh							27	17									
Y. Nagar		19	15						386	19	48						45
Panipat		28	149	100		26											
Kaithal		10	11	66					356								
Gurgaon		24		149	184	29			416		29		73			56	
Hissar		61	44	184	265				673			261	69				
Rohtak		198	75	269					868			194				32	95

Gohana				156				97	497								87
Sonepat		101	16	137	130	18					48			43	156		
Nathu Sari Chopta				25	30												
Faridabad		67			198				331					113			
Palwal				108									28				
Sirsa		12	9		53				408								19
Narwana		21	21	75					555								
Maham						18											
Total	75	734	389	1378	922	185	27	114	4713	19	125	455	170	156	156	88	431

ANNEXURE "C"

Admission position in Industrial Training Institutes in 1978-79

Name of I.T.I.	Blacksmith	Carpenter	Diesel Mech.	Moulder	Painter	Plumber	Sheet Metal	Tractor Mech.	Welder	Wireless Opt.	D/man (C)	D/Man (M)	Electrician	Fitter	Instrument	Machinist	Mach. (G)	Mech. (C) Elect.	Millwright	Motor Mech.	Pattern Maker
Ambala	18	18		14	16				20			18	33	35	21	25		20		17	18
Bhiwani		17		18					13				18	19			11				
Faridabad		13	38								17	16	17	34	18	24	14	1		16	
Gohana	19	20						14			12		12	8							
Gurgaon		22	14	24	23	12	16	36	19		19	25	33	35		9		25	18	9	
H. Garh		16							12				39	25						19	
Hissar		13	29	16	12	15		43	24		30	17	18	11		10				9	
Kaithal								16	9				17	20						17	
Karnal													18	36		14				14	
M. Garh		19		39			21		13				31	32		21				30	

Narwana				14				16	9		30		28	31		23				27	
Narnaul		17		24			35		26		17		28	30		26					
Nathusari Chopta			15					19	12				13	17						17	
Panipat	9	10		18			12	37	13				80	63						29	
Palwal						18		31	25				48	95		51					
Rohtak		18		16				33	32		92	58	59	88				27		37	
Sirsa			19		7						24	27	16	16		12				15	
Sonepat	10	14	17	16	16		14	18	26	32		15	16	36		39	10			17	
Yamuna Nagar		29		31	17				22		47	41	38	86		77			48	36	13
Total	56	238	146	246	106	45	98	304	298	32	288	217	562	712	39	342	24	72	66	309	31

ANNEXURE "C"

Admission position in Industrial Training Institutes in 1978-79

Name of I.T.I.	Electroplater	Radio TV	Ref & A/C	urveyor	Tool Die Maker	Turner	Wireman	C& T	Embd.	H.C. P&R	H.W. F.F.	H.W. Dari Niwar	Mfg. of goo ds sports	P. M. O.	Steno (H)	Steno (E)	Watch Clock Repair	Total
Ambala		15	18		21	23	14	16		18				11	28	21		458
Bhiwani		21				30		23	18	9				16	32			245
Faridabad					17	12		18								35		289
Gohana						9	10					14			30			148
Gurgaon		16				25	12	14	10						41	35	17	509
H. Garh						31	12				17	14			33			218
Hissar			16			10	13	35	18						65	60		464
Kaithal						15	11	17	16						31			169
Karnal						8	12	20							34	32		309
M. Garh		18				20		10							36			290

Narwana						19		13	11						27			248
Narnaul		12				39	18	18	18						37			345
Nathusari Chopta		9				15									38	34		189
Panipat		17				28		33	18						32	36		435
Palwal					27	86										30		411
Rohtak		24		22	20	89	31	33	18						35	31	24	787
Sirsa		18				12	15	15							31	35		262
Sonepat		13	19		16	21	16	25	17						34	38		490
Yamuna Nagar	21	37	33		46	46	33	22	17							29		763
Total	21	200	86	22	147	532	197	312	161	27	17	28		27	564	416	41	7029

ANNEXURE "D"

Admission position in Industrial Training Institutes in 1979-80

Name of I.T.I.	Black smith	Welder	Sheetal metal	Moulder	Carpenter	Tractor mech.	Diesel mech.	Plumber	Painter	Wireless Opt.	C&T	Embd.	H.C.P&R	P.M.O.	H.W.F.E.	H.W. Dudri Niwar	Steno (H)	Steno (E)	Mfg. of Sports Goods	Tool Die Maker	Mech. (G) Elect.
Ambala	15	24		19	16				19		17		18	17			35	32		18	19
Bhiwani		13		19	17		37				18		18	17			38				
Faridabad					13						18							36			
Gurgaon		24	18	16	19	32	14	14	15		17	9					34	31			14
H. Garh		11			16										16	13	28				
Hissar		25		13	11	51	30	18	17		33	18					68	67		11	15
Kaithal		13				17					11	12					35	35			
Karnal		18		10	14	42	17		12		28						34	27		12	
M. Garh		13	19	31	9						18						35				
Meham			13		6																

Narwana		12		18		18					16	15					35				
Panipat	19	11	11	16	15	31					35	17					35	34			
Narnaul		28	36	16	14						49	18					35				
Palwal		24				29		14										33		18	
Rohtak		26		15	16	34					33	17					35	29		17	19
Sirsa							12		7		11						36	36			
Sonepat	10	28	11	19	15	19	19		19	38	31	17					35	35		19	
Y. Nagar		28		33	35				19		19	15						35		36	
Gohana	17				15	15										15	35				
Nathusari Chopta		9				16	12										26	27			
Total	61	307	108	225	227	304	141	46	108	38	324	156	36	34	16	28	579	457		131	67

ANNEXURE "D"

Admission position in Industrial Training Institutes Haryana State for Session 1979-80

Name of I.T.I.	Patten maker	Radio TV	Surveyor	D/Man (C)	D/Man (M)	Mech. Ref. & A/C	Instrument Mech.	Electrician	Electroplater	Watch Clock repair	Machinist	Mach. (G)	Fitter	Turner	Motor Mech.	Millwright Mech.	Wireman	Total
Ambala	18	15			14	12	19	19			26		34	23	16		17	462
Bhiwani		18						18			15		20	31				260
Faridabad				19	19			19			28	29	35	29	18			300
Gurgaon		16		15	16			15		16	24		30	8	12	17		426
H. Garh								18					11	24	17			154
Hissar		18	14	31	19			15			12		47	19	12			564
Kaithal		16		19				18					18	13	19			226
Karnal								17			28		30	20	18		15	338
M. Garh		16						19			14		18	8	17			217
Meham								41					39					99
Narwana				19				17			14		18	11	14			207

Panipat								17					16	23	16			296
Narnaul		18		19				19			13		37	28			19	319
Palwal								18			23		37	42				237
Rohtak		20	14	54	38			32		16			47	50	16		15	543
Sirsa		10		16	19			16			13		15	11	15		15	232
Sonepat					19			19			43	14	38	27	19	19		513
Y. Nagar		19		18	19	15		18	14		28		37	13	16	38	19	474
Gohana				13				17					16	10			15	168
Nathusari Chopta		16						16					12	6	9			149
Total	18	182	28	223	163	27	19	388	14	32	281	43	554	396	234	74	115	6184

श्री मूल चन्द जैनः क्या मुख्य मन्त्री जी बताएंगे कि जो सीट्स की तादाद बढ़ाना गवर्नमैंट के विचाराधीन है यह कब से है और इसका फैसला कब तक हो जाएगा ?

चौधरी भजन लालः ये अलग अलग ट्रेडज हं और इनकी क्लासें एक अगस्त से भुरू होती हैं। हम कोि ा ा करेंगे कि एक अगस्त से पहले यह फैसला हो जाए।

श्री भाम ोर सिंहः स्पीकर साहब, अनैक चर 'ए' में नरवाना आई0टी0आई0 का नाम भी दिया हुआ है लेकिन उसमें ड्रफ्टसमैन (मैकेनिकल), रेडियों एंड टी0वी0, टूल डाई मेकर, मोटर मैकेनिक, वायरमैन, इन्स्ट्रूमैंट मैकेनिक, रैफरिजरे ान एंड ए/सी, पैट्रन मेकर और ब्लैक स्मिथ जैसी इम्पोर्ट्रेंट ट्रेडज नहीं हैं। तो क्या अगले साल से दूसरी ट्रेडज भी वहां खोलने का विचार है ?

चौधरी भजन लालः इस बात पर जरूर विचार किया जाएगा। लेकिन मैं माननीय सदस्य को यह भी बताना चाहता हूं कि आई0टी0आई0 में एक ट्रेड खोलने पर कम से कम 50 हजार रुपये की लागत आती है। फिर भी जहां तक हो सकेगा हम खोलने की कोि ा ा करेंगें।

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः क्या मुख्य मंत्री जी के नोटिस में यह बात है कि 1977–78 से पहले यानी पिछले दो सालों से पहले हर आई0टी0आई0 में एडमि ान के लिये एक कमेटी बनी हुई थी और उसमें उस जिले के दो दो एम0एल0एज0 रखे जाते थे

लेकिन जनता सरकार आने के बाद वे कमेटियां नहीं रही और उन्होंने यह प्ली ली कि एडमि ान मैरिट पर होगी। तो मैं पूछना चाहता हूं कि क्या उन कमेटियों को फिर रिवाइज करके एडमि ान सिफारि ा के आधार पर होगी ?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, यह ठीक बात है कि पहले जिले के एम0एल0एज0 उस कमेटी के मैम्बर हुआ करते थे लेकिन चौधरी देवी लाल की सरकार ने वह सिस्टम बदल दिया था। हम उस प्रथा को दोबारा जरूर चालू करेंगे।

चौधरी राजेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, पिछली दफा मेरे सवाल का जवाब देते हुए भूतपूर्व मुख्य मंत्री चौधरी देवी लाल ने सदन में यह वि वास दिलाया था बल्लभगढ़ में एक इंडिस्ट्रियल ट्रेनिंग स्कूल खोला जाएगा। तो क्या अब मुख्य मंत्री जी वहां पर वह स्कूल खोलेंगे ?

चौधरी भजन लालः रिकार्ड में ऐसी कोई बात हमारे सामने नहीं है कि चौधरी देवी लाल ने कोई ऐंसी घोशणा की हो। लेकिन फिर भी अगर पिछली सरकार ने कोई ऐसी घोशणा की होगी तो उस पर हम जरूर गौर करेंगें।

श्री मूल चन्द जैनः स्पीकर साहब, रूरल इंडस्ट्रियलाइजे ान प्रोग्राम को देखते हुए क्या चीफ मिनिस्टर साहब देहातों में भी आई0टी0आईज0 खोलने पर जल्दी फैसला करेंगे ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, हम देहातों में भी आई0टी0आईज0 खोलने जा रहे हैं। अगले साल से नगीना, हथीन, जींद तथा दो तीन और जगहों पर आई0टी0आईज0 खोलने जा रहे हैं मेवात के इलाके में भी एक आध और खोलने की कोि ा ा करेंगे।

चौधरी जगदी ा कुमार बैनिवालः क्या मुख्य मंत्री जी बताएंगे कि नाथुसरी चौपटा में जो आई0टी0आई0 खोली गई है वहां पर वर्क ाप और बिल्डिंग अभी तक नहीं बनी है, उसे कब तक बना देंगे ?

चौधरी भजन लालः वहां पर जिस कमी को महसूस किया जाएगा उसको जल्द दूर करने की कोि ा ा करेंगे।

श्री मूल चन्द मंगलाः स्पीकर साहब, पलवल में जो आई0टी0आई0 खोला हुआ है उसमें ट्रेनीज बहुत कम हैं। ट्रेनिज के लिए जो बिल्डिंग दे रखी है उसके बहुत सारे कमरे खाली रहते हैं। क्या मुख्य मंत्री महोदय पलवल आई0टी0आई0 में ज्यादा ट्रेडज खोल कर ट्रेनीज की तादाद बढ़ाने की कृपा करेंगे ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इस प्वायंट को हम एग्जामिन कर लैंगे, अगर जरूरत हुई तो जरूर ट्रेनीज की तादाद बढ़ा देंगे।

श्री गुलजार सिंहः स्पीकर साहब, मैं मुख्य मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि बेरोजगारी को रोकरने के लिए वे क्या

कदम उठा रहे हैं ? आज के हालात में हरियाणा प्रान्त में जो बेकारी बढ़ती जा रही है, इसको ध्यान में रखते हुए क्या मुख्य मंत्री महोदय इस प्रकार के आई0टी0आई0 सारी स्टेट में खोलने की ओर ध्यान देंगे ताकि बेरोजगार लोगों को ट्रेनिग देकर वे अपना काम धन्धा खोल सकें ?

चौधरी भजन लालः मैं आनरेबल मैम्बर साहब की जानकारी के लिए बता देना चाहता हूं कि करानाल डिस्ट्रिक्ट में दो आई0टी0आई0 पहले ही खुले हुए हैं जिनमें से एक पानीपत में है।

श्री मूल चन्द जैनः क्या मुख्य मंत्री साहब बेरोजगारी को ध्यान में रखते हुए आई0टी0आई0 की ि ाफ्टें ज्यादा बढ़ाने की कृपा करेंगे ? जहां पर एक ही ि ाफ्ट है वहां दो कर दी जाएं तो अच्छा रहेगा। गवर्नमैंट को इससे फायदा रहेगा क्योंकि जो म ाीनरी आलरेडी हैं वही यूज हो जाएगी, और खर्चा कम होगा और ज्यादा बच्चे ट्रेनिंग ले सकेंगे।

चौधरी भजन लालः ि ाफ्ट बढ़ाने से काम चलने वाला नहीं है क्योंकि ट्रेनिज का स्तर भी ऊंचा होना चाहिए। इस वक्त हमारे आई0टी0आई0 का सारे दे ा में ऊंचा स्टैंडर्ड है। अगर हम ज्यादा ि ाफ्टें चालू कर के स्टैंडर्ड नीचा करेंगे तो इससे हमारा नाम नहीं बढ़ेगा। ि ाफ्टें ज्यादा बढ़ाने से टीचर्ज काम कैसे करेंगे और अगर करेंगे तो स्टैंडर्ड गिर जायेगा।

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, चौधरी बीरेन्द्र सिंह के सप्लीमेंटरी क्वै चन के जवाब में मुख्य मंत्री जी ने कहा कि चौधरी देवी लाल की सरकार ने अपने भाासन काल मैं आई0टी0आईज0 में दाखले की प्रथा मैरिट के आधार पर कर दी थी और एम0एल0एज0 की कमेटी को तोड़ दिया था। अब मुख्य मंत्री जी कह रहे हैं कि आई0टी0आईज0 में दाखले कि लिए एम0एल0एज0 की कमेटी दोबारा कायम करेंगे। क्या इनके कहने का अभिप्राय यह नहीं है कि अब दाखला मैरिट के आधार पर नहीं होगा बल्कि सिफारि ा के आधार पर होगा ? (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः एडमि ान जो होती है वह मैरिट के आधार पर ही होती है, यह तो आपको पता ही है। जहां पर चार पांच आदमी बैठकर एडमि ान करेंगे, वहां मेरे विचार में मैरिट के आधार पर ही एडमि ान होगी। एक आदमी के ऊपर फैसला छोड़ देने से कहीं ज्यादा अच्छा है अगर चार पांच आदमी बैठकर फैसला करें। (व्यवधान)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं चौधरी वीरेन्द्र सिंह को बताना चाहता हूं कि जो एम0एल0ए0 जनता ने चुनकर भेजे हैं, चौधरी देवी लाल बे ाक उनको पसन्द न करते हों, लेकिन हम उनको पसन्द करते हैं। हम उनको पूरे अख्तियारात देंगे, हमारे एम0एल0एज0 बहुत अच्छे हैं। उनकी जो कमेटी बनेगी वह बिल्कुल इन्साफ के साथ मैरिट के आधार पर एडमि ान करेगी।

Regularisation of the services of Stipendary and Adhoc Teachers

***1448. Chaudhri Ram Lal Wadwa:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the district wise total strength of stipendary and adhoc teachers/teacheresses in the State at present; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to regularise the services of the teachers/teacheress as referred to in part (a) above; if so the time by which the afore-said proposal is likely to materialise ?

मुख्य संसदीय सचिव (श्रीमती भाान्ति देवी): क तथा ख इस समय राज्य में कोई स्टाईपैन्डरी अध्यापक नहीीं है क्योंकि सभी योग्य स्टाईपैण्डरी अध्यापकों की सेवायें 1–1–79 से नियमित कर दी गई थी। जहां तक तदर्थ आधार पर नियुक्त अध्यापकों की संख्या देने का प्र न है वहीं सूचना देना सम्भव नहीं है क्योंकि ि ाक्षा विभाग में हजार से अधिक 'नियुक्ति' प्राधिकारी हैं जैसे कि 1191 हाई स्कूलों के मुख्याध्यापक/मुख्य अध्यापिकाएं, 77 हायर सैकेण्डरी स्कूलों के प्रधानाचार्य, 30 उप मण्डल ि ाक्षा अधिकारी तथा 12 जिला ि ाक्षा अधिकारी हैं। ये सभी अधिकारी अपनी आव यकतानुसार तदर्थ अध्यापकों को नियुक्ति देने के लिए सक्षम हैं। तदर्थ अध्यापकों की संख्या भी बदलती रहती है क्योंकि कुछ

तदर्थ अध्यापक छुट्टी की रिक्तियों के विरूद्ध भर्ती किए जाते हैं। इसलिए यह सूचना एकत्रित करने में जितना श्रम तथा समय लगेगा वह उससे प्राप्त होने वाले लाभ के अनुरूप नहीं होगा। सरकार ने तदर्थ आधार पर लगे ऐसे अध्यापकों की सेवायें जिन्होंने 1–4–73 से 31–12–79 तक दो वर्श की सेवा पूरी कर ली हो, नियमित करने का निर्णय लिया है। सभी योग्य तदर्थ अध्यापकों की सेवायें जल्द नियमित कर दी जाएंगी।

चौधरी सतबीर सिंह मलिकः स्पीकर साहब, इन्होंने जवाब दिया है या लैक्चर। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः यह तो अपनी अपनी समझ की बात है, सवाल का जवाब है या लैक्चर है। (व्यवधान)

चौधरी राम लाल वधवाः स्पीकर साहब, मंन्त्री महोदय ने जो जवाब पढ़ा है, इसकी आखिरी चार लाइनों में लिखा है –

"सरकार ने तदर्थ आधार पर लगे ऐसे अध्यापकों की सेवायें जिन्होंने 1–4–73 से 31–12–79 तक दो वर्श की सेवा पूरी कर ली हो, नियमित करने का निर्णय लिया है। सभी योग्य तदर्थ अध्यापकों की सेवायें जल्द नियमित .....

श्री अध्यक्षः आप सीधा सवाल पूछें।

चौधरी राम लाल वधवा : स्पीकर साहब, इन्होंने आखिर की चार लाइनों में जो लिखा है उसके आधार पर ही मैं

सवाल पूछना चाहता हूं। मैं चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी महोदया से जानना चाहता हूं कि 1–4–73 से 31–12–79 तक कितने टीचर्ज एडहौक बेसिज पर लगे हुए थे और क्या सरकार ने कोई डैड लाईन फिक्स की है कि इस तिथि तक उनकी सेवायें पक्की कर दी जाएंगी ?

श्रीमती भाान्ति देवीः कितने टीचर एडहौक बेसिज पर लगे हुए हैं, ये आंकड़े इकट्ठे करना सम्भव नहीं है, लेकिन मैं माननीय सदस्य को आ वासन देना चाहती हूं कि तीन महीने के अन्दर अन्दर सबकी सेवायें नियमित कर दी जाएंगी।

चौधरी राम लाल वधवाः अगर तीन महीने से पहले ही सरकार की छुट्टी हो गई तो क्या होगा ? (हंसी)

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी साहिबा ने सवाल के जवाब में बताया कि 1–4–73 से 31–12–79 तक जिन अध्यापकों ने दो साल की सर्विस पूरी कर ली है उनको रैगुलर कर दिया जाएगा। 1973 से 1979 तक दो साल का पीरियड तो कभी भी पूरा हो सकता है। मैं चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी महोदया से पूछना चाहता हूं कि जिन अध्यापकों को सर्विस इस पीरियड के दौरान दो साल या दो साल से अधिक की हो गई है लेकिन अब वे सर्विस में नहीं हैं, क्या उनको भी रैगुलर किया जाएगा ?

श्रीमती भाान्ति देवी: जिन अध्यापकों की सर्विस 1–4–73 से 31–12–79 तक, ब्रेक निकाल कर दो साल की हो गई है, उन सभी को नियमित कर दिया जाएगा।

श्री अध्यक्ष: मैं अपनी तरफ से चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी साहिबा को मुबारिकबाद देना चाहता हूं कि उन्होंने बहुत कन्फिडैंस के साथ जवाब दिया है। Now the Question Hour is over.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर

Rampura and Munawali Minors

*1535. Shri Mani Ram: Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state the date on which the construction work on the new minors of Rampura and Munawali in district Sirsa was started and the time by which the water is likely to be supplies for Irrigation through these minors ?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी मेहर सिंह राठी): रामपुरा तथा मुन्नावाली माईनर का कार्य मार्च 1977 तथा जुलाई 1977 में भाुरू किया गया था। रामपुरा माईनर का कार्य पूर्ण होने वाला है। मुन्नावाली माईनर का कार्य चल रहा है और जून 1980

में पूर्ण होने की सम्भावना है। पानी उस के बाद छोड़े जाने की आ ाा है।

Setting up of Industries in Ferozepur Jhirka

***1476. Swami Adityavesh:** Willl the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to set up industries in the industrial area of Ferozepur Jhiraka; and

(b) if so, the time by which the industries referred to in part (a) above are likely to be set up ?

Chief Minister (Chaudhri Bhajan Lal):

(a) Yes. The proposal for setting up an industrial area in Ferozepur Jhirka is under consideration of the Government.

(b) Facilities are to be provided to enterpreneurs to set up industries in the Industrial area. No specific time for the setting up of industries by industrialists in the industrial area can be indicated.

Forged Certificates

***1465. Shri Hira Nand Arya:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether the Government is aware of the fact that forged Matriculation Certificates are sold on behalf of the Board of School Education, Haryana; and

(b) if so, the action, if any, so far taken or proposed to be taken in the matter ?

Chief Minister (Chaudhri Bhajan Lal):

(a) Since the inception of the Board, 30 bogus certificates issued by some unauthorised persons/agencies have come to the notice of the Board.

(b) All the cases were referred to the Police Department of the States, in which the certificates were in the first instances submitted for admission/recruitment etc.

Ravi-Beas Waters

***1454. Chaudhri Jagjit Singh Pohloo:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased state the steps so far taken or proposed to be taken by the Government to get its share of Ravi-Beas waters as per award of the person Prime Minister of India ?

Irrigation & Power Minister (Chaudhri Mehar Singh Rathi): Steps so far taken or proposed to be taken by the Government to get its share of Ravi-Beas waters as per award of the present Prime Minister of India dated 24-3-1976, include several meetings with the Chief Minister, Punjab, the then Prime Minister of India and finally filing of a suit in the

Supreme Court of India on 30-4-1979 under article 131 of the Constitution of India seeking following reliefs :-

Manadatory injunction directing the Central Government to issue supplementary and consequential order for fixing the alignment of S.Y.L. in Punjab along Nangal Hydel Channel, Bhakra Main Line and Narwana Branch within one month, fixing the capacity of S.Y.L. in Punjab territory as 7500 Cusecs within one month, completing the work of S.Y.L. in Punjab portion in entire length within two years and restraining Punjab from using Haryana's share of surplus Ravi-Beas waters as allocated through Government of India order dated 24-3-1976.

The matter is still pending with Supreme Court and is being pursued.

Portablay X-ray Machines in Government Hospitals

***1581. Shri Mool Chand Jain:** Will the Chief Minister be please state-

(a) whether there are any Government Hospitals other than the Medical College Hospital, Rohtak in the State which have got the arrangements of portable X-ray machines therein; if so, the names therof;

(b) if reply to part(a) be in the negative whether there is any proposal under consideration of the Government to provide protable X-ray machines ini all the Government Hospitals in the State; and

(c) the approximate market price of an ordinary portable X-ray machine as at present and whether such machines are easily available in the Country ?

Chief Minister (Chaudhri Bhajan Lal):

(a) Yes. Besides Medical College, Hospital, Rohtak Portable X-Ray machines are available in Gurgaon, Jind, Hissar, Hansi, Bhiwani, Sonepat and Kurukshetra Hospitals.

(b) At present there is no proposal to provide X-ray machines in the remaining Government Hospitals.

(c) (i) The apporoximate market price of a portable X-ray machins is about Rs. 25000/-

(ii) Such X-ray machines are easily available in this country.

Generation of Electricity at Faridabad and Panipat Thermal Plants

***1483. Chaudhri Ram lal Wadhwa:** Will the Minister for Irigation and Power be pleased to state-

(a) the monthwise total number of units of electricity generated at the Faridabad and Panipat Thermal Plants in the years 1975 to 1980 (to-date) separately; and

(b) the monthsise numbr of days oni which the said plants were closed during the period as referred to in part (a) above, togetherwith the reasons thereof ?

Irrigation & Power Minister (Chaudhri Mehar Singh Rathi): (A & b) Two statements are laid on the Table of the House.

Statistics are maintained in terms of the number of hours the plants remained closed since, in many cases, the closure is much less than a day.

STATEMENT-I

Monthwise Generation in Million Units at Thermal Power Plants at Faridabald and Panipat

Month/year	60. M.W. Unit of Faridabad	60 M.W. Unit-II Faridabad	15 M.W. Unit Faridabad	110 M.W. Unit-I Panipat
January, 1975	4558			
February	8011			
March	20.468			
April	12.214		3.933	
May	22.902		3.174	
June	23.626		5.283	
July	22.843			
August	21.909		3.467	
September				

October	31.463			
November	24.490		3.590	
December	32.140		6.074	
January, 1976	26.717		7.654	
February	21.181	Energised in March 1976	4.305	
March	29.961	2.393	6.702	
April	32.358	3.261	6.561	
May	26.893	14.229		
June	13.275	11.685		
July		25.571		
August		7.188		
September		34.535		
October		32.208	7.679	
November	2.046	40.146	7.766	
December	20.203	29.223	9.925	
January, 1977	33.798	35.352	7.232	
February	32.201	22.323	8.104	

March	31.164	29.052	9.612	
April	34.116	27.626	70150	
May	35.405	39.287	8.284	
June	30.664	30.097	5.937	
July	20.575	28.740	7.969	
August	13.197	35.102	7.074	
September	29.401	25.005	5.932	
October	31.037	24.983	1.378	
November	15.697	00.307	5.754	
December	24.080		6.320	
January, 1978	16.689		5.410	
February	18.434	3.538	70741	
March	18.199	17.018	4.859	
April		25.793	8.494	
May	4.780	11.152	6.147	
June	21.964		1.576	
July	34.544		1.629	
August	16.357		3.538	
September	25.003		2.223	

October	28.243		7.325	
November	9.350	00.249	6.877	
December	16.469	5.889	7.474	
January, 1979	6.959	22.753	7.381	
February		17.264	4.462	
March	3.219	24.573	6.963	
April	10.056	19.653	5.660	
May	17.794	27.783	6.137	
June	19.058	4.784	6.398	
July	12.002	15.733	1.336	
August	6.127	24.552	5.74252	
September	1.484	28.528	5.00203	
October		229.278	6.5066	Energised on 1-11-79
November		32.423	7.385	5.278
December	4.732	24.209	6.720	18.792
January, 1980	14.264	00.087	6.305	26.650

STATEMENT-II

Month-wise number of days hours on which the Plants were closed and reasons thereof 60 M.W. Unit-I at Thermal Plant Faridabad

Month/year	Time for plat was Hr.	for which closed M.ts.	Reasons
April, 1975	427	34	Unit was under testing & commissioning
May	248	28	(i) Forced Mtc. (ii) System trouble
June	190	30	Planned shutdown
July	276	48	Boilor tube failure
August	295	01	Surplus hydro Power
September	744	00	Do
October	148	24	Boiler tube failure
November	209	09	Super heater tube failure
December	125	46	Boiler tube failure
January, 1976	210	33	Boiler tube failure
February	249	27	Do
March	178	58	Leakage from manhole of boiler drum & Planned mechnical

			shutdown.
April	69	27	Forced Mtc. of the equipment
May	251	13	Roter earth fault.
June	455	14	Planned shutdown.
July	7444	00	Unit was under planned shutdown for annual overhaul Mtc. w.e.f. 17-6-76 to 13-11-76
August	744	00	Do
September	720	00	Do
October	744	00	Do
November	573	44	Do
December	270	05	(i) Shortage of D.M. Water. (ii) Trouble in condesate Pump No. 2 & B. F. P.
January, 1977	56	23	Forced Mtc.
February	36	50	Forced Mtc.
March	170	18	Failure of water wall tube.
April	63	09	Forced Mtc.
May	57	20	Forced Mtc.
June	174	06	Planned shutdown for preventive

			Mtc.
July	325	00	Planned shutdown for preventive Mtc. & Forced shutdown.
August	489	28	(i) Balancing of turbine was done. (ii) Mtc. of Coal mills was carried out.
September	157	46	Shortate of D.M. Water.
October	165	43	Vibration in I.O. Fan No. I
November	365	36	Fire in coal mills & damage to control cables.
December	183	04	Vibration in I.D. Fan No. 1 & trouble in B.F.Ps.
January, 1978	258	14	Explosion in milling plant.
February	164	42	Leakage in durm safety valve.
March	327	47	(i) Damage to wind Box. (ii) Urgent Mtc. works was carried out.
April	720	00	(i) Damage to wind Box. (ii) Surplus hydro power Deh. unit.
May	649	22	(i) Mtc. work as boiler wind box. (ii) Replacement of Generator

			roter.
June	207	00	(i) Mtc. work as boiler wind box. (ii) Replacement of Generator roter.
July	13	14	Forced Mtc.
August	357	00	Planned shutdown.
September	127	63	Diaphragrms of 75 MVA transform got punctured.
October	100	16	(i) Leakage from gauge glass of boiler drum. (ii) Leakage in Planten S.H. Tub & sconemiser tube.
November	180	23	Trouble in milling plant.
December	354	23	(i) Leakage from gauge glass of boiler drum. (ii) Leakage in Planten S.H. Tub & sconemiser tube.
January, 1979	595	37	Explosion in coal mill No. 1 & damage to control cables.
February	672	00	Explosion in coal mill No. 1 & damage to control cables.

March	649	11	Do
April	416	18	(i) Trouble in F.D. fan No. 2. (ii) Fire in wind box. (ii) Generator/Electrical trouble.
May	215	18	Trouble in milling plant.
June	127	04	Trouble in milling plant.
July	314	38	(i) Leakage in boiler safety valve. (ii) Trouble in milling plant.
August	557	14	(i) Leakage in safety valve of boiler. (ii) Trouble in milling plant. (iii) Forced maintenance.
September	678	35	Damage of roter and stator winding of generator.
October	744	00	Damage of roter and stator winding of generator.
November	720	00	Do
December	610	15	Damage of roter and stator winding of generator and forced mts.
January, 1980	311	16	(i) Trouble in milling plant.

			(ii) Explosion incoal mill No. 9
60. M.W. Unit-II at Thermal Plant Faridabad			
April, 1976	602	38	Unit was under testing & Commissioning.
May	413	51	Unit was under testing & Commissioning.
June	421	50	Initial start of the unit & under Commercial sum.
July	130	19	Forced Maintenance.
August	577	48	Surplus Power from Bhakra.
September	86	21	Forced Mtc.
October	181	45	(i) Leakage of steam from shaft of HP padastal side. (ii) Electrical trouble.
November	21	52	Forced maintenance.
December	150	43	(i) planned shutdown & (ii) Shortage of D.M. water. (iii) Checking of lub. oil filter.
January, 1977	73	12	Forced maintenance.
February	202	46	High vibrations in generator front bearing of turbine.

March	90	06	Forced maintenance.
April	66	06	Forced maintenance.
May	38	35	Forced maintenance.
June	164	01	Planned shutdown to attend the various leakages.
July	201	52	(i) High bearing metal temp of T.G. (ii) Trouble in condensate pump.
August	51	28	Forced Mtc.
September	198	56	Leakage in gauge glass of drum & attenperation line.
October	123	53	D.M. Water Shortage.
November	711	25	Annual overhaul Mtc. of boiler & turbine.
December	744	00	Annual overhaul Mtc. of boiler & turbine.
January, 1978	744	00	Annual overhaul Mtc. of boiler & turbine.
February	512	24	Post commissioning problem after shutdown.
March	365	58	(i) Post Commissioning Problem after shutdown. (ii) High differential expanstion

			after post commissioning.
April, 1978	337	03	(i) Fire in Control cables. (ii) High bearing temp. of F.D. Fan No. 1
May	140	02	(i) Trouble in MS-3 Valve. (ii) Forced Mtc.
April	157	01	Forced maintence.
May	492	10	Explosion in coal mills & damage to control cables.
June	720	00	Slipping of coal rings of generation roter.
July	744	00	(i) Explosion in coal mills & damage to control cables. (ii) Slipping of coal rings of generations roter.
August	744	00	Do
September	720	00	Do
October	744	00	Do
November	700	45	Do
December	611	34	(i) Trouble in I.D. Fan No. 2. (ii) Trouble in Governing System.

January, 1979	220	10	(i) Trouble in I.D. Fan No. 2. (ii) Trouble in Governing System.
February	315	02	(i) Leakage in economiser tube-II R.P.S. (ii) Surplus Power (Reserve shutdown)
March	251	33	(i) Leakage in economiser tube. (ii) Leakage in safety valve at 36M level.
April	337	03	(i) Fire in control cables. (ii) High bearing temp. of F.D. Fan No. 1.
May	140	02	(i) Trouble in MS-3 valve. (ii) Forced Mtc.
June	626	20	Heavy vibration in F.D. Fan No. 1.
July	375	06	(i) Heavy vibration in F.D. Fan No. 1. (ii) Leakage in feed water line. (iii) System trouble.
August	217	59	(i) Leakage from gauge glass of boiler drum.

			(ii) Furnace problem.
September	130	02	(i) Shortage of D.M. water. (ii) System trouble. (iii) Forced Mtc.
October	116	47	Low vacuum & High exhaust hard temp. & forced Mtc. carried out.
November	56	19	Forced Mtc.
December	261	08	(i) Leakage from the valve of all gauges. (ii) Tripping of Boiler feed pumps. (iii) Trouble in milling plant.
January, 1980	732	17	(i) Excessive vibrations in turbine bearings. (ii) Preventive Mtc. of the plant carried out.
15 M.W. Unit at Thermal Plant Faridabad			
April, 1975	279	09	
May	407	55	
June	170	30	
July	744	00	

August	415	56	
September	720	00	
October	744	00	
November	399	35	
December	172	22	
January, 1976	65	29	
February	261	43	
March	106	45	
April	56	25	Forced Mtc. of the plant.
May	744	00	Surplus hydro power.
June	720	00	Surplus hydro power.
July	744	00	Surplus hydro power.
August	744	00	Surplus hydro power.
September	720	00	Surplus hydro power.
October	110	56	Forced Mtc. of the plant.
November	49	47	Forced Mtc. of the plant.
December	8	35	Forced Mtc. of the plant.
January, 1977	195	10	Forced Mtc. of the plant.
February	73	05	Forced Mtc. of the plant.

March	16	58	Forced Mtc. of the plant.
April	103	40	(i) Planned shutdown. (ii) Puncture of tube of superheater.
May	118	35	Superheater tube failure.
June	250	39	Furnace problem.
July	48	15	Forced. Mtc. of the equipment.
August	24	53	Forced. Mtc. of the equipment.
September	37	14	Forced. Mtc. of the equipment.
October	575	39	Planned maintenance.
November	124	50	Forced Mtc.
December	24	57	Forced Mtc.
January, 1978	186	25	Forced Mtc.
February	7	47	Forced Mtc.
March	334	50	Surplus powr from hydro.
April	36	13	Throttle valve of turbine got jammed, high exhaust hard temp.
May	129	49	Low lub. oil pressure of trubine thrust bearing.
June, 1978	529	30	High temp. of turbine trust

			hearing and surplus.
July	588	10	Power as per instructions of P.C. Chandigarh.
August	310	09	High temp. of tubrine thrust bearing and surplus power as per instructions of P.C. Chandigarh.
September	461	02	High temp. of tubrine thrust bearing and surplus power as per instructions of P.C. Chandigarh.
October	98	16	Fault in master relay of generator and other mtc. works.
November	127	50	Failing of heavy pieces of clinker in scrapper.
December	91	01	Leakage of water header above the scrapper.
January, 1979	60	00	Leakage in the economiser tube.
February	216	42	I.D. Fan No. 2 was out of order. Condenser claening was carried out.
March	7	25	3.3 KV Bus bar voltage went high.
April	73	48	High exhaust wood temp. and other mtc. work of equipment.
May	162	45	High exhaust wood temp. and

			other mtc. work of equipment.
June	108	39	Trouble in chain of scrapper.
July	614	15	Oil leakage from turbine valve and Aux oil pump is out of order.
August	68	11	Low vaccuum, B.F.P. troble and failur of hydro supply.
September	208	15	3.3 KV earth fault & O/C on all three phases.
October	85	20	Heavy leakage from H.P. Heater and B.F.P. trouble.
November	8	47	Vacuum power indication due to short circuit in cable.
December	63	39	Heavry leakage of steam from super heater and power vacuum.
January 1980	87	30	Heavy leakage of steam from super heater.
110 M.V. Unit at Thermal Plant Panipat			
November, 79	22	536	(i) Maloperation of magnetrol of Boiler drum leavel. (ii) Choking of ignitors. (iii) Inching valve jamming. (iv) Leakage of steam from safety

			valve. (v) A.C. Supply failure.
December, 79	11	270	(i) Maloperation of magnetrol of Boiler drum leavel. (ii) Feed line inching valve jammed. (iii) Instruments defective. (iv) R.C. Feeder faulty. (v) Planned maintenance.
January, 80	5	130	(i) Drum level recorder faulty. (ii) Breach in canal feeder channel. (iii) Leakage of steam at PRDS,
February, 80 (upto 26-2-80)	4	104	(i) Gauge glass of hot well level cracked. (ii) Failure of A.C. Supply. (iii) Leakage of steam from flash tank. (iv) Defect in light oil pump. (v) Generator ground fault.

50 Bed Hospital at Mandi Dabwali

***1536. Shri Mani Ram:** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under considertion of the Government to construct 50 beds Hospital at Mandi Dabwali; if so, the time by which it is likely to be started ?

Chief Minister (Chaudhri Bhajan Lal): Yes, The work is likely to be started in the next financial year.

Abolition of Sales Tax

***1432. Chaudhri Birinder Singh:** Will the Minister for Finance be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to recommend to the Central Governmemt to abolish the Sales Tax in the State;

(b) if so, whether any alternative taxation structure has been formulated in replacement of the Sales Tax togetherwith the details therof; and

(c) the total revenue receipts from the Sales Tax during the year 1979-80 to-date ?

वित्त मंत्री (लाला बलवन्त राय तायल):

(ए) नहीं जी।

(बी) प्र न ही नहीं उठता।

(सी) 31—1—80 तक 7546, 57 लाख रुपये।

Declaration of Jhajjar Constitiency as Industriallly Backwar

***1493. Capt. Mange Ram:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to declare the Jhajjar Constituency as an Industrially Backward area; and

(b) if reply to part (a) above be in the affirmative, the time by which the said proposal is likely to be implemented ?

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल):

क) नहीं।

ख) प्र न नहीं उठता।

Teachers on Long Leave

***1460. Chaudhri Rajinder Singh:** Will the Chief Minister be pleases to state the total number ofTeahcers/Teacheresses/Masters/Mistresses allowed to rejoin their duties during the years 1978 and 1979 after availing of a spell of long leave of more thean six years together with the reasons for sanctionint such long spells of leave in each case ?

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल): केवल एक ही अध्यापिक का ऐसा केस हैं जिसे वर्श 1978 में 6 वर्श से अधिक

अवका ा ग्रहण करने/अनुपस्थित रहने के उपरान्त अपनी ड्यूटी पर पुनः उपस्थित होने की आज्ञा दी गई। ऐसा इसलिए किया गया क्येांकि जब तक सिरिीकृत (पक्का) सरकारी कर्मचारी के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही नहीं कर ली जाती, उसे अपनी सेवा में पंनः आने से नियमाधीन रोकना सम्भव नहीं है।

Suspension of Sarpanches

***1557. Chaudhri Ude Singh Dalal:** Will the Minister for Development and Panchayats be pleased to state-

(a) the number os Sarpanches of Gram Panchayats suspended during the period from 1-11-79 to 10-2-80 in the State;'and

(b) total number of Sarpanches of the Gram Panchayats suspended in the State from July, 1977 to 31-10-79 ?

Development Minister (Rao Ram Narain):

a) 82

b) 213

Land allotted to Maruti Limited

***1501. Dr. Mangal Sein:** Will the Local Govt. Minister be pleases to state-

a) the total area of land allotted to M/s Maruti Ltd., to date togetherwith the total amount of compensation paid for the acquisition therof; and

b) whethedr the cost of land referred to in part (a) above has been realised from the said M/s Maruri Ltd. If not, the amoutn so far realiesed togetherwith the amount still out standing and the efforts being made to realize the same ?

Interim Reply

"KHURSHED AHMED

LOCAL GOVT. MINISTER

HARYANA

D.O. No. 3324,

Dated, 4th March, 1980.

Dear Col. Sahib,

The Starred Assmbly Question No. 1501 asked by Dr. Mangal Sein, M.L.A. has been fixed for answer on 7th March, 1980. The reply to the Assembly Question is not ready as the relevant files pertaining to qcquisition and allotment of land to M/s Maruti Limited for setting up of Car Project at Gurgaon are at present with the Govt. of India, Ministry of Home Affairs in connection with the enquiry into the affairs of this firm by the Cmmission.

2. I shall be grateful if you kindly extend the time by four weeks for answering the question under provision (ii) of Rule 41 of the Rules of Procedeure and Conduct of Business in Punjab Legislative Assembly, 1950.

Yours sincerely,

Sd/-

(KHURSHED AHMED)

Col. Ram Singh,

Speakder, Haryana Vidhan Sabha,

Chandigarh.

Lining of villages cut off by River Yamuna in Panipat Tehsil

***1561. Shri Fateh Chand vij:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) whether it is a fact that Nivoda, Besak, Garhi, Rana Majra, Pathargarh and Jalalapur villages of tehsil Panipat remain cut off from the other nearby villages of that tehsil due to flow of the strems of Yamuna river; and

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to link the cut off villages referred to in part (a) above with the nearby villages of Panipat tehsil togetherwith the steps, if any, taken or proposed to be taken in that direction ?

लोक निर्माण मंत्री (कंवर राम पाल सिंह):

क) जी हां।

ख) जी नहीं।

Expenditure, incurred for renting private bungalows for Minister

***1505. Chaudhri Satvir Singh Malik:** Will the Chief Minister be pleased to state-

a) the total expenditure incurred by the State Government for the payment of rent and maintenance of the private bungalows acquired for the residences of the Minister/State Ministers/Deputy Ministers/Chief Parliamentary Secretary/ Parliamentary Secretary with effect from 1-8-79 to 15-2-80 in each case ; and

b) the limit of expenditure, if any, prescribed for the purpose referred to in part (a) in respect of each Minister/State Minister/Deputy Minister/Chief Parliamentary Secretary/Parialamentary Secretary ?

Chief Minister (Chaudhri Bhajan Lal) :

a) The requisite information is as under :-

		Expenditure on Rent	Expenditure on repair, maintenance & other items
i	On houses provided to Ministers	Rs. 51251/-	Rs. 13275/-
ii	On houses provided	Rs. 24200/-	Rs. 3985/-

	to Deputy Minister		
iii	On the house provided to the Chief Parliamentary Secretary	Rs. 10800/-	Rs. 1565/-
iv	On the house provided to the Parliamentary Secretary	Rs. 9600/-	Rs. 1565/-

b) Upto Rs. 2250/- per month for hiring a house for the official residence of a Miniseter/Deputy Minister/Chief Parliamentary Secretary/Parliamentary Secretary. No limit has been prescribed for maintencance, which is done according to need.

अतारांकित प्र न एवं उत्तर

Vacant Posts in the Industrial Training Institutes in the State

324. Shri Mange Ram Gupta: Will the Chief Minister be pleased to state-

a) the number and the dates from which the post of Office Superintendents, Head Clerks, Accountants and Assistants are lying vacant in the various Industrial Training Institues in the State as on 31-12-1979, separately and the reasons therefor;

b) the year-wise number of promotions made to the posts of Assistants, Accountants, Head Clerka snd Superintendents during the last five years; and

c) the year wise number of Clerks, Assistants, Accountants, Head Clerks and Superintendents, confirmed on these post during the years 1966-67 to 1979-80 (upto 31-1-80) ?

Chief Minister (Chaudhri Bhajan Lal) :

a) The details of vacant posts together with the time since when these have been lying vacant are as under :

	Name of post	No. of Posts	Date from which the posts have been lying vacant
i	Office Superintendents	3	1 Post from 1-1-78 1 Post from 1-6-78 1 Post from 1-8-78
ii	Head Clerks	2	1 Post from 1-8-78 1 Post from 1-8-79
iii	Accounts	16	13 Post from28-10-75 2 Post from1-8-75 1 Post from 1-8-79
iv	Assistants	32	9 Post from 20-3-73

			13 Post from 28-10-75 6 Post from 1-8-78 4 Post from 1-8-79

The question of promotions has not been processed as it was linked with the decision to merge the Industrial Training Institutes, Industrial Training Centres & Government Industrial School for Girls and it was considered appropriate that promotions, should take place after the joint seniority lists of the merged cadres had been finalized. Promotions have not taken place as it has not been possible to give effect to the merger after settling the attendant issues.

b) During the last five only fifteen provisional promotions

The year wise break up of the same is as under :-

Year	No. of Provisional promotions made
1975-76	15 (Provisional)
1976-77	
1977-78	
1978-79	
1979-80	

c) the following confirmations were made from 1966-67 to 1979-80 (31-1-80)

Year	Clerks	Assistants	Accountants	Head Clerks	Superintendents
1966-67	51	1	11	11	
1967-68					
1968-69					
1969-70					
1970-71	1				
1971-72					
1972-73					9
1973-74					
1974-75				3	5
1975-76					
1976-		39			

77					
1977-78					
1978-79					
1979-80					

Retired Teachers

325. Shri Mange Ram Gupta: Will the Chief Minister be pleased to state-

a) the district wise and year wise number of retired teachers/teachresses the pension cases of whom have not been finalised since 1-4-69 to date together with the reasons therefor; and

b) the number of retired teachers/teachresses the pension cases of whom were finalised during the last five years ?

Chief Minister (Chaudhri Bhajan Lal):

a) The total number of pending pension cases of teachers/teachresses since 1-4-69 to date is 59 (yearwise and District wise details attached as Annexure I). Out of the pending cases 48 pertain to the year 1979-80 and only 11 cases are such which are old ones. One of these case relates to tyear 1970-71 (District Karnal), where the teachress retired on

10-11-70 and her pension case could not be finalised as a writ petition filed by her against her retirement was pending in the High Court till August, 1979. Even now she has not submitted her pension application on the prescribed form.. She is being asked to complete her pension papers. Out of the remaining 10 cases, 3 are pending for finalization because of writ petition/civil suits in the Courts; 2 are pending because their pension papers are not traceable in the audit office; and 3 pension cases are pending because the retirees are not submitting their pension applications on the prescribed forms. However, the detailed reasons in each case are given in the enclosed statement (Annexure-II)

b) 3248 pension case of retired teachers/teachresses were finalised during the last five years.

Note:- It is, hewever, calrified that this information is with respectr to teachers/teachressese who in the Department terminology mean only J.B.T. teachers and teachresses and does not include master/mistresses/headmasters/headmistresses.

ANNEXURE- I

District and year wise number of retired teachers/teachresses, the pansion case of whom have not been finalized since 1-4-69 to date.

District	1970-71	1974-75	1975-76	1976-77	1977-78	1978-79	1979-80	Total
Amabala					1		7	8
Kurukshetra							1	1
Karnal	1			1		1	2	5
Jind							3	3
Hissar							7	7
Sirsa						1	1	2
Sonepat			1			1	2	4
Rohtak			1			1	5	7
Gurgaon (including Faridabad)							12	2
Bhiwanit		1	1				4	6
Narnaul							4	4
Total	1	1	3	1	1	4	48	59

ANNEXURE-II

Statement indicating the Distt. wise & yearwise position of pending pension cases from 1-4-69 to date of teachers/teachresses

Name of the retiree/deceased	Date of retirement / death	With whom pending	Latest position
Distt. Ambala **1977-78** 1-Sh. Avtar Singh, Teacher, G.H.S. Naraingarh	31-3-78	A.G.	Certificate and report has been issued on 7-7-78, but the D.E.O. Amabla has intimated that the case has not been received by him after report. The facts came to the notice of the party of this office while checkingh pending cases in the Distt. Education Officer, Ambala. A.G. Haryana has been requested to locate the case.
1979-80 2. Smt. Sushila Dhawan, Teacher. G.H.S.	8-2-79	A.G.	This is a case of premature retirement. Certificate & report issued. Case has been sent to A.G. for

Khurbanpur			finalisation on 39-6-79 but the A.G. raised objections about her premature retirement. The case has again been sent to A.G. Haryana after complying witht he audit objections vide this office letter No. 10/20 P(4) dated 6-2-80.
3. Junesh Kumar, Teacher, G.H.S. Khijrabad	9-6-79 (death)	D.E.O.	Certificate and report has been issued vide A.G. Haryana letter dated 6-2-80. The case will be got finalised shortly.
4. Subhash Chand, P.T.I. Govt. Co-Educational High School, Saha	4-6-79 (death)	A.G.	No family pension is admissible in this case. Only gratuity is to be paid. the case was sent to A.G. by D.E.O., Ambala many times but the A.G. Haryana raised certain objections. Now the case agains sent to A.G. by the D.E.O.

			vide letter No. E-3/79/10964 dated 9-1-80.
5. Smt. Savitri Devi, Tr. G.P.S. Sector-30, Chandigarh	30-9-79	A.G.	The case is to finalised by the D.E.O. with the audit office as he is the pension sanctioning authority. The case has been sent to A.G. vide D.E.O. Ambala letter No. E-3/79/10560 dated 9-1-80.
6. Sh. Data Ram, Tr. G.M.S. Mugalwali	30-11-79	D.E.O.	Certified & report has been issued on 2-2-80 and case is being completed by the D.E.O. This case is also to be finalized by the D.E.O. with the audit office.
7. Daya Wanti, Tr. G.P.S. Kajheri	31-12-79	P.R.O. U.T	Certificate & Report has been issued on 4-8-79 and A.G. raised some objections. the objections are being removed by the D.E.O. U.T. as the official was

			working on deputation in Chandigarh Administration (U.T.)
8. Sita Devi, Tr. G.H.S. Sector - 22, Chandigarh	31-10-79	A.G.	The case has been sent to A.G. by the D.E.O. Ambala vide his letter No. E-3/79/4504 dated 14-12-79 for finalization.
Distt. Kurukshetra **YEAR 1979-80**			
1. Smt. Pisto Devi, Tr. Govt. Girls H/S Gharaunda	10-11-70	D.E.O.	The official filed a writ petition against her retirement in the Punjab & Haryana High Court at Chandigarh. She was a provincialized employee and above 30 years of age on 1-10-57 and hence was not entitled to the pensionary benefit. Pensionary benefits to such employees were extended by Govt. in the year 1974-75 but

			as the matter regarding her retirement was subjudice, no action could be taken to finalise it. She had also not applied for it. Now she had withdrawn the petition from the Court on 29-8-79 and has requested for the grant of pension, but has sitll not applied for it on prescribed proforma. Her service book is not traceable at this belated stage. Steps have, however, been taken to trace the S. Book or for reconstructing it. The retiree is being asked to furnish the affidavit regarding the details of her service and an application for pension on the prescribed proforma.

1966-672. Sh. Gian Chand, Tr. G.H.S. Baroda	14-4-76	D.E.O.	He was retired compulsory at the age of 55 years. He filed a suit against his retirement in the Court which was dismissed and thereafter he filed an appeal against the judgement of the lower Court which was also dismissed in January 1980. As the matter was sub-judice, no action could be taken to get his pension case finalized. The teacher also did not submit his pension application and did not complete pension papers. The teacher has not applied for pension and his pension case would be got finalized at an early date.
3. Sh. Shyam Dass, Tr. G.H.S.	17-10-78	A.G.	He was a provincialized employee and being

Nilokheri			untrained he was drawing a fixed pay of Rs. 100/- P.M. His pension case was sent to audit office on 6-4-79 but the audit office refused to release pension/gratuity on the plea that the ex-official was working on fixed pay. After protracted correspondence the pension case has finally been sent to the audit office for the issue of pension payment order vide D.P.I. memo. No. 10/13-79-(P) dated 18-2-80.
1979-80			
4. Sh. Prem Singh, Tr. G.H.S. Kalora	1-11-79 (death)	D.E.O.	The official was stipendary and made regular w.e.f. 1-1-79. No family pension is admissible in this case. Only gratuity case will be submitted

			to the audit party in the pension meeting this month and got finalized.
5. Smt. Kaushalya Devi, Tr. G.H.S. Uchana	21-1-80 (death)		Recent death. Case is being completed by the D.E.O.
Distt. Jind			
1. Sh. Telu Singh, Tr. G.H.S. Bahri	5-4-79 (death)	A.G.	Certificate Report was got issued from the A.G. The case has been sent to A.G. vide No. E V (Pension) 79/306/471-73 dated 18-2-80 for finalization.
2. Jai Narain, Tr. G.M.S. Loan	15-10-79 (death)	D.E.O.	The teacher was working on stipendary basis. He is only entitled for two months pay. The case is being completed by the D.E.O. Jind.
3. Bharat Singh Tr. G.H.S. Igarh	31-12-79	A.G.	The case has been sent to A.G. by the D.E.O., Jind vide No.

			E-4 (Pension)-79/9535-465 dated 18-2-80 for report.
Hissar Distt. **1979-80**			
1. Shakuntla Devi, Tr. G.H.S. Model Town, Hissar	30-4-79	A.G.	The S. Book of the official was not traceable. Now the case has been sent to A.G. by the D.E.O. vide No. Audit Cell/783-86 dated 14-2-80 after reconstruction of S. Book.
2. Inder Jit, Tr. G.S. Khanda Kheri	31-7-79	D.E.O.	Certificate & Report issued on 29-1-80. The objections raised by the audit are being attended to by the D.E.O. and the case will be got finalized very shortly.
3. Kishan Chand, Teacher G.H.S. Tohana	31-12-79	D.E.O.	Certificate & Report issued on 4-12-79. The objection raised by the audit office are

			being attendced to by the D.E.O.
4. Sh. Bhag Singh, Tr. G.H.S. Kheri Lachob	31-1-80	A.G.	Case has been sent to A.G. for report.
5. Ram Ji Lal, Tr.	31-1-80	D.E.O.	Case is being completed by the D.E.O.
6. Bishamber, Tr.	8-1-80 (death)	D.E.O.	Recent death. Case is being completed by the D.E.O.
7. Rangi Ram, Teahcer	Feb. 1980 (death)	D.E.O.	Recent death, Case is being completed by the D.E.O.
Sirsa Distt. **Year 1978-79**			
1. Harbans Kaur, Tr. G.H.S. Kalanwali	30-6-78	D.E.O.	The case could not be finalized earlier as the teacher had not submitted her pension application. She had filled a civil suit in the court for the award of running grade. The case was sent to A.G.

			Haryana on 27-9-79 for getting it finalized on the basis of fixed pay drawn by tyhe teacher, but they have returned the case with objections on 25-1-80 wlhich are being attended to by the D.E.O.
2. Gurdev Singh, Tr. G.H.S. Kalanwali	30-11-79	D.E.O.	The Service Book of the retired teacher is with the D.E.O., Hissar for award of selection grade. The case will be sent to audit as soon as the decision in regard to the selection grade is taken by the D.E.O., Hissar.
Sonepat Distt. **1975-7**			
1. Zile Singh, Teacher, G.H.S. Liyalpur	12-5-75	D.E.O.	The official concerned has not applied for pension. He has been served notice under rule 9.2 of C.S.R.

			Volume II to furnish his pension application without delay so that the steps could be taken to get his case finalized.
1978-79 2. Dharam Dev Tr.	31-5-78	D.E.O.	The official concerned has not applied for pension. He has been served notice under rule 9.2 of C.S.R. Volume II to furnish his pension application without delay so that the steps could be taken to get his case finalized.
1979-80 3. Hira Singh, Tr. G.H.S. Kharkhoda	30-4-79	D.E.O.	The case wass sent to Audit Office by the D.E.O., Sonepat on 15-10-79. A. G. Haryana issued certificate and report on 6-2-80. The objections raised by the Audit Office are being attended to by the D.E.O.

4. Ram Singh, Tr. G.H.S. Budlana	31-7-79	D.E.O.	The case wass sent to A.G. by the D.E.O., Sonepat on 15-10-79. A. G. Haryana issued certificate and report on 29-1-80. The objections raised by the Audit Office are being attended to by the D.E.O.
Distt. Rohtak **Year 1975-77**			
1. Sher Singh, Tr. G.H.S. Chimni	1-4-75	D.E.O.	The S. Book of the official was in the court case. The case was sent to A.G. on 7-12-79 by the D.E.O. Now the C&R has been issued on 22-1-80. The case will be finalized very shortly.
2. Amir Singh, Tr. G.H.S. Barhana	31-10-78	D.E.O.	The S. Book of the official was in the court case. The same has been reconstructed and Certificate & Report has been obtained on

			15-2-80. The case will be finalised shortly.
1979-80			
3. Ganpat Rai, Tr. G.H.S. Khatiwas	30-4-79	D.E.O.	Certificate & Report has been issued & case will be finalized very shortly.
4. Vidya Vart, Teahcer G.H.S. Bhalout	31-1-80	A.G.	Case has been sent to A.G. on 26-2-80 by the D.E.O. after attending to the objection raised by the audit office.
5. Niadar Singh, Tr. G.H.S. Roorkee	29-2-80	D.E.O.	The Service book of the official remained with the extension case. Now it has been received and the case will be sent to A.G. shortly.
6. Daya Chand, Tr. G.H.S. Titoli	29-2-80	D.E.O.	The Service book of the official remained with the selection grade. Now it has been received and the case will be sent to A.G. after completion.

7. Jagdish Chander, Tr. G.G.H.S. Kahanaur	29-2-80	D.E.O.	Certificate & Report has been issued. Case will be finalized very shortly.
District Gurgaon (including Faridabad)			
Year 1979-80			
1. Smt. Kamlesh Chaudhry, Teacher Govt. Pry. School Fatehpur Chandila	10-8-79	S.D.E.O. Faridabad	Certificate and report has been issued. The objections raised by the audit office are being attended to by S.D.E.O., Faridabad.
2. Sh. Hans Ram Madan Teacher, Govt. Hr. Sec. School Faridabad (T/Ship)	5-10-79	A.G. Haryana	Case has been sent to A.G. for issuing certificate and report by D.E.O. Gurgaon with his letter No. 106(320) 79/E4/385-86 dated 19-2-80.
3. Sh. Bhu Datt Tr. Govt. Pry. School Nangal Brahman	31-1-80	S.D.E.O. Palwal	Certificate and report has been issued by the A.G. Haryana. The objectgions raised by the audit office are being attended to by the S.D.E.O. Palwal.

4. Bhu Datt Teacher Govt. Pry. School Phulwari	31-1-80	A.G.	Case has been sent to A.G. Haryana for issuing certificate and report by the D.E.O. Gurgaon vide his letter No. 106(305) 79 / E4 /2764-65 dated 10-3-79.
5. Lal Chand, Tr. Govt. High School Likhi	31-1-80	A.G.	Case has been sent to A.G. Haryana for issuing certificate and report by the D.E.O. Guragaon vide his letter No. 106(319)-79/E4/3585 dated 4-2-80.
6. Chander Parkash Shastri, Govt. H/S Chand Hat	31-1-80	A.G.	Case has been sent to A.G. Haryana for issuing certificate and report by the D.E.O. Guragaon vide his letter No. 106(321)-79/E4/3585 dated 18-12-79.
7. Tara Wali, Teacher Govt. Girls Middle School No. 2,	31-1-80	S.D.E.O. Faridabad	Certificate and report has been issued. The objections raised by the audit office are

Faridabad			being attended to by the S.D.E.O. Faridabad.
8. Umrao Singh, Teacher, Govt. Pry. School Nanu Kalan	31-1-80	D.E.O. Gurgaon	Certificate and report has been issued by the A.G. Haryana. The objections raised by the Audit office, are being attended to by the D.E.O. Gurgaon. D.E.O. Gurgaon has assured that the case will be finalized shortly.
9. Smt. Aai Bai Callar, Teacher, Govt. G.H.S. Ballabgarh.	29-2-80	S.D.E.O. Faridabad	Certificate and report has been issued. The objections raised by the Audit office are being attended to by the S.D.E.O. Faridabad.
10. Sh. Bhola Ram, Tr. Govtg. Middle School Missa	29-2-80	S.D.E.O. Palwal	Certificate and report has been issued. The objections raised by the Audit office are being attended to by the S.D.E.O. Palwal.

11. Trilok Chand, Tr. Govt. Middle School No. 2, Faridabad	29-2-80	S.D.E.O. Faridabad	Certificate and report has been issued. The objections raised by the Audit office are being attended to by the S.D.E.O. Faridabad.
12. Pritam singh, Tr. Govt. Pry.School, Chakarpur	29-2-80	D.E.O. Gurgaon	Certificate and report has been issued by the A.G. Haryana. The objections raised by the audit office are being attended to by the D.E.O. Gurgaon. D.E.O. Gurgaon has assured that the case will be finalised shortly.
1974-75 **Distt. Bhiwani**			
1. Kamal Singh, P.T.I. G.H.S. Kadma	31-1-75	Retiree	As reported by the D.E.O. Bhiwani as over payment of more than Rs. 4000/- is involved in the case. The case cannot be processed further unless the question of

			overpayment is decided. The recovery is much more than the amount of qratuity. The retiree is not giving his option for the recovery from the arrears of pension. However, the retiree has been informed that the pension case will be got finalized only after he gives his option of recovery of over payment by him.
1975-76			
2. Chander Singh, Tr. G.H.S. Loharwara	28-7-75	D.P.I.	This case is of invalid retirement but the original M.C. declaring the official permanently invalid for further service is not available. Neither orders for invalid retirement have been passed by the competent authority retiring him from Govt. Service. Pension

			case will be got finalised as soon as these formalities are got completed by the D.E.O., Bhiwani.
1979-80			
3. Khyali Ram, Tr. G.H.S. Imlota	1-4-79	S.D.E.O. CH. Dadri	Certificate & Report has been issued by the audit office. Case has been sent to the S.D.E.O., Ch. Dadri vide D.E.O., Bhiwani letter No. 34/21-79-A 1/114 dated 29-1-80 for removing objections.
4. Tikan lal, Teacher G.P.S., Ajitpura	30-4-79	D.E.O.	Criminal case against the retiree has been decided now. The D.E.O. has intimated that the case is being got completed.
5. Ram Chander Shastri, G.G. Hr. Sec. School, Ch. Dadri	30-6-79	Principal	Certificate & Report has been issued by the A.G. office. The objections raised by the audit office are being attended to by

			the Principal, govt. Girls, Hr. Sec. Sech. Ch. Dadri.
6. Banarasi Dass Tr. G.H.S. Jhojhu Kalan	1-1-80	S.D.E.O. Dadri	Certificate & Report has been issued. The objections raised by the audit office are being attended to by the S.D.E.O. Charkhi Dadri.
Distt. Mohindergarh **1979-80**			
1. Sh. Raj Narain, S.V. Teacher, G.P.S. Khol	6-8-79	D.E.O.	Certificate & Report has been issued. The objections raised by the Audit Office are being attended to by the D.E.O., Narnaul. D.E.O. Narnaul has assured that the case will be finalized shortly.
2. Sm.t Avtar Kaur, Tr. G.G.H.S., Mohindrgarh	30-9-79	A.G.	Case has been sent to A.G. Haryana for issuing pension payment orders/gratuity

			payment orders by the Distt. Education officer, Narunaul vide his memo No. E-3-79(211 PS) 17372 dated 25-9-79 and remainder dated 29-2-80.
3. Anand Kishore, Tr. G.H.S. Dongar Ahir	31-1-80	D.P.I.	The S. Book of the retired teacher is with the seniority case. The pension case will be grot finalized as soon as the seniority case is decided & service book becomes available.
4. Sh. Vishnu Dutt, Hindi Tr. G.G.H.S. Narnaul	29-2-80	D.E.O.	Certificate & Report has been issued. The objection raised by the audit office are being attended to by the D.E.O., Narnaul D.E.O. Narnaul has assured that the case will be finalized shortly.

वैयक्तिक स्पश्टीकरण ––

श्री बलदेव तायल द्वारा

10.00 बजे

Shri Baldev Tayal: Speaker, Sir, on a point of personal explanation.

Mr. Speaker: I would request you to only give personal explanation and not to cast personal aspersion.

Shri Baldev Tayal: Have I cast personal aspersion earlier ?

Mr. Speaker: No. I agree with you.

Shri Baldev Tayal: Should I start my speech ?

Mr. Speaker: Yes.

श्री बलदेव तायलः अध्यक्ष महोदय, मैं चौधरी देवी लाल जी की सरकार में केवल 45 दिन के लिए मंत्री रहा (ाोर) इन्हीं मंत्रियों को यह गवर्नर ऐड्रस लिखा हुआ है किसी दूसरे ने नहीं लिखा (ाोर) अध्यक्ष महोदय, जब मैं 45 दिन मंत्री रहा तो उस दौरान मैंने हिन्दुस्तान के अन्दर कभी भी कोई ऐसा वक्तव्य नहीं दिया जिसमें कि मैंने सारे व्यापारियों को बेईमान बताया हो। अध्यक्ष महोदय, मैं इस वक्तव्य को गैर जिम्मेदाराना समझता हूं और आपके सन्मुख प्रार्थना करता हूं कि मंत्री महोदय आपके चैम्बर में मेरा कोई ऐसा वक्तव्य दिखाएं तो मैं सारे हाउस के

सामने रिगरैट एक्सप्रैस करने के लिए तैयार हूं या फिर मंत्री महोदय सदन के सामने रिगरैट करें। जहां तक इस बात का सम्बन्ध है मैं फिर यह बात कहता हूं कि सरकार सदा सदा से ऐसा दोश व्यापारियों पर थोपती आई है। अगर किसी चीज की भाार्ट सप्लाई होती है तो व्यापारियों को कहते हैं कि चोरबाजारी कर ली,त्र माल पूरा सप्लाई नहीं करते हैं। इसी प्रकार से कितनी ही बातें कही जा सकती हैं। मैं फिर यह बात कहता हूं कि भारत का व्यापारी बहुत ईमानदार है। (ाोर)

Mr. Speaker: I would request the Hon'ble Minister and Shri Baldev Tayal to meet me for two minutes in my Chamber to settle this controversy. If there is no substance, I will get these remarks expunged. (Interruptions)

परिवहन मंत्री (श्री जगन्नाथ): अध्यक्ष महोदय, श्री बलदेव तायल जी को मैं अपना मित्र भी समझता हूं और बुजुर्ग भी। पिछले महीने की 28 तारीख को स्टेट विमैन हाकी टूर्नामैंट में मैं और चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी प्राइज की डिस्ट्रीब्यू ान के लिए गये थे। उस समय इम इनके घर खाना खा कर आए। अध्यक्ष महोदय, ये अपोजी ान के मैंबर हैं और हम लोग रूलिंग पार्टी के हैं। यह ठीक बात है कि हकूमत में आदमी को न ाा तो जरूर आ जाता है। जब ये एक्साइज एंड टैक्से ान मिनिस्टर थे तो उस समय इन्होंने हिसार में व्यापारियों को ***** कहा। व्यापारियों ने इनको कहा कि आप भी तो व्यापारी हैं, आप इस तरह की बातें क्यों करते हैं ? तब इन्होंने कहा कि मैं व्यापारी नहीं हूं। मेरा

कोई भाई व्यापारी होगा या मेरा कोई रि तेदार होगा। (विघ्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः अगर प्राईवेट खाने के ऊपर कोई बात हुई हो तो उसके बारे में हाउस में कोई जिक्र नहीं आना चाहिए। (ाोर)

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, माननीय मन्त्री महोदय इनके घर खाना क्या खा कर आए हैं ये तो इनकी पगड़ी उछालने की बात कर रहे हैं। ये तो ऐसी बात कर रहे हैं कि उसी हांडी में खाया और उसी में छेद। (ाोर)

चौधरी राम लाल वधवाः अध्यक्ष महोदय, बिजली के बारे में मैंने एक काल अटैन ान नोटिस दिया था वह इस बिनाह पर एडमिट नहीं किया गया कि इसी विशय पर एक और काल अटैन ान नोटिस श्री रणसिंह मान ने दिया हुआ है। मैं निवेदन करना चाहता हूं कि मेरे काल अटैन ान नोटिस में और श्री रणसिंह मान के काल अटैन ान नोटिस में डिफरैंस है क्योंकि वह तो केवल रेतीले इलाके और बैकवर्ड ऐरियाज में इंडस्ट्रीज के बारे में है और मेरा सारे हरियाणा की इंडस्ट्रीज के बारें में है। इसलिए या तो मेरा काल अटैन ान नोटिस उसके साथ मिला दिया जाए या अलग से जवाब दे दिया जाए।

श्री अध्यक्षः मेरी रूलिंग पर कोई डिस्क ान नहीं होगा।

औचित्य प्र न –

प्रिविलेजिज कमेटी के गठन संबंधी

चौधरी रिज़क राजः आन ए प्वायंट आफ आर्डर। स्पीकर साहब, मैं एक बात आपके नोटिस में लाना चाहता हूं कि स्पीकर साहब का दर्जा बहुत ऊंचा होता है। चाहे मुख्यमंत्री हो, चाहे कोई मिनिस्टर हो और चाहे कोई चेयरमैन हो, सबसे ऊंचा दर्जा स्पीकर का होता है, चाहे वह चेयर में हो, चाहे न हो। जो एक्स स्पीकर होता है उसका भी दर्जा उतना ही ऊंचा होता है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके नोटिस में एक बात लाना चाहता हूं कि आपने प्रिविलेजिज कमेटी में हमारे एक्स स्पीकर ब्रिगेडियर रणसिंह जो को मैम्बर के तौर पर नामजद किया है और एक नये मैम्बर को उसका चेयरमैन बनाया है, यह चीज अच्छी नहीं लगती। इसलिए आप ब्रिगेडियर रणसिंह जी का नाम इस कमेटी में से हटा दें क्योंकि एक्स स्पीकर उसी कमेटी का मैम्बर हो और दूसरा कोई मैम्बर उसी कमेटी का चेयरमैन हो यह बात भाोभा नहीं देती।

Mr. Speker: I thank Chaudhri Sahib for pointing it out. I will reconstitute the Committee of Privileges.

ब्रिगेडियर रण सिंहः मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि मैंने कल ही इस बारे में स्पीकर साहब को कह दिया था और उन्होंने इस बारे में गौर करने के लिए कहा था।

ध्यानाकर्शण सूचना–

हथनीकुंड बैरेज के निर्माण के संबंध में उत्तर प्रदे ा तथा हरियाणा के मध्य 1974 कर समझौता लागू करने संबंधी।

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्य चौधरी हर स्वरूप बूरा ने एक काल अटैन ान मो ान हथनीकुंड बैरेज की कंस्ट्रक ान के संबंध में उत्तर प्रदे ा और हरियाणा के बीच 1974 के एग्रीमैंट के इम्पलीमैंटे ान के बारे में दिया था। माननीय सदस्य इस समय सदन में नहीं बैठे हैं और न ही उनकी ओर से किसी दूसरे सदस्य को इसे पढ़ने के लिए अयोराइज किया जा सकता है। इसलिए रूल्ज के अनुसार यह नोटिस लैप्स होता है।

वक्तव्य ––

सिंचाई तथा बिजली उप मंत्री द्वारा बिजली की कमी की वजह से रेतीले और पिछड़े इलाकों में फसलों की तबाही संबंधी

श्री अध्यक्षः कल सिंचाई तथा बिजली मंत्री जी ने श्री रणसिह मान और श्री हीरा नन्द आर्य के *काल अटैन ान नोटिस का आज जवाब देने का वायदा किया था। अब वे अपनी स्टेटमैंट दे सकते हैं।

सिंचाई तथा बिजली उप मंत्री (श्री देवेन्द्र भार्मा): अध्यक्ष महोदय, मैं भी माननीय सदस्य की तरह चिंतित हूं। जैसे

कि इस सदन को सूखे की चुनौती के बारे ज्ञान है, सरकार इस चुनौती को मुख्य प्राथमिकता दे रही है ....

श्री मनी रामः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। यह स्टेटमैंट कंसर्न्ड मिनिस्टर को ही देनी चाहिए, न कि डिप्टी मिनिस्टर को। (ाोर)

चौधरी राम लाल वधवाः स्पीकर साहब, जब मिनिस्टर हाउस में प्रैजैन्ट हैं तो उनको जवाब देना चाहिए। (ाोर)

वक्तव्य

Mr. Speker: The Governemnt is perfectly right to authorise any of the Minister or the Deputy Ministers to reply to the Call Attention motion.

श्री देवेन्द्र भार्माः अध्यक्ष महोदय वर्श 1979–80 में वर्शा के अभाव के फलस्वरूप उत्पन्न कुप्रभाव का सामना करने के लिए किसानों के लिए सभी प्रयत्न किये जा रहे हैं

2.माननीय सदस्यों को याद होगा कि पिछड़े वर्श खरीफ की बीजाई के समय बिजली की मांग लगातार वर्शा के अभाव के कारण तथा भारी सूखे के कारण बढत्रती गई जिस कारण इसे भाताब्दी का सबसे बुरा वर्श माना गया है। इस बात का भी ज्ञान है कि वर्श 1978 में धान की बीजाई, जो कि 4.6 हैक्टेयर भूमि थी वर्श 1979 में बढ़कर 5.15 लाख हैक्टेयर हो गई। इन दोनों कारणों के बावजूद नामतः धान के एरिया में वृद्धि

तथा नलकूप सिंचाई की अधिक मात्रा, हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड खरीफ की बीजाई की ऋतु में 50 प्रति ात अधिक बिजली कृशि के लिए 1977–78 के मुकाबले देने योग्य हो गया था। पिछले वर्श हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड 1 करोड़ 25 लाख यूनिट से 1 करोड़ 30 लाख यूनिट तक के दरमयान प्रति दिन बिजली एकत्रित करने के योग्य हो गया था जो कि बीते समय की सबसे अधिक उपलब्धि थी। इसमें से कम से कम 60 प्रति ात कृशि के लिए दी गई।

3. नलकूप औसतन प्रतिदिन 12 से 14 दिन चलते थे और कई इलाकों में कुछ छोटे क्षेत्रों को छोड़ कर 16 से 20 घंटे तक प्रति दिन चलते थे जबकि स्थानीय ट्रांसमि ान तथा डिस्ट्रीब्यू ान सिस्टम बिजली की सप्लाई 8 से 12 घंटे से अधिक करने की आज्ञा नहीं देता था। पिछले वर्श भी रेतीले इलाकों को जहां कि खपतहानियां दूर करने योग्य नहीं हैं 2 से 3 घंटे तक फालतू बिजली दी गई। यह एक सन्तोशजनक बात है कि हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड के प्रयत्नों के फलस्वरूप फसलें जो कि गम्भीर नुकसान का सामना कर रही थीं को काफी हद तक बचाया जा सका था।

4. इसी प्रकार के प्रयत्न रबी की बिजाई की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के लिए भी किए गए थे जैसा कि माननीय सदस्य सर्वश्री हीरा नन्द आर्य तथा आर0एस0 मान ने ऑबजर्व किया है। दो महत्वपूर्ण कदम उठाये गए थे। एक, वि ोश प्राथमिकता उन लम्बित प्रार्थना पत्रों को दी गई थी, जिन इलाकों

में नहरों द्वारा सिंचाई नहीं होती। दूसरे ट्रांसफारमरों को सुदृढ़ किया गया था। 2 अक्तूबर 1979 को ट्यूबवैलों को बिजली देने का एक प्रोग्राम बनाया गया, जिसके अन्तर्गत हर मास 3000 ट्यूबवैलों को कनैक्शन दिये गए जबकि पहले हर मास केवल 1200 कनैक्शन दिये जा रहे थे। फरवरी 1980 के अन्त तक सिरसा, भिवानी, रोहतक, गुड़गांवा व महेन्द्रगढ़ में 4374 कनैक्शन दिये गये। 5 महीने में दिये गये कनैक्शनों की कल संख्या 15000 है। नये पम्प सैटों को बिजली मिलने के कारण ही किसान चने व गन्ने की फसलों की बिजाई कर सके। मैं यह भी कहना चाहूंगा कि इस समय राज्य में 2 लाख से अधिक ट्यूबवैल हैं।

5 अगस्त 1979 से हरियाणा को लगातार बिजली निरन्तर बहुत कत उपलब्ध होने लगी। इसके मुख्य कारण गोबिन्द सागर में पानी की भारी कमी तथा डैहर और पेंगे हाईडल जनरेशन प्लांटों में गम्भीर तकनीकी समस्यायें थीं। उदाहरणतः बिजली की उपलब्धाता 1 करोड़ 25 लाख यूनिट प्रति दिन से घटर 75 लाख यूनिट प्रति दिन रह गई। स्थिति और भी खराब होती यदि हमारे अपने यहां के उत्पादन में सुधान न होता। 1 नवम्बर 1979 को पानीपत थर्मल प्लांट की यूनिट नं0 1 चालू हो गई थी। इससे हमें 12 लाख यूनिट बिजली प्रति दिन उपलब्ध हाने लगी। फरीदाबाद प्लाट के 2 यूनिट जो कि दुर्घटनाग्रस्त हो गये थे, की मुरम्मत कर ली गई है। इसके अतिरिक्त हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड ने सभी वर्गों के बिजली उपभोक्ताओं को बिजली रैगुलेट

करनी होती है। आदरणीय सदस्यों को याद होगा कि हम ने दुकानों के बन्द होने के समय कम कर दिये और फील्ड में सभी अधिकारियों को बिजली की बेकार खपत को कम करने के लिए कहा गया। उद्योगों को बिजली की खपत में भारी ग्रेडिड काट लगाये गये। छोटी इकाईयां जिनमें वह लोग काम करते हैं, जिनकी आय के साधन बहुत कम होते हैं को बिजली कट से छूट दे दी गई थी। मध्यम दर्जे की इकाईयों को कट कम लगाया गया और बड़े उद्योगों ने यह कट 50 से 60 प्रति ात लगाया गया। कमी होते हुए तथा बीजाई का कार्य पूरा करने के प चात नलकूपों को दी गई बिजली भी रा ान कर दी गई थ्ती। नये नलकूपों को एक दिन छोड़ कर 9 घंटे के लिए सप्लाई दी गई थी। यह बिजली हरियाणा राज्य लघु सिंचाई (नलकूप) निगम के आगमैन्टे ान नलकूपों को दी गई बिजली की अतिरिक्त थी।

6. मैंने 7–2–80 को कहा था कि हमारी अधिक कोि ा ा होगी कि पकी हुई फसलों की आव यक आव यकताओं को पूरा किया जाये। खासतौर पर उन इलाकों में जहां जल्दी होने वाली खेती बीजी गई हैं तथा जहां नहर द्वारा सिंचाई उपलब्ध नहीं हैं। मुझे सदन को सूचना देते हुए हर्श होता है कि 7 फरवरी और आज के मध्य में कुल 640 लाख यूनिट में से कृशि क्षेत्र को वास्तव में 421 लाख यूनिट दिये गए। यह कुल का 66 प्रति ात है।

7. 4 मार्च , 1980 को मुख्यमंत्री ने हरियाणा बिजली बोर्ड तथा कृशि विभाग ने सलाह करने के प चात यह निर्णय लिया था कि खेतियां रेतीले इलाके जो कि सिरसा हिसार, भिवानी, रोहतक, गुड़गांव तथा महेन्द्रगढ़ जिलों में पकने वाली हैं, उनमें सप्लाई 9 घंटे से बढ़ा कर 12–14 घंटे कर दी जाए। तब से जो नलकूप दक्षिण पि चम में थे उनको अतिरिक्त बिजली दी गई। इन इलाकों की गम्भीर जरूरत को ध्यान में रखते हुए हमारी इच्छा है कि इन्हें अगले 15 दिनों में 8 घंटे प्रति दिन सप्लाई की जाए। भोश इलाकों को हर दूसरे दिन 7 घंटे बिजली मिलती रहेगी। जब रेतीले इलाकों की फसलों को पानी देने का कार्य पूरा हो जायेगा अब उन्हें दूसरे दिन सप्लाई देने की प्रथा चालू कर दी जायेगी तथा भोश इलाकों को फसलों को पकाने के लिए प्रति दिन बिजली मिलेगी।

8. जैसा कि पहले वर्णन किया जा चुका है कि उद्योगों की बिजली की सप्लाई पर भारी कटौती लगाई गई है। यदि आव यकता हुई तो उद्योगों के कुछ सैंक ंज पर और कटौती 2–3 सप्ताह के समय के लिए लगा दी जायेगी यह इसलिए कि सारी उपलब्ध बिजली पकती हुई फसलों के लिए सुरक्षित रखी जाये, जिसको सरकार वि ेश महत्व देती है।

9. इसके साथ साथ सरकार भरसक प्रयत्न कर रही है कि केन्द्रीय प्रोजैक्टों से अतिरिक्त बिजली ली जाए तथा फरीदाबाद और पानीपत से बिजली का उत्पादन बढ़ाया जाए। जैसे

ही हालत सुधरती है, अप्रैल मई में थै ार्ज को काफी बिजली देने की योजनायों हाथ में हैं। उद्योगों को भी अधिक बिजली दी जायेगी जो कि राज्य की आर्थिक स्थिति के लिए महत्वपूर्ण है। हमारी प्रथम कोि ा ा फसलों को बचाने की है। मुझे पूर्ण वि वास है कि हम इसमें असफल नहीं रहेंगे।

श्री रण सिंह मानः अध्यक्ष महोदय, पैरा सात में मंत्री जी ने माना है कि आठ घंटे बिजली दें गे। स्पीकर साहब, रेतीले इलाकों में मार्च के महीने में चूंकि बहुत ज्यादा बिजली की आव यकता होती है। इसलिए क्या सरकार इस विर्णय पर दुबारा गौर करेगी ताकि वहां पन्द्रह दिनों की बजाय अप्रैल महीने तब इस बढ़ौतरी को कायम रखा जाए ?

श्री देवेन्द्र भार्माः अध्यक्ष महोदय, महकमा सारी जांच पड़ता करके अगर जरूरत महसूस करेगा कि इस पीरियड को आगे बढ़ाया जाए तो नि चत रूप से आगे बढ़ाया जाएगा।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, बिजली तो सप्लाई की जाती है लैकिन लो वोल्टेज के कारण किसानों की म ीनों जल जाती है। अपनी तरफ से तो महकमा बिजली सप्लाई कर देता है लेकिन वास्तव में ट्यूबवैल्ज की म ीनें चल नहीं पातीं अगर किसान चलाते हैं तो वे सड़ जाती हैं और सरकार उनको कोई मुआवजा नहीं देती। इस तरह से आज हरियाणा का किसान बरबाद हो रहा है। इसके अलावा यह भी देखने में आया है कि

रिकार्ड में तो बिजली ट्यूबवैल्ज के लिए दी जा रही है लेकिन हकीकत में वह सारी बिजली उद्योगपतियों को दी जाती है। क्या यह बात सरकार के नोटिस में है और अगर है तो सरकार इस सम्बन्ध में क्या कठोर कदम उठाएंगे ?

श्री देवेन्द्र भार्मा: स्पीकर साहब, आदरणीय साथी ने जो यह बात कही कि ट्यूबवैल्ज की बिजली कारखानों को दी जाती है, इसमें रती भर सच्चाई नहीं है। फिर भी अगर इस तरह की कोई बात कोई भी माननीय सदस्य हमारे नोटिस में लाएगा तो उस पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। इस तरह की कोई बात अभी तक हमारे नोटिस में नहीं है।

श्री अध्यक्ष: दूसरे प्वायंट का भी जवाब दे दें कि लो वोल्टेज के कारण जमींदारों की मोटरें बहुत जयादा जल रही हैं। और उनको बहुत नुकसान हो रहा है।

श्री देवेन्द्र भार्मा: स्पीकर साहब, आर्य साहब को इस बात का अच्छी तरह से पता होना चाहिए कि इस सरकार को पिछली सरकार से जो ट्रांसमि ान और डिस्ट्रीब्यू ान सिस्टम मिला था वह इतना कमजोर था कि कई बार तो पीछे से जो फालतू बिजली मिलती है उसे इसमें से गुजारना भी मु कल हो जाता है। लेकिन फिर भी 15 हजार ट्यूबवैल्ज हमने नए लगाए हैं। (विघ्न) स्पीकर साहब, बिजली जो हमें पीछे से मिलती है वह लिमिटेड टाईम में मिलती है। किसी भी लाईन के भ्रुरू में तो

ट्यूबवैल्ज ठीक चलते हैं। लेकिन टेल के इलाकों में मोटरेकं जल जाती हैं, ट्रांसफार्मर जल जाते हैं। ट्रांसफार्मर तो इतने जले हैं कि आज तक इतने कभी नहीं जलें। उसका कारण यही था कि बिजली की कमी थी, हमारा डिस्ट्रीब्यु ान सिस्टम कमजोर था, पूरी बिजली गुजर नहीं पायी। हमने उसमें सुधार करने के लिए एक नया कार्यक्रम चलाया है। हम पन्द्रह नये पावर हाउस बनाने जा रहे हैं जिनमें से सात तैयार हो चुके हैं। इसी तरह से बिजली की कमी को दूर करने के लिए यमुनानगर में पनबिजली परियोजना, जिसकी क्षमता 64 मैगावाट होगी, का निर्माण कार्य चल रहा है। नाथपा झागड़ी के स्थान पर पनबिजली परियोजना का समझौता किया जा चुका है ताकि हरियाणा में अधिक से अधिक बिजली दी जा सके।

श्री अध्यक्षः लो वोल्टेज के बारे मे मैं भी गवर्नमैंट को सुझाव दूंगा कि जहां पर वोल्टेज कम हो वहां पर बिजली बन्द कर दी जाये। जहां मोटरों की रजिस्टैन्स 250 वोल्टेज से 180 वोल्टेज हो अगर वहां बिजली की सप्लाई 180 वोल्टेज से भी नीचे आ जाये तो वहां के एक्स0ई0एन0 तथा एस0डी0ओ0 को सख्त से सख्त हिदायतें होनी चाहिएं कि उस सूरत में बिजली बन्द कर दी जाये ताकि किसानौं के ट्यूबवैल्ज की मोटरें न जलें।

श्री देवेन्द्र भार्माः स्पीकर साहब, इस बात पर पूरा गौर किया जायेगा।

बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की दूसरी रिपोर्ट

श्री अध्यक्षः मैंबर साहेबान, मैं अब विभिन्न कार्यों के बारे में बिजनैसे एडवाइजरी कमेटी द्वारा विगत किये गए टाइम टेबल की हमारी रिपोर्ट पे ा करता हूं।

"समिति की बैठक वीरवार 6 मार्च 1980 को 11 बजे अग्र मध्याहन अध्यक्ष महोदय के चैम्बर में हुई।

कुछ चर्चा के प चात समिति ने सिफारि ा की कि 10, 11, 12, 13 तथा 14 मार्च 1980 को सभा द्वारा निम्नानुसार कार्य किया जाए :–

सोमवार, 10 मार्च 1980 (2.00 बजे मध्याह्न प चात्)	1.	प्र नोत्तर काल
	2.	वर्श 1980–81 का बजट पे ा करना।
मंगलवार, 11 मार्च 1980 (9.00 बजे प्रातः	1.	प्र नोत्तर काल।
	2.	विधेयकों को प्रस्तुत करने की अनुमति मांगना/ प्रस्तुत करना।

	3.	1979–80 के अनुपूरक प्राक्कलनों पर चर्चा तथा मतदान।
	4.	वर्श 1974–75 के अनुदानों तथा विनियोजनों से अधिक मांगों पर चर्चा तथा मतदान।
बुधवार, 12 मार्च 1980 (9.00 बजे प्रातः)	1.	प्र नोत्तर काल।
	2.	1980–81 के बजट पर सामान्य चर्चा।
वीरवार, 13 मार्च 1980 (9.00 बजे प्रातः)	1.	प्र नोत्तर काल।
	2.	गैर सरकारी कार्य।
भाुक्रवार, 14 मार्च 1980 (9.00 बजे प्रातः)	1.	प्र नोत्तर काल।
	2.	वर्श 1980–81 के बजट पर सामान्य चर्चा का पुनरारम्भ।
समिति ने यह भी निर्णय लिया कि सभा की बैठक निम्नलिखित		

कार्य को करने के लिए, 15 मार्च, 1980 को होगी।		
भानिवार, 15 मार्च 1980 (9.00 बजे प्रातः)	1.	प्र नोत्तर काल।
	2.	वर्श 1980–81 के बजट पर सामान्य चर्चा का पुनरारम्भण।

कमेटी ने फैसला किया है कि भानिवार 15 तारीख को चूंकि राज्य सभा के इलैक ान के लिए वोटिंग होगी, उसके लिए मैंबर साहेबान को आना तो पड़ेगा ही, इसलिए उसका फायदा उठा लिया जाये। इसलिए भानिवार को भी बैठक होगी और उसी प्रकार से कवै चन आवर और बजट पर डिस्क ान होगी ताकि ज्यादा से ज्यादा मैम्बर साहेबान को डिबेट में हिस्सा लेने का मौका मिले। अब मैं मंत्री महोदय से रिक्वैस्ट करूंगा कि वह इस सम्बंध में मो ान मूव करें।

स्थानीय भाासन मंत्री (चौधरी खुर ाीद अहमद): स्पीकर साहब, मैं मूव करता हूं :–

कि यह सदन बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की दूसरी रिपोर्ट में दी गई सिफारि ाों के साथ सहमत है।

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ–

कि यह सदन बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की दूसरी रिपोर्ट में दी गई सिफारि ाों के साथ सहमत हैं।

श्री अध्यक्ष: प्र न है –

कि यह सदन बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की दूसरी रिपोर्ट में दी गई सिफारि ाों के साथ सहमत हैं।

वर्श 1979–80 के सप्लीमैंटरी एस्टीमेटस पे ा करना

Finance Minster (Lala Balwant Rai Tayal): Sir, I beg to present the Supplementary Estimates for the year 1979-80.

एस्टीमेटस कमेटी की वर्श 1979–80 के सप्लीमैंटरी एस्टीमेटस पर रिपोर्ट पे ा करना

Chaudhri Des Raj (Chairman Estimates Committee): Sir, I beg to present the Report of the Committee on Estimates on the Supplementary Estimated for the year 1979-80.

वर्श 1974–75 के एक्सैस डिमांडज ओवर ग्रान्टस एंड एप्रोप्रिए ांज

पे ा करना

Finance Minster (Lala Balwant Rai Tayal): Sir, I beg to present the Excess Demands over Grants and Appropriations for the year 1974-75

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबार, अब राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर बहस भुरू होगी।

ब्रिगेडियर रण सिंह (बेरी): स्पीकर साहब, सियासी एंगल से तो इस सदन में काफी कुछ कहा जा चुका है। मेरे कुछ साथियों ने हरियाणा की डिवैल्पमैंट के बारे में अच्छे सुझाव दिए हैं। हमारी गरीब जनता को और खासतौर पर देहाती भाईयों को आज बहुत ज्यादा मु कलातों का सामना करना पड़ रहा है। और मैं इस के बारे में भी जिक्र करूंगा। आप जानते हैं कि मेरी रूचि डिवैल्पमैंट के कामों में ज्यादा है और सियासी कामों मे कम है। मैं कुछ सुझाव पर सरकार जरूरी कार्यवाही करेगी। I with to say that I joined politics with a limited objective i.e. to live after death and one can do this if one leaves behind monuments like Colleges, I.T.I.s, Parks, Industrial Estates, Hospitals, Canals and so on. This is a scientific age. To maintain the present standard, we will have to run or to carry out development works rapidly. On the other hand, if we wish to make real progress, which is a must, we will havt to carry out development works most rapidly, with far sight and determination.

सबसे बड़ी और अच्छी स्कीम जिसकी तरफ मैं सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं वह है 'फार्टी माईल्ज स्कीम' हरियाणा में दिल्ली के आसपास। यह स्कीम आज से डेढत्र साल पहले हमने बड़ी मेहनत से तैयार की थी। जिसकी आल इंडिया एग्रीकल्चर मिनिस्टर्ज की कांफ्रेस में यूनियन एग्रीकल्चर मिनिस्टर बरनाला साहब ने बड़ी प्र ांसा की थी। इसके अलावा मेरी प्लानिंग कमि ान के कई मैंबर्ज से इस स्कीम के बारे में बातचीत हुई थी और उनमें से एक ने कहा कि इतनी अच्दी स्कीम उनकी जिन्दगी में देखने में नहीं आई इसलिए इस स्कीम को जल्दी से जल्दी प्रोसैस कराना चाहिए जिससे कि न सिर्फ हरियाणा के किसानों को बड़ी भारी तरक्की हो सकती है बल्कि देहली भाहर को भी बड़ा भारी फायदा पहुंचेगा। यह एक बहुत अच्छी स्कीम है जिसकी लागत 250 करोड़ रुपये थी लेकिन अब इसके दो भाग बना दिए गए हैं और डेरी का हिस्सा इस स्कीम से निकल गया है। अब इस स्कीम 70–80 करोड़ रुपये की रह गई है। अगर इस चालीस माईल्ज बैल्ट स्कीम के तहत हम डेरी, पोल्टरी, पिगरी, फि ारी और सब्जी तथा फल की पैदावार को इस बैल्ट में बढ़ावा दें जैसा कि स्कीम में प्लान किया है तो इस इलाके के किसानों, मजदूरों और ग्रामीण भाईयों की जिन्दगी बड़ी खु ाहाल हो जायेगी। यह तो इस का एक पहला ही फेज है उसके बाद दूसरा फेज 80 मील तक कर सकते हैं और तीसरा फेज 120 मील तक कर सकते हैं। इस तरह आहिस्ता आहिस्ता सारा हरियाणा कवर हो जायेगा। परन्तु मुझे बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि दिल्ली जो

हमारे भारत का कैपिटल है और बहुत बड़ा मार्किट है जहां पर इन चीजों की भारी डिमांड है उसको हमने आज तक कभी कोई फायदा नहीं उठाया।

इसके अलावा मैं सुझाव दूंगा कि एग्रीकल्चर में जल्दी से जल्दी डाइवर्सिफिके ान किया जाये। इसलिए मैं कहूंगा कि डाइवर्सिफिके ान बहुत जरूरी है और इसके करने से हमारे गरीब भाई नैचुरल कैलेमिटीज जैसे कि हेल स्टोर्म, फल्डज और ड्राउट, इनसे काफी हद तक वे बच सकते हैं यानि कि डाईसर्सिफिके ान की वजह से कम से कम उनका गुजारा तो हो सकतेा है, क्योंकि कई दफा ओलै पड़ जौ हैं। जैसे अभी रोहतक, हिसार, गुड़गांवा और सिरसा में भी ओले पड़े हैं। हमारे हरियाणा में कई बार बाढ़ भी आ जाती है, कभी सूखा पड़ जाता है। जैसा कि आप जानते हैं कि पिछले साल ड्राउट की वजह से हमारे कुछ इलाकों में जैसे कि झज्जर, भिवानी, महेन्द्रगढ़ मीलों मीलों तक कोई फसल नहीं हुई और जो बीज और खाद इस्तेमाल किया गया था वह भी जाया गया। इसलिए अगर हम ऐग्रीकल्चर में पूरी डाइवर्सिफिके ान अब से पहले कर देते तो हमारे गरीब ग्रामीण भाईयों को डेरी, पिगरी, पोल्टरी और फि ारी से काफी ज्यादा फायदा हो सकता था और जो भारी नुक्सान हमें ड्राउट की वजह से भुगतना पड़ा वह हम कुछ हद तक तो बर्दा त कर सकते थे।

अब मैं एक दूसरी बड़ी अच्छी स्कीम की तरफ सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं जिस का नाम है 'एस्टेबलि ामैंट आफ

ऐग्रो सर्विस सेन्टर्ज'। इस स्कीम के तहत हमने चुनी हुई जगहों पर ऐग्रो सेन्टर्ज बनाने थे ताकि हमारे गरीब भाईयों को अपनी सब जरूरत की चीजें एक ही जगह और एक ही छत्त के नीचे ठीक दामों पर मिल जायें। ये चीजें थीं सीड, फर्टिलाइजर्ज, पेस्टीसाइडज, बिडीसाइड, टयूबवैल मोटर्ज और ट्रैक्टरों के स्पेयर पार्टस और उनकी रिपेयर की सहूलियतें। ये सेन्टर्ज ऐसी जगहों पर बनाने थे ताकि हमारे गरीब किसानों और दूसरो भाइयों को चार या पांच मील अपने गांव से दून न जाना पड़े। यह स्कीम भी केन्द्रीय सरकार के पास सालों से लटकी हुई है और हमें बहुत जल्दी प्रोगैस करनी चाहिए। इस स्कीम से हमारे भाइयों को सब जरूरी चीजें अच्छी और सस्ती अपने गांव के नजदीक ही मिल जाएंगी और इससे अनाज की पैदावार में बहुत बढ़ौतरी होगी। (इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य चौधरी प्रताप सिंह ठाकरान पदासीन हुए।)

तीसरी एक और बड़ी स्कीम जिसका नाम है वाइल्ड लाईफ पार्क जो सुज कुण्ड और बड़खल झील के इलाके में है, कायम करनी थी। यह स्कीम केन्द्रीय सरकार के पास दिल्ली से सालों से लटकी हुई है। इसकी लागत तकरीबन दस करोड़ रुपये है। यूनियन एग्रीकल्चर, फाईनैंस और टूरिज्म मिनिस्टर्ज ने इस स्कीम की बहुत ज्यादा प्र ांसा की थी। उन्होंने इस इलाके का हवाई जहाज से भी मुआयना किया था। यह बहुत बड़ी और सुन्दर स्कीम है बल्कि मैं तो यह कहूंगा कि अगर इस स्कीम को ठीक

तरह से इम्पलीमैंट कर दिया जाये तो this area will be heaven on earth. इस स्कीम के तहत हमने सूरज कुण्ड और बड़खल लेक जोड़ने थे, एक बड़ी झील, डैम लगा कर बनानी थी जिसमें बोटिंग और याटिंग भी हो सकेगी। इस इलाके में काफी तालाब भी हैं जिनमें फि ारी और क्रोकोडाइल फार्मिंग भी हो सकती है। इसके अलावा हमने चुने हुए दरख्तों से इस इलाके में ऐफोरस्टे ान करना था और टूरिस्ट हट्स भी बनाने थें ताकि हमारे बहुत से भाई खासतौर पर देहली और फारेन ऐम्बेंसीज से जहां टैन ान वगैरह बहुत ज्यादा है और जिसकी वजह से काफी आदमी ब्लड प्रै ार और हार्ट डिजीज के मरीज हैं, वे आकर यहां मुकम्मल आराम कर सकें। इसके अलावा हमने यहां पर योगा ट्रेनिंग और हैल्थ सैन्टर्ज भी खोलने थे जिससे कि हरियाणा के और दिल्ली के भाइयों को बड़ा फायदा पहुंच सकता है। मैं सरकार से प्राथ्रना करूंगा कि वह इस स्कीम को जल्दी से जल्दी से पूरा करे।

चेयरमैन साहब, आपको पता होगा कि इसी सदन के अन्दर एक डेढ़ साल पहले मैंने जिक्र किया था कि ओले, बाढ़, और सूखे आदि से किसानों को बचाने के लिए क्रोप इं ाोरेंस होना बड़ा लाजमी है। अगर हम अपने किसानों की भलाई चाहते हैं और उनको नुकसान से बचाना चाहते हैं तो हमें इस स्कीम को लागू करना ही पड़ेगा। कटारिया साहब, ने यह स्कीम बड़ी मेहनत से बनाई थी और अब ये मुकम्मल है। इन चारों स्कीमों के बारे में मैंने यूनियन एग्रीकल्चर मिनिस्टर राव बीरेन्द्र सिंह जी से जो कि

हमारे प्रान्त के हैं, बातचीत की है और उन्होंने इन स्कीमेां को बड़ा ऐप्री ि ाएट किया है और मुझे यह कहते हुए बड़ी खु ाी है कि वे इन स्कीमों को पास करने में हमारी पूरी मदद करेंगे। इसलिए मैं अपने एग्रीकल्चर मिनिस्टर से प्रार्थना करूंगा कि वे इन स्कीमों को टौप प्रायरिटी दें और जल्दी से जल्दी केन्द्रीय सरकार से पास करायें ताकि हम किसान, मजदूर और दूसरे ग्रामीण भाइयों कों खु ाहाल बना सकें। जहां तक क्रोप इं ाोरेंस का सवाल है, राव साहब ने मुझे बताया कि वे केन्द्र में क्रोप इं ाोरेंस की पायलट स्कीम लाना चाहते हैं और मैं चाहूंगा कि हरियाणा सब से पहली स्टेट हो जहां कि यह स्कीम लागू हो।

श्री जगन नाथः अभी आपने एक आफिसर का नाम लिया। आप किसी खास आफिसर जो कि आफिसर गैलरी में बैठा हो, उसका नाम नहीं ले सकते।

ब्रिगेडियर रण सिंहः यह तो सब को साफ दिखाई दे रहा है कि वह यहां पर बैठे हैं। मैं उनकी कोई बुराई तो नहीं कर रहा ?

Shri Verender Singh: He is rather complimenting him.

Brig. Ran Singh: I am not addressing him. (Interruptions). He should not address me. He should address the Chair. He should learn etiquettes. (Interruptions) He cannot address me. (Interruptions)

श्री जगन नाथः यह क्या *** की बातें कर रहे हैं ?

Mr. Chairman: No interruptions please.

Brig. Ran Singh: Mr. Chairman, he should address you and not me.

श्री जगन नाथः चेयरमैन साहब, मैं आपके द्वारा एक चीज पूछना चाहता हूं कि हमारे जो सिवल आफिसर होते हैं व या तो अंग्रेजी में बोलते हैं या हिन्दी में बोलते हैं, मगर ये जो मिल्ट्री वाले होते हैं कभी दो मिनट अंग्रेजी में बोलते हैं तो कभी दो मिनट हिन्दी में बोलते हैं फिर पंजाबी में बोलना भुरू कर देते हैं, इसका क्या कारण है ?

मुख्य संसदीय सचिव (श्रीमती भान्ती देवी): ब्रिगेडियर साहब, आप तो बड़ी अच्छी हिन्दी बोल लेते हैं, आप हिन्दी में ही बोल लें तो अच्छा है।

ब्रिगेडियर रण सिंहः आपको इस बारे में, मैं जवाब दूंगा कि जब हम स्कूल में जाते थे और छोटी सी ऐज के थे तो हम वहां पर उर्दू पढ़ते थे। इसके बाद अंग्रेजी स्कूल में चले गए वहां पर अंग्रेजी बोलने लग गए और उर्दू भूल गए। अब आप इतनी कठिन हिन्दी ले आये हैं कि सब रलम फलम हो गई है। आपने तो हमको बुढ़ापे में अनपढ़ बना कर रख दिया है।

श्री जय नारायण वर्माः चेयरमैन साहब, अभी माननीय सदस्य जो बोल रहे हैं वे इस सदन के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

इनके प्रति जो **** का भाब्द इस्तेमाल किया गया है उसे एक्सपंज किया जाना चाहिए।

श्री सभापतिः ठीक है, वह भाब्द एक्सपंज कर दिया जाये।

ब्रिगेडियर रण सिंहः चेयरमैन साहब, मैं अर्ज कर रहा था कि क्राप इन ाोरेन्स होनी चाहिए इससे किसानों की तकलीफें हल हो सकती हैं। इसके बारे में मैंने राव बीरेन्द्र सिंह जी से जो हमारे यूनियन एग्रीकल्चर मिनिस्टर हैं उनसे बात की है। उन्होंने भी फरमाया है कि इन चारों चीजों का इन ाोरेंस होना चाहिए और उन्होंने बताया कि हम हिन्दुस्तान की कुछेक स्टेटों में ऐज ए पायलट स्कीम लायेंगे। मैं चाहता हूं कि हरियाणा क्राप इन ाोरेंस स्कीम में पहल करे।

इन स्कीमों के अलावा हरियाणा प्रान्त ऐंवायरमैंट प्लानिंग में अपने मुल्क को लीड दे सकता है जैसा कि हमारे टूरिज्म डिपार्टमैंट ने दूसरे प्रान्तों को रास्ता दिखलाया हे। इस डिपार्टमैंट ने हरियाणा में कुछ काम करके दिखाया है और हरियाणा के नाम को भी ऊंचा किया है। हरियाणा में सुरजकुण्ड और बड़खल, गुड़गांव, सोहना, तावडू और जयपुर रोड़ पर मानेसर के ऐसे इलाके हैं जो इस वक्त बिल्कुल बैरन, रौकी और टूटे फूटे हैं। मेरा सुझाव है कि इन इलाकों में चरागाहें और ऐफोरस्टे ान किया जाए। यानी इन इलाकों में रैन्चिज बनाए जाएं जहां कि

लाखों की तादाद में मवे ाी पाले जा सकते हैं और जिससे हरियाणा को बड़ा भारी फायदा पहुंचेगा। मिसाल के तौर पर मैंने बहुत दफा सड़कों पर देखा है कि हजारों की तादाद में कट्टे तथा बच्छियां यू0पी0 के लोग हरियाणा से दस दस, पन्द्रह पन्द्रह रुपए में ले जाते हैं। अगर यह कैटल वैल्थ इम न रेंचों में पालें जिसका मैंने पहले जिक्र किया है तो तकरीबन एक साल के बाद यही कट्टे और बच्छियां हम हजार हजार रुपए में बेच सकते हैं। चूंकि देहली और मिडिल मुल्कों में मीट की बहुत डिमान्ड है। मवे ियों के अलावा इन रैंचों में ब्लू बुल्ज, हिरण, सुअर और भेड़ बकरियां भी पाली जा सकती हैं जिससे कि हमें बड़ा भारी माली फायदा पहुंच सकता है। इस माली फायदे के अलावा हमें और कई फायदे होंगे यानी ये इलाके बहुत खूबसूरत बन जाएंगे। जंगल होने की वजह से बारि ा ज्यादा होगी और इरीजन भी कम होगा। लेकिन ऐसी जगहों के पास स्टोन क्रै ार्ज वगैरह नहीं होने चाहियें। इनके लिए खास खास जगह चुने हुए इलाके में मुकर्रर कर देनी चाहिये। मिसाल के तौर पर सूरजकुंड जब एक बड़ा अच्छा टूरिस्ट स्पाट बन गया है लेकिन इसके बिल्कुल नजदीक हरियाणा और दिल्ली की जमीन पर बहुत से स्टोन क्रै ार्ज लगे हुए हैं जिससे कि यात्रियों पर बड़ा खराब असर पड़ता है। इसके अलावा ये सारा एस्मौसफियर भाोर और गर्दे की वजह से खराब कर देते हैं। इसलिए इन क्रै ार्ज को ऐसी जगहों से हटा कर दूर ले जाना चाहिये।

चेयरमैन साहब, अब मैं सरकार का ध्यान एक और जरूरी बात की तरफ दिलाना चाहूंगा। गवर्नर साहब ने अपने ऐड्रैस में बताया कि इस साल सूखे की वजह से हमारी स्टेट को सिर्फ खरीफ की फसल में 165 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। यह बहुत बड़ा नुकसान है। कई इलाकों में तो हमारे गरीब किसान कंगाल हो गए हैं बल्कि कर्जे में दब गए हैं। यानि कुछ इलाकों में जैसे झज्जर, भिवानी, महेन्द्रग्रढ़ के इलाके मीलों मीलों तक कोई पैदावावर नहीं हुई। दूसरी तरफ कुरुक्षेत्र और करनाल का इलाका लीजिए। यह कहते हुए मुझे फख्र है कि ये पूरे हिन्दुस्तान में अनाज की पैदावार मैं सबसे ऊपर हैं। चूंकि यहां पर अन्डर ग्राउन्ड पानी मीठा है। सूखे से नुकसान तो इन जिलों में भी हुआ है लेकिन कॉफी मिकदार में अन्डर ग्राउन्ड मीठा पानी होने की वजह से पैदावार की कमी सिर्फ बीस या पच्चीस फीसदी है यानी कहने का मतलब है कि यहां गुजारा तो हो गया। दूसरी तरफ झज्जर, भिवानी, महेन्द्रगढ़ और गुड़गांव के इलाकों में तो जो बीज और खाद डाला था वह भी बर्बाद हो गए। इसकी वजह दो हैं। पहली, कि इन एरियाज में ब्रेकि ा वाटर हैं। नरवाना से लेकर झज्जर तक यह एक ब्रेकि ा वाटर की बैल्ट है और यह पानी फसल के लिये बेकार है और दूसरे नहर का पानी भी इन इलाकों में बहुत कम है। अगर हम हरियाणा की अनाज की पैदावार को जो पिछले दस साल में तिगुनी हो गई है, उसको दस गुना करना चाहते हैं तो हम सबसे पहले जो पानी हमें एस0वाई0एल0 कैनाल से मिलना है, उसका बन्दोबस्त करें और

जिन इलाकों में अभी नहर का पानी कम है वहां पर उनको ज्यादा नहर का पानी दें। दूसरे इस ब्रेकि ा वाटर बैल्ट को साइंस की मदद लेकिर ब्रेकि ा पानी को मीठे पानी में तबदील करें। मुझे याद है कि एक साल से ज्यादा हूआ अमेरिकन ऐम्बैसडर हमारे प्रान्त में आये थे और उन्होंने बताया था कि ब्रैकि ा वाटर को मीठे पानी में तबदील किया जा सकता है लेकिन यह काफी महंगा मामला है। लेकिन इसमें हमें अमेरिका से भी माली इमदाद मिल सकती है। फिर हमारे मुल्क में भी बड़े बड़े मुल्क में भी बड़े बड़े अच्छे साइंटिस्टस हैं। मैं गुजारि ा करूंगा कि उनको एक स्पै ाल टास्क ब्रैकि ा पानी को मीठे पानी में तबदील करने का दिया जाए। अगर हम इस काम में कामयाब हो जाते हैं तो न केवल हरियाणा में अनाज की पैदावार आठ से दस गुना हो सकती है बल्कि अगर फिर सूखा पड़ता है तो हमारे किसान भाई अपने गुजारे के लिये काफी अनाज पैदा कर सकेंगे और इन कदमों से हरियाणा की खु ाहाली बहुत बढ़ जाएगी।

चेयरमैन साहब, मेरा एक और सुझाव है। जैसे सरकार मछली के तालाब बनाने के लिए सबसिडर देती है उसी तरह से हमें उन किसानों को जो इरीगे ान टैंक्स बनाना चाहते हैं, सबसिडी देनी चाहिए। ये इरीगे ान टैंक्स मोनसून के टाईम पर भरे जा सकते हैं जो कि लगभग 15 सितम्बर को खत्म होती है और खु ाी की बात यह है कि चना जो बड़ा कीमती अनाज है, वह सितम्बर के महीने में ही बोया जाता है और उसे सिर्फ एक ही

पानी चाहिये। एक दो और फसल हैं जैसे कि सरसों और जौ जिनको दो पानी की जरूरत है। इसलिए मैं पुरजोर सिफारि ा करूंगा कि हमें किसानों को अपनी जमीन में इरीगे ान टैंक्स बनाने में प्रोत्साहन देना चाहिए ताकि वे रबी के टाईम कम से कम चने वगैरह तो पैदा कर सकै।

चेयरमैन साहब, अब मैं सरकार का ध्यान एक दो सियासी बातों की तरफ दिलाना चाहूंगा। There is not doubt that because of political developments during the last few years we, politicians generally, have lost face and credibility amongst the people. In fact the whole thing stinks which makes me think quite often whether there is a place for a person like me in present day politics.

इसके अलावा एक और बड़े दु:ख की बात यह है कि पिछले कुछ दिनों में उत्तरी भारत में और खासकर हरियाणा में जात पात का जहर बहुत फैल गया है। अब आप बिहार को देखें कि पिछले दो चार महीनों में कितने भार्मनाक वाकियात हुए हैं। चार पांच तो मुझे भी याद हैं। अभी कोई एक सप्ताह की बात है कि पीपरा में पन्द्रह बीस मकानों में रात के वक्त घेर लिया गया और उनमें आग लगा दी गयी। जिन्होंने आग से बचने के लिये भाग कर जान बचानी चाही उन्हें गोली मार कर दुबारा आग में फैंक दिया गया। इनमें कुछ दो दो साल कै बच्चे भी थे। मुझे तो अब तक यकीन नहीं आता कि ऐसी भार्मनाक चीजें हमारी हिन्दू सोसायटी में हो सकती हैं लेकिन बड़े दु:ख की बात है कि ये हुई

हैं। It is simply shameful and disgraceful and if this is allowed to happen the poison of casteism may very well affect our security and the very independence of our country. Chairmank Sahib, if that happens, who lives if India dies. I have always maintained in my public speeches that I am Indian first and Indina last and nothing will be allowed to come in the way of our indepnedence and strong India and, therefore, the poison of casteism is one which not only be checked but crushed as soon as possible. In fact, it is a matter of national shame.

चेयरमैन साहब, अब मैं सरकार का ध्यान ऐजूके ान की तरफ जो कि बुनियादी चीजे हैं, दिलाऊंगा। इन्सान और हैवान में सबसे बड़ा फर्क केवल अक्ल का है। अक्ल हमें स्कूलों और कालेजों से मिलती हैं। इसमे कोई भाक नहीं कि हमारे प्रान्त में पढ़ाई का इन्तजाम कई प्रान्तों से अच्छा है। हालांकि यहां काफी मिकदार में स्कूल भी हैं, कालिजिज भी हैं लेकिन एजूके ान की क्वालिटी में कमी है। हमारे प्रान्त में सबसे बढ़िया स्पोर्ट स्कूल राई है और हमारी सरकार ने एक साल से ज्यादा हुआ, यह फैसला लिया कि राई की किस्म के माडल स्कूल हरेक जिले में एक एक कायम किए जाएंगे। अफसोस की बात है कि इस अहम मामले पर अभी तक अमल नहीं हुआ है। मुझे इसमें कोई भाक नहीं कि अगर हम ये माडल स्कूल्ज हर जिले में कायम करें तो कम से कम हमारे चुने हुए और अच्छे बच्चे इन स्कूलों में अच्छी तालीम हासिल कर सकेंगे और फिर वे आल इंडिया कम्पीटी ांज में भाग लेकिकर आई0ए0एस0, सैन्ट्रल सर्विसिज और कम से कम

एच9सी0एस0 में तो आ ही सकेंगे। अफसोस की बात है कि अब तक हमारे प्रान्त सै मु कल से एक आध ही बच्चा आई0एस0एस0, आई0पी0एस0, सैन्ट्रल सर्विसीज और एच0सी0एस0 में आए हैं। इनके अलावा अगर पढ़ाई की बुनियाद अच्छी हो तो वे बच्चे दूसरे अच्छे रोजगारों में भी जा सकते हैं जैसे कि बिजनैस, मैडीकल, इंजीनियरिंग और प्राईवेट फर्म्ज वगैरह वगैरह। मुझे यह कहतु हुए बड़ी खु ाी है कि हमारे प्रान्त में काफी बाल बाडीज और बाल भवन हैं। यह बहुत अच्छी बात है लेकिन अगर हम इन बाल बाडीज और बाल भवनों में एक एक कमरा पढ़ाई के लिए ऐड कर दें और एक एक वैल क्वालिफाइड टीचरैस लगा दें तो वे प्री–प्राईमरी क्लासिज ले सकती हैं जिससे कि हमारे बच्चों की पढ़ाई की बुनियाद बहुत बढ़िया बन जाएगी। और फिर वे बच्चे पढ़ाई में हमे ाा आगे रहेंगे। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासनी हुए)

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मैं एक और अहम मामले की तरफ सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं और वह है खेाती के बारे में। कृशि मंत्री महोदय को बताना चाहता हूं कि हमने अनाज के प्रोडक ान में बहुत तरक्की की है लेकिन 75 प्रति ात प्रोडक्शन सिर्फ पांच जिलों में होती है और वे जिले हैं कुरूक्षेत्र, करनाल, सिरसा, हिसार और जींद। बाकी 25 प्रति ात प्रोडक ान सात पिछड़े हुए डिस्ट्रिक्टस में होती है। इससे साफ जाहिर है कि इन सात पिछड़े हुए डिस्ट्रिक्स में सिंचाई की बहुत कमी है।

आपको इन जिलों के लिए पानी तो लाना पड़ेगा। हमने आगमेन्टे ान टयूबवैल्ज बनाए हैं और आगे और बनाने पडेंगें। जहां हमने पिछले दस साल में तीन गुना पैदावार की है अगर इन जिलों में पानी की कमी पूरी कर दी जाए तो हम दस गुनी पैदावार बढ़ा सकते हैं। ब्रैकि ा वाटर बैल्ट के बारे में तो मैं पहले ही बता चुका हूं।

डिप्टी स्पीकर साहब, मुझे फख्र है कि हरियाणा का जवान बहुत बहादुर है। आप को याद होगा कि 1971 की लड़ाई के बाद जनरल मानक ाा और श्री रूस्तम जी ने कहा था कि हरियाणा का सिपाही सिर्फ हिन्दुस्तान में ही बहादुर नहीं बल्कि सारी दुनिया में सबसे बहादुर है लेकिन अफसोस की बात है कि जब इन बहादुर जवानों ने हमारे दे ा का और प्रान्त का नाम इतना ऊंचा किया है, हमारी सरकार उनकी पूरी तरह देखभाल या मदद नहीं कर सकी है। मिसाल के तौर पर पंजाब में थोड़े ही दिन हुए एक एक्स सर्विसमैन फाइनें ि ायल कारपोरे ान बनाई है जिसके तहत वह रिटायर्ड फौजियों को इंडस्ट्रीज लगाने में और दूसरे धंधों में माली इमदाद देती है। इसलिए मैं अपनी सरकार से पुरजोर अपली करूंगा कि हरियाणा में भी एक ऐसी ही कारपोरे ान जल्दी से जल्दी से स्थापित की जाए।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मैं सरकार का ध्यान एक बहुत अहम एडमिनिस्ट्रेटिव मामले की तरफ दिलाना चाहूंगा और यह है कि पोस्टिंगज और ट्रांसफर्ज के बारे में। फौज में

पोस्टिंगज और ट्रांसफर्ज बड़े सोच विचार के बाद की जाती हैं और वहां पर टैन्योर कम से कम दो साल का होता है। आप यह बात मानेंगे कि कोई भी आफिसर खासतौर पर डी0सीज0, एस0डी0एमज0, एस0ईज0 वगैरह वगैरह को तकरीबन दो चार महीने तो अपने काम को समझने में और पूरी जानकारी हासिल करने में लग जाते हैं। लेकिन मैंने बहुत बाद देखा है कि हरियाणा में बहुत से अफसरान के ट्रांसफर्ज तो दो चार महीने में ही हो जाते हैं तो फिर हम उन अफसरान से जिनको हमने काम करने का मौका ही नहीं दिया। क्या उम्मीद रख सकते हैं। अगर हम अपने प्रान्त में ठीक डिवैल्पमैंट और अच्छा एडमिनिस्ट्रे ान चाहते हैं तो यह जरूरी है कि टैन्योर कम से कम दो साल का हो। हमारे प्रान्त में ब्यूरोक्रेसी का स्टैन्डर्ड और प्रान्तों की बनिस्बत अच्छा है और मुझे भरोसा है कि हमारे अफसरान गुड्ज भी डिलिवरी कर सकते हैं लेकिन उनको काम करने का पूरा मौका दिया जाना चाहिए और पोलिटीकल इंटरफीयरेंस तथा जाति पसंद या नापसंद हमारे और उनके बीच में नहीं आने देना चाहिए।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मैं सरकार का ध्यान देहात की तरफ दिलाना चाहता हूं इसमें कोई भाक नहीं कि हमारे बच्चों की आम सेहत आजकल पहले से काफी गिर गई है और इसकी कई वजह हैं खासतौर से महंगाई। महंगाई की वजह से ग्रामीण भाई दूध बेचकर अपना गुजारा करते हैं। क्योंकि जमनी तो अब पहले की बनिस्बत बहुत कम रह गई है। जहां दूध नहीं वहां घी,

दही और लस्सी भी नहीं होगी। फिर पहले की बनिस्बत खैल कूद में भी भौक कम हो गया है इसलिए मैं सुझाव दूंगा कि भाहरों में तो स्टेडियम्ज हैं ही लेकिन देहातों में स्टेडियम्ज होना बहुत जरूरी हैं जहां पर कि बहुत से खेलौं में हम इन्टर विलेज, इन्टर ब्लाक और इन्टर डिस्ट्रिक्ट मुकाबिले करवा सकते हैं और इससे हरेक गांव में भावना बढ़ेगी कि उनको गांव अन्य मुकाबिलों में जीते और इसके लिए वे इकट्ठे होकर चुने हुए बच्चों को खुराक भी देंगे और ट्रेनिंग भी देंगे और इससे हमारे बहुत से बच्चों की सेहत अच्छी बन जाएगी। इसके अलावा देहात में जहां कि बहुत कम ऐमेनीटीज हैं, वहां देहाती भाईयों को बड़ा अच्छा भुगल मिल जाएगा। डिप्टी स्पीकर साहब, हालांकि मेरा टाईम पूरा हो चुका है, मुझें एक और जरूरी बात याद आ गई जिसकी तरफ मैं सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं और वह है कि हम हरेक डिस्ट्रिक्ट में कम से कम एक बड़ा सीड और डिमौनस्ट्रे ान फार्म बनाएं। आपको याद होगा कि आज से पचास साठ साल पहले जमीन की कोई खास वैल्यू नहीं थी बल्कि कई बार तो जमीन गन्दे और बैड ऐलीमैंटस के नाम सजा के बतौर बरा दी जाती थी क्योंकि उन दिनों में बारबार सूखे की वजह से जमीन की उगाही भी नहीं पटती थी। उन दिनों में हमारे प्रान्त में बहुत जगहों पर बहुत से गांव वालों ने जमीन बाबा या साधुओं के नाम करा दी थी। इस जमीन को दोल्ही कहते हैं। कई जगह यह थोड़ी थोड़ी जमीन है लेकिन कई जगहों पर तो यह कई हजार एकड़ की तादाद में हैं। यह दोल्ही जमीन साधुओं को दी गई थी। जब मैं एग्रीकल्चर

मिनिस्टर था तो सब जिलों से इस बारे में इंफरमे ान मंगवाई थी। कुल जमीन लाखों एकड़ हैं। मैं सरकार को सुझाव दूंगा कि जो थोड़ी थोड़ी जमीन है वह तो नीलाम कर दी जाए क्योंकि इन जमीनों की वजह से गांवों में काफी झगड़े भी हैं और इन जमीनों को गलत इस्तेमाल भी किया जा रहा है। जहां पर दोल्ही जमीन काफी मिकदार में हैं वहां पर हरेक जिले में सीड और डिमौस्ट्रै ान फार्म्ज बनाए जाएं। थोड़ी जमीन के नीलाम करने से जो आमदनी हो उसको इन सीड फार्म्ज का एरिया बढ़ाने, बिल्डिग्ज तथा म ीनरी आदि और दूसरे डिवैल्पमैंट के काम पर खर्च किया जाए। इससे किसानों को बड़ा भारी फायदा होगा और हमारी पैदावार बहुत बढ़ जाएगी। मिसाल के तौर पर हिसार हरियाणा एग्रीकल्चार यूनिवर्सिटी के आसपास के इलाकों को बड़ा भारी फायदा हुआ है। यहां तक कि दूर दूर से किसान वहां अच्छा बीज खरीदने के लिए जाते हैं और वहां पर वे अच्छी खेती भी देखते हैं। हमें यह भी मालूम है कि हमारा किसान काफी कंजरवेटिव है और वह देखने कै बाद हरेक चीज को ठीक तरह से समझ जाता है और उसको बनाता भी है। इसलिए जरूरी है कि हम दो तीन हजार एकड़ का एक फार्म हरेक जिले में कायम करें जिससे एग्रीकल्चर ऐक्सटेन्ा ान प्रोग्राम पूरे हरियाणा में बहुत जल्दी फैल जाएगा और जैसा कि मैंने पहले बताया है इससे किसाने को और हमारे प्रान्त को बड़ा फायदा पहुंचेगा।

डिप्टी स्पीकर साहब, मैं इन सुझावों के साथ अपना भाशण समाप्त करता हूं। धन्यवाद।

11.00 बजे

चौधरी राजेन्द्र सिंहः (बल्लभगढ़): उपाध्यक्ष महोदय, सदन में राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा चल रही है। यहां पर सभी राजनीतिक दलों के माननीय सदस्यगण ने अपने अपने विचार रखे हैं। मैं भी राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर अपने विचार प्रकट करने के लिये खड़ा हुआ हूं और उनका धन्यवाद करता हुआ इस अभिभाशण के समथ्रन में कुछ कहना चाहता हूं। विधान सभा का बजट अधिवे ान में राज्यपाल महोदय ने सदन को सम्बोधित करते हैं और अपने अभिभाशण में राज्य सरकार की उपलब्धियों और आगे आने वाले समय में जो हमारे प्रदे ा ने उन्नति के कार्य करने होते हैं उस बोर में विस्तार से बताया जाता है उपाध्यक्ष महोदय, अभी हाल में ही दे ा में मध्यावधि चुनाव हुए और सारे दे ा की जनता ने श्रीमती इंदिरा गांधी के नेतृत्व में जो बड़ा भारी वि वास प्रकट किया है उसके परिणामस्वरूप हमारे दे ा में एक सुदृढ़, स्टेबल सरकार आई है।

श्री भागीरामः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है (ाोर एवं व्यवधान) मुझे पूर्ण वि वास है कि यहां पर जब भी कोई माननीय सदस्य अपनी बात कहता है तो आप उसको मानने के आदि रहे हैं (ाोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपसे

और चौधरी भजन लाल जी से यह अर्ज करना चाहता हूं कि जो उन्होंने अपने साथियों को बोलने की पुरानी म ीन निकाल ली थी, वह कब अब उनको वापिस लौटा दी जाएगी ? (हंसी एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः यह कोई प्वांयट आफ आर्डर नहीं है।

चौधरी राजेन्द्र सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, हमारे भारतवर्श ने तो क्या, श्रीमती इन्दिरा गांधी की जीत को आज सारे वि व ने ही माना है और आज वे इस दे ा को सही नेतृत्व भी दे रही है। (तालियां) हम सब को वि वास है कि आज हमारे दे ा में जो समस्याएं हैं, श्रीमती इंदिरा गांधी के नेतृत्व में उन सबका समाधानइ होगा। हरियाणा प्रदे ा में भी आज चौधरी भजन लाल की कांग्रेस (आई) की जो सरकार है, वह भी इस प्रदे ा के लिए सुदृढ़ सरकार का काम कर रही है और हमें उससे यह आ ाा है कि वे लोगों के हित के लिये हर तरह से सम्भव उपाय करती रहेगी।

उपाध्यक्ष महोदय, सदन में बोलते हुए सभी राजनीतिक दलों की तरफ से अपने अपने विचार रखे गये। मैं भी सबसे पहले सदन का ध्यान एक ऐसी समस्या की ओर दिलाना चाहता हूं जिससे हमारे समाज के सभी वर्गों को परे ाानी हो रही है और हर वर्ग किसी न किसी रूप में प्रभावित है। मेरे दोस्त चौधरी हरस्वरूप बूरा जी की तरफ से एक काल अटैन्ा न मो ान इस

सदन में पे ा किया गया था। ट्रेजरी बैंचिज और विपक्ष की तरफ से काफी माननीय सदस्य उसके ऊपर बोले भी थे और उन सबके जवाब में हमारे प्रदे ा के फूड एण्ड सप्लाई मिनिस्टर महोदय ने बड़े साधारण से रूप में उसका जवाब पढ़कर इस सदन में सुनाया था। उन्होंने न केवल इस सदन के माननीय सदस्यों की आंखों में धूल झोंकी बल्कि इस प्रदे ा की जनता के साथ भी अन्याय किया है। (विपक्ष की ओर से तालियां) उपाध्यक्ष महोदय, मैं सच्चाई के साथ कहना चाहता हूं कि हम सारे साथी यहां पर वोट लेकर आते हैं और उसका सही मायनों के अन्दर यहां पर सच्चाई से अपना उत्तरदायित्व निभाते हैं। अगर आप सच्चे रूप में जनता के प्रतिनिधि हैं तो आपको सच्चे मन से अपने विचार बिना किसी झिझक के यहां सदन के सामने रखे चाहियें। हमारे माननीय मन्त्री महोदय ने यहां पर अपने जवाब में कहा कि हरियाणा प्रदे ा में सीमेण्ट, चीनी, मिट्टी का तेल और डीजल वगैरह की सप्लाई बिल्कुल ठीक ढंग से हो रही है। ऐसा कहकर उन्होंने सदन को गुमराह किया है, ये फिजूल की बातैं हैं।

उपाध्यक्ष महोदय, आप फरीदाबाद में जाईये वहां पर जाकर आप लोगों से पूछें तो आपको सही हालत का पता चल जाएगा। आपको पता लग जाएगा कि जनवरी के महीने से लेकर अब तक कोई भी चीज सही ढंग से किसी आदमी को नहीं दी गयी। उपाध्यक्ष महोदय, प्रत्यक्ष प्रमाण क्या। सारे फरीदाबाद में सैंकड़ों हजारों मकाने बन रहें हैं और आप देखेंगे कि सभी अमीर

लोगों को उनकी जरूरत के मुताबिक, ईंटे, सीमेन्ट और दूसरी चीजें मिल रही हैं और वे इन सब चीजों को ब्लैक में ले जाते हैं पर गरीब मजदूर और किसान को इन सभी चीजों से वंचित रहना पड़ता है। मैं अपनी सरकार का ध्यान इस तरफ खींचना चाहता हूं कि सरकार को इन सब चीजों को लाईटली नहीं लेना चाहिये। सीरियसली इस पर गौर करना चाहिये कि लोगों को इस तरह की दिक्कते क्यों आ रही हैं ?

उपाध्यक्ष महोदय, आप जा कर देंखें, हमारी बहू बेटियों, बहनें और बच्चे कतारों में मिट्टी का तेल और चीनी लेने के लिये खड़े होते हैं। छ' सात घण्टे खड़े रहने के बाद उनको यह जवाब मिलता है कि मिट्टी का तेल और चीनी वगैरह अब खत्म हो गई है। तो आप ही सोचिये कि उन बेचारों की यह जवाब सुनकर क्या हालत होती होगी। ऐसी स्थिति क्यों होती है ? जो बड़े व्यापारी हैं या दुकानदार हैं वे जा कर इन चीजों को ब्लैक में बेचते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, इन सारी बातों का दायित्व सम्बन्धित मिनिस्टर महोदय के ऊपर होता है। पैट्रोल पम्पस पर भी यही हालत है। लोग तीन तीन मील लम्बी कतारों में डीजल लेने के लिये खड़े रहते हैं लेकिन वह सारे का सारा डीजल ब्लैक में बेच दिया जाता है और गरीब किसान खाली हाथों अपने घर को वापिस लौट आता है। इस हालत में हमारी सरकार को कड़े पग उठाने होंगें। मुख्य मंत्री महोदय, इस समय सदन में नहीं हैं, मैं उनसे निवेदन करना चाहूंगा कि उन को जल्दी ही इस मामले के

ऊपर सोचना होगा और उनको चाहिये कि वे इस विभाग को अपने अधिकार में ले लें (तालियां) तभी हमारे प्रदे ा में हालात सुधर सकेंगे। (विघ्न)

श्री बलदेव तायलः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मैं आपको ध्यान इस ओर आकर्शित करना चाहता हूं कि किसी भी मंत्री को या किसी भी सदस्य को चाहे वह सदन के अन्दर कुछ भी बोले डरा कर या धमका कर बिठाने का अधिकार नहीं है।

चौधरी राजेन्द्र सिंहः तायल साहब ने जो बात कही है मैं उसका भी जवाब दे देता हूं। अगर मेरे जैसे ईमानदार एम0एल0ए0 हो जाएं तो हरियाणा में राम राज्य आ जाए। उपाध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगा कि आज लोगों को उनके जीवन की आव यक वस्तुएं तब तक उपलब्ध नहीं हो सकती हैं जब तक फूड एंड सप्लाइज महकमे में क्रप ान समाप्त नहीं की जाती।

श्री उपाध्यक्षः आपका समय समाप्त हो गया है अब आप वाइंड अप कीजिये।

चौधरी राजेन्द्र सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपको ध्यान एक और बड़ी समस्या की तरफ दिलाना चाहता हूं। फरीदाबाद उत्तरी भारत का सबसे बड़ा औद्योगिक क्षेत्र है। मेरे और श्री दीप चंद भाटिया के नोटिस में आता है कि रोजाना किसी न किसी फैक्टरी के सामने भूख हड़ताल होती है। लेकिन सरकार के

नोटिस में जब वह मामला आता है तो या तो पुलिस फायरिंग कर देती है या कोई वर्कर आत्म हत्या कर लेता है। अभी 17 अक्तूबर को वहां पर एक दुखद घटना हुई है कि जिसके अन्दर हमारा एक ड्यिूटी पर तैनात पुलिस का सब इंस्पैक्टर मारा गया (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए) और कुछ पुलिस के सिपाहियों को भी चोटें लगीं। इसके साथ–साथ वहां पर अनेकों मजदूर भी मारे गये और कुछ ऐसे भी लोग मरे होंगे जिनका न तो पुलिस से और न स्ट्राईक से कोई संबंध था। वे आराम से अपने घरों की छत्तों पर बैठे हुए थे। सदन में खास तौर पर डा0 मंगल सैन जी ने और बाबू मूल चन्द जैन जी ने बड़ी अदाओं से इस घटना के बारे में बाते की हैं लेकिन जब वह सब इंस्पैक्अर और वकर्ज मारे गये थे तो इनकी जुबान से एक भी भाब्द प्रैस के अन्दर नहीं निकला था। मैं श्री भाटिया को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने वर्कर्ज की सिम्पथी में ही नहीं बल्कि उन्होंने ला एंड आर्डर को भी ठीक रखने की बहुत मदद की। अध्यक्ष महोदय, मैं सरकार से निवदेन करूंगा कि उन दिना में जितने भी केसिज रजिस्टर हुए हैं उन सब केसिज को वापिस लिया जाए। जो आदमी कसूरवार हैं, उनको तो बे ाक सजा दी जाए लेकिन इन केसिज का निबटारा जल्दी किया जाए। इसके साथ साथ जो आदमी मारे गये हैं उनके परिवारों को कम्पनसे ान जरूर दिया जाना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, अभी हमारे माननीय सदस्य ब्रिगेडियर रण सिह जी ने जो बात कही है उसके बारे में हमारी सरकार को

कोई न कोई कन्क्रीट ट्रांसफर पालिसी जरूर बनानी चाहिए। यह देखने में आया है कि हम एम0एल0ए0 जब भी कोई मीटिंग अटैंड करने के लिये आते हैं और एम0एल0एज0 होस्टल में आकर ठहरते हैं तो वहां पर दस दस आदमी पहले ही बैठे हमारा इन्तजार कर रहे होते हैं। उन दस में से नौ ट्रांसफर्ज के बारे में बैठे होते हैं। वे न तो खुद कोई काम कर रहे होते हैं। उन दस में नौ ट्रांसफर्ज के बारे में बैठे होते हैं। वे न तो खुद कोई काम करते हैं और न विधायकों को कोई काम करने देते हैं। मेरा सुझाव है कि साल में एक ऐसा पीरियड रखा जाना चाहिए कि सिर्फ उसी पीरियड में ट्रांसफर्ज की जाएं उसके बाद कोई ट्रांसफर्ज न की जाए। देखने में आया है कि जो हमारे ईमानदार अफसर हैं उनकी रोजना ट्रांसफर्ज होती रहती है और वे रोज अपने कंधों पर बिस्तर उठाये रहते हैं। इसलिये मैं सरकारे से निवेदन करूंगा कि ट्रांसफर्ज के संबंध में कोई ऐसी कंक्रीट पालिसी बना कर लागू करे जिससे यह तकलीफ दूर हो सके। मैं ज्यादा न बोलते हुए श्री सुरजेवाला ने जो धन्यवाद का प्रस्ताव पे ा किया है, उसका समर्थन करता हूं।

Shri Baldev Tayal (Hansi): Speaker, Sir, this Governor's Address, in short, is the hostory of the achievements of the Janata Party rule in the State. The Hon'ble Governor has correctly highlighted those achievements in his Address. The Hon'[ble Governor has also praised the erstwhile Lok Dal Government in the Centre for upholding the democracy, for conducting the democratic elections peacefully

in the country. to keep the democracy alive is one of the greatest acheivements of the Janata Party rule in the history of the world. In consequence, Smt. Indira Gandhi became the Prime Minister. But, unfortunately, in this small State, the norms and conventions of democracy were thrown to winds. The sword of dissolution of the Assembly was hanged on the heads of the legislators and the Government. Under that threat, the ******** Chief Minister along with his collegaues changed the labels from Janata Party to Congress (I) Party overnight.

Mr. Speaker, Sir, in fact, it is not a democratic Government. This is the result of coup staged by the Congress (I) in this State and, with utmost regrets, I must say that Smt. Indira Gandhi was also a party to it. People changed labels, some under the name of a “Barat” (Interrruptions) I do not know, sir, whether it was a ‘barat’ or the funeral procession taken out by them of the janata Party Government. In the annuls of histroy, Sir, this is for the first time that a Chief Minister of a particular party changed the label ovenight. It happened in karnataka also where 80 legislators changed the side but the Hon. Chief Minister of that State had the guts to resign and get out. Again, Sir, I will not comment on the thought of a particular legislator. It is his own thoughts, his own principles, but I must say that principles, are always sacrified on the altar of the amibtions and this has been done in this particular State.

Mr. Speaker, Sir, cycle of droughts and floods have always added to misery of the poor people. The erstwhile Congress Government never had the foresight in tackling the

natural calamities such as was, floods or droughts. The golden water so urgently needed by the brave people of this State is drained out ot Pakistan. The erstwhile Congress regimes remained silent spectators and lacked foresight in this respect. These construction of canals without water to feed them is a waste of labour, fund and energy. Now all the three Governments are under Congress regime, Centre, Punjab and Haryana. Let us assume that the good office of the Chief Minister will bear fruit now and the hurdles in constrruction of S.Y.L. will be removed.

Sir, again it will not be out of place to mention the lack of foresight on the part of Congress Governments of this State in regard to energy of this State. The planners in the Government were unaware of the growing need of the energy of this State. The Governments never bothered about the conditions of the transmission lines or setting up of new energy plants. The Government can grants as many connections as it likes but the big question is whethe they will be supplied with uninterrupted is simply defrauding a poor farmer who has to spend a considerable amount on the whole equipemnt of tubewell. This will be just like noon without Sun and thus resulting in darknesss at noon. Sir, I warn this Government that if adequate steps to produce enough energry is not taken Haryana will be plunged into darkness by 1990.

Mr. Speaker Sir, coming to the Co-operative sector, I am pained to point out that the public exchequer is burdened with crores of rupees per year in the shape of losses suffered by various Corportations. These Corporations are infested by incompetent persons, who are recruited on

recommendations and not on basis of merit. They are a paradise for their managing Direcotrs and Chairmen who are not conversant with the economics of such Corporations. Lakhs of rupees are spent in furnishing the offices, providing car, bungalows and other allowances to these Chairmen. Haryana being a poor State can ill-afford such a luxury. The tax payer's money is thus misutilised. This adds to the misery, poverty and hunger or the poor man. I humbly suggest to the Government that if these Corporations and Cooperative sectors are to play an effective role then people should be employed strictly on the basis of merit and competence.

Mr. Speaker, Sir, the most painful thing is about law and order prevailing in the State. The law of jungle is prevailing in this State. Might is right is the order of the present day. Neither there is any law nor any order in the State. The mass rape of women at Hansi witht the connivance of the police is a glaring example of the situation prevailing. Sir, I most painfully point out that on one night many women were raped. I appeal to the consceince of the legislators and specially of the lady legislators. They should rised above party politics and force the Government to seek a probe in the matter. It is not a matter which can be taken lightly. The police people themselves raped the women there. Sir, see to the misery of these women who were calmly sitting in the house and suddenly some people accompanied by the police entered their houses, removed their jewellery, raped them and threw their children away. What is the law and order ? What is the condition of the police and what the Government is doing, I do not know ? Sir, through you, I would specially request that these women legislators should rise to the occasion to

save these women from inhuman torture and malady. When their home life and their children have been ruined, I do not knwo what is going to happen further ini State.

Again, Sir, it will not be out of place ot mention the Rewari incident in which scores of lawyers were beaten and insulted.

In short, again, Sir, liberty and dignity of a citizen is at stake, and if the State does not take adequate measures to chek them the Stat will be redeuced to a police State and nothing else. In short, Sir, I warn the people of this State to expect nothing from this Govenment but misery, hunger, poverty and above all oppression.

In the last, Sir, this year the poor man is going to be burdened with additional taxes. The Government is going to incur the wasteful expenditure in the name of the development. I am sure, this will not be a development for the poor. Again, Sir, I must submit to you and to this House if the Government wants to function it must look to the maladies of the people and not to the benefits of the legislators and Ministers. Thank you.

श्री सुरेन्द्र सिंह (तो ाम): अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल के अभिभाशण पर हमारे विरोधी भाइयों की तरफ से और ट्रैजरी बेन्चिज की तरफ से तरह तरह की चर्चाएं की गई। मैं इस सारे गवर्नर ऐड्रस को पढ़ने के बाद यह सोचता रहा कि इस ऐड्रस में वे कौन सी अचीवमैंट हैं जो जनता पार्टी के भाासनकाल में हुई। चाहे ये ऐड्रस चौधरी देवी लाल जी की सरकार ने लिखा हो या

डा0 साहब ने लिखा हो, उस सरकार में घटकवाद था। (ाोर एवं विघ्न)

डा0 मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय, मैं चौधरी सुरेन्द्र जी से यह पूछना चाहता हूं कि चौधरी भजन लाल जी की सरकार मैं क्या है ?

श्री सुरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं डाक्टर साहब को बताना चाहता हूं कि चौधरी भजन लाल जी को तो हमने उस पार्टी में डैपुटे ान पर भेजा हुआ था। अध्यक्ष महोदय, डा0 साहब और जो लोक दल के भाई हैं, वे इस ऐड्रैस पर चर्चा करते हुए यह कह रहे थे कि हरियाणा में जितना किसानों का, मजदूरों का और आम व्यापारियों का फायदा पिछले जनता पार्टी के 2 साल के भाासन काल में हुआ है, उतना आज की सरकार नहीं कर रही है। अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य चौधरी उदय सिंह दलाल, चौधरी संत कंवर और बाबू मूल चन्द जैन जी ने कहा कि इस ऐड्रैस में जो अचीवमैंटस दिखाई गई हैं वे तो उनकी सरकार की हैं। अध्यक्ष महोदय, गवर्नर ऐड्रैस तो आपने भी पढ़ा होगा, भाायद इन लोक दल के भाईयों ने न पढ़ा हो, लेकिन डा0 साहब ने तो जरूर पढ़ा होगा क्योंकि जब बहिन कमला वर्मा जी बोल रही थीं तो डा0 साहब उनके पास चिट लिख लिखर कर भेज रहे थे। तो इसका मतलब है कि बहिन कमला वर्मा जी ने भी नहीं पढ़ा। (ाोर एवं विघ्न) मैंने तो बहुत अच्छा तरह से पढ़ा है। मैं आपको अच्छी तरह

से बता दूंगा कि चौधरी देवी लाल जी की सरकार ने क्या किया है। (ाोर एवं विघ्न)

डा0 मंगल सैनः चौधरी भजन लाल जी की सरकार ने क्या किया है ?

श्री सुरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं डा0 साहब को बता देना चाहता हूं कि चौधरी भजन लाल जी की सरकार ने बहुत कुछ किया है। अध्यक्ष महोदय, मेरे विरोधी भाई भूल गये इस बात को कि जब 1966 में हरियाणा बना था, तब हरियाणा की क्या द ाा थी। उस समय हरियाणा में गिनती के कुछेक गांवों में तो बिजली थी, 1200–1300 किलोमीटर लम्बी सड़कें थी, कुछ गिनती के ट्यूबवैल्ज थे और कुछेक स्कूल थे। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा डा0 साहब को बताना चाहता हूं कि 1966 से 1976 तक हरियाणा में जो भी काम किया, वह कांग्रेस सरकार ने किया। लेकिन डा0 साहब इस सच्चाई को मानने के लिए तैयार नहीं हैं। अध्यक्ष महोदय, अगर मैं यह कहूं कि हरियाणा प्रान्त के गांव गांव में बिजली कांग्रेस सरकार ने दी तो यह भी मेरे लोक दल के भाई और डा0 साहब कह दें कि चौधरी देवी लाल जी ने दी। (ाोर एवं विघ्न) अध्यक्ष महोदय, जब हरियाणा बना उस समय हरियाणा में 5100 किलोमीटर लम्बी सड़कें थीं और जब 1976 में कांग्रेस सरकार चुनाव हार गई तो उस हरियाणा में 14000 किलोमीटर से भी अधिक लम्बी सड़कें थीं। अध्यक्ष महोदय, अगर अनुपात निकाल कर देखा जाए तो जनता पार्टी की सरकार ने कुछ भी सड़क नहीं

बनाई। फिर डा0 साहब यह कहते हैं कि हमने हरियाणा के गांव गांव में सड़क दी। (ाोर एवं विघ्न) इस दे ा में 1976 में जब श्रीमती इंदिरा गांधी के नेतृत्व में सरकार थी, उस समय जो समस्याएं इस प्रान्त में थी, उन समस्याओं को ये मेरे भाई एक इंच भी हल नहीं कर सके बल्कि उन समस्याओं को बड़ा करके छोड़ गए। (ाोर एवं विघ्न)

डा0 मंगल सैनः आपके मुख्य मंत्री चौधरी भजन लाल जी, उन समस्याओं को हल कर लैंगे। (ाोर)

श्री सुरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके जरिये डा0 साहब को बताना चाहता हूं कि आप देख लेना, आगे आने वाले समय में इस प्रान्त की कितनी तरक्की होगी। अध्यक्ष महोदय,इन्होंने तो गड्ढे खोद रखे हैं कि यदि उनकी पूर्ति करवाएं तो बहुत ज्यादा वक्त लगेगा। (ाोर) अध्यक्ष महोदय, डा0 साहब अपने महकमे की बात करते हैं। डा0 साहब, आप हमारी बात सुनने की हिम्मत रखें। मेरे लोक दल के भाई जो चौधरी देवी लाल जी की सरकार में डा0 साहब के साथ मंत्री थे, वे कहते थे कि हम किसानों के लिए दिन रात एक कर देंगे और किसानों को खु ाहाल बना देंगे लेकिन वे यह नहीं जानते थे कि उनके मंत्रिमंडल में डा0 साहब जैसी हस्तियां मौजूद थीं जो कि किसानों को कभी खु ाहाल नहीं देखना चाहते थे। (ाोर एवं विघ्न) ..... . अध्यक्ष महोदय, मेरे पास इस चीज का सबूत है कि हरियाणा के किसान को ट्यूबवैल के लिए बिजली दी गई। 8 घंटे या 12 घंटे

और वह भी आल्टरनेटिव डेज पर और इंडस्ट्रीज के लिए 8 गुणा बिजली दी गई। अध्यक्ष महोदय, यह रिकार्ड की बात है। जब से इस प्रान्त में कांग्रेस (आई) हकूमत में आई, वह इंडस्ट्रीज जिनको 8–8 गुणा बिजली मिली हुई थी, वह उनसे काट ली गई है। (ाोर एवं विघ्न)

श्रीमती सुशमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, भाई सुरेन्द्र सिंह बिजली की एलोके ान की बात कर रहे हैं भाायद इन्हें याद नहीं कि बिजली का महकमा तो उस समय डा0 साहब के पास नहीं था, वह तो चौधरी रिजक राम जी के पास था जो कि आजकल कांग्रेस (आई) में हैं।

श्री सुरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, बहिन जी महकमे की बात करती हैं, इनके पास उस समय के सिंचाई तथा बिजली मंत्री बैठे हैं। (विघ्न).... मैं तो बताना वहीं चाहता हूं जो बहिन जी कहना चाहती हैं। अध्यक्ष महोदय, जनता पार्टी की सरकार में इनके मंत्री एक दूसरे से तालमेल नहीं रखते थे। सिंचाई तथा बिजली मंत्री श्री बीरेन्द्र सिंह जी थे और डा0 साहब के पास उद्योग विभाग था। तो डा0 साहब कह दें कि श्री वीरेन्द्र सिंह जी के दिल में किसानों के लिए हमदर्दी थी। क्या कभी श्री वीरेन्द्र सिंह जी ने यह कहा कि डा0 साहब आप इंडस्ट्रीज को ज्यादा बिजली दे रहे हैं और किसानों को कम। अध्यक्ष महादेय, डा0 साहब और श्री वीरेन्द्र सिंह जी कहते थे कि हमें मंत्री की कुर्सी मिली रहे। (ाोर एवं विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मेरे विरोधी भाई

आज रक्के मार मार कर यह कहते हैं कि आप इस सूबे में एस0वाई0एल0 का क्या कर रहे हैं ? यह बात तो डेढ़ महीना पहले हम पूछते थे इनसे। थीन डैम के बारे में क्या किया, यह बात हम भी पूछते थे इनसे। आपने क्या किया हैड वर्क्स का, यही बात तो हम पूछते थे इनसे। आज ये कहते है कि चौधरी भजन लाल जी से पूछो। अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी को तो इन लोगों ने अपने तत्वों से ऐसा दबा रखा था कि वह दिल खोल कर काम नहीं कर सकते थें (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, अगर इस मुल्क में 1976 के बाद भी कांग्रेसी की सरकार रहती तो जून, 1978 में पंजाब की जमीन की छाती चीरते हुए एस0वाई0एल0 का कैरियर चैनल कम्पलीट हो जाता। 4 सितम्बर 1976 की चिट्ठी दोनों मुख्य मंत्रियों को रैफर करते हुए जनता पार्टी के नेता बाबू जगजीवन राम ने, जिनको ये जनता पार्टी के भाई प्रधान मंत्री बनाना चाहते थे, लिखा और इस बात पर सहमति प्रकट की कि जून 1978 तक 217 किलोमीटर एस0वाई0एल0 का कैरियर चैनल जिसमें से 125 किलोमीटर पंजाब में और बाकी हरियाणा में कम्पलीट कर दिया जाएगा। लेकिन अध्यक्ष महोदय, कम्पलीट होता कैसे ? नामुमकिन सी बात थी। वह इसलिए क्योंकि इनको तो चाहिए थी कुर्सी और वह भी घटक फटक के जरिये। (ाोर एवं विघ्न)

डा0 मंगल सैनः आपके बापू को भी कुर्सी चाहिए। (ाोर)

श्री सुरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, डा0 साहब मेरे बापू जी की बात करते हैं। डा0 साहब मेरे बापू जी की बात छोड़िए, आप कांग्रेस (आई) पार्टी की बात कीजिए। (ाोर एवं विघ्न)

Mr. Speaker: Please do not cast aspersions on the persons who are not present in the House.

श्री सुरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, जब हम 1977 में गांवों में वोट मांगने के लिए जाते थे तो हम जब गांवों में घुसते थे तो लोग बड़े जोरों से जनता पार्टी का नाम लेते थे। अध्यक्ष महोदय, लोगों से जनता पार्टी का बड़ा उत्साह था और बहुत बड़ा भरोसा था कि पिछले 30 सालों में कांग्रेस पार्टी ने किसानों का, मजदूरों और आम व्यापारियों का भला नहीं किया, ऐसी लोगों के दिलों में गलतफहमी थी। अध्यक्ष महोदय, ये मेरे भाई बहुत भारी बहुमत से चुनाव जीत गए। इसके बाद इनके प्रधान मंत्री श्री मोरार जी भाई ने दिल्ली के राम लीला मैदान में पहली पब्लिक मीटिंग में कहा कि दे ा के लोगों अगर मैं कोई गलती कर दूं तो मुझे कान से पकड कर बाहर निकाल देना। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने गल्तियां करनी भाुरू कीं तो दे ा की जनता ने धक्के मार मार कर इनको बाहर निकाल दिया। (ाोर एवं विघ्न) इतनी बुरी तरह से निकाला कि अगर कहीं हरियाणा में भी अब चुनाव हो जाते तो इन लोगों की तसवीर लेकर तो कोई यहां आ जाता वरना इनमें से एक भी दुबारा एम0एल0ए0 नहीं बन सकता था। (ाोर) अध्यक्ष महोदय, चैनल क्यों नहीं बनी, इसका अहम कारण है कि मोरार जी देसाई

प्रधान मंत्री बन गए। दूसरे उनके साथी, चाहे वे जनसंघ के थे, चाहे लोक दल के थे या चाहे सो ालिस्ट थे। सब ने रामलीला मैदान में मंत्री पर संभाल लिए। अटल बिहारी वाजपाई अगर फारेन पालिसी पर बोल रहे थे, तो वे फारेन मिनिस्टर बन गए, बाबू जगजीवन राम जी अगर डिफैन्स के सम्बंध में रहे थे, तो वे डिफैंस मिनिस्टर हो गए। (विघ्न) स्पीकर साहब, इनकी पार्टी का यह हाल था कि मोरार जी देसाई वैस्ट बंगाल गए लेकिन वहां का चीफ मिनिस्टर उन्हें रिसीव करने नहीं आया। (विघ्न एवं भाोर)

श्री मूल चन्द जैनः स्पीकर साहब, आन ए प्वायंट आफ आर्डर। मैं यह अर्ज करना चाहता हूं कि सैन्ट्रल लीडर्ज क्या करते रहे, क्या नहीं करते रहे, प्रधान मंत्री पि चमी बंगाल में गए और उन्हें रिसीव करने कोई नहीं आया, यह इस हाउस का विशय नहीं है। ये किसी पोलिटिकल पार्टी को क्रिटिसाइज कर सकते हैं लेकिन सैन्ट्रल मिनिस्टर्ज को क्रिटिसाइज नहीं कर सकते।

Mr. Speaker: You should avoid casting aspersions on a person who is not present in the House.

श्री सुरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं चैनल के खोदने की बात कर रहा था। बाबू जगजीवन राम जी 1976 में, ऐग्रीकल्चर मिनिस्टर थे। मैं तो, अध्यक्ष महोदय, यह कह कर बाबू मूल चन्द जैस जी को बताना चाहता हूं कि इनकी सरकार का केन्द्र के साथ तालमेल इस कदर था कि कैरियर चैनल तो क्या यदि ये कोई अन्य छोटे से छोटा काम भी करवाना चाहते तो वह भी नहीं हो

सकता था। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, वह काम चाहे बस बाडी बिल्डिंग का होता, बाउंडरी डिसप्यूट को होता, अबोहर फाजिल्का का होता या हैड वर्क्स के कन्ट्रोल का होता, वह नहीं हो सकता था। उसकी वजह यह थी कि इनकी कुर्सी की लड़ाई थी। कितनी हैरानी की बात है कि कलकता में प्राईम मिनिस्टर जाए और वहां का चीफ मिनिस्टर उन्हें रिसीव करने न आए बल्कि यह कहे कि आई डैम केयर, जयपुर में चौधरी चरण सिंह जी जाएं लेकिन वहां का चीफ मिनिस्टर रिसीव करने न आए और कहे कि आई डैम केयर। बाजपाई जी हरियाणा में आएं और चौधरी देवी लाल जी कहें कि मैं तो उन्हें लीडर ही नहीं मानता। (विघ्न) तो ऐसे ताल्लुकात रखते हुए क्या ये कैरियर चैनल बनवाना चाहते थे, ऐसे ताल्लुकात रखते हुए क्या हैड वर्क्स का निपटारा करवाना चाहते थे ? (विघ्न) इनका प्रोग्राम तो स्पीकर साहब, यह था इन्दिरा गांधी और संजय गांधी को खत्म कर दो। (विघ्न) क्या डाक्टर साहब, इन्दिरा गांधी और संजय गांधी को खत्म कर दिया ? आप तो वजीर थे जब मैंने आपसे यह कहा थ कि कह दो अपने पब्लिक रिले ान्ज डिपार्टमैंट के अफसरों से कि वे उन न्यूज रील्ज को न जलाएं जो उन कामों को द र्ाती थीं जिनको उदघाटन इन्दिरा गांधी जी किया करती थी क्योंकि हिन्दुस्तान के लोग उन्हें फिर जल्दी ही पर्दे पर देखेंगे। आफिसर्ज ने उन्हें इन्टैक्ट रखा होगा क्योंकि वे बड़े समझदार होते हैं। मैं लोक दल के साथी और नेता श्री राज नारायण का नाम नहीं लेना चाहता। वे कहते थे कि मैं तो दाढ़ी तब कटाऊंगा जब इन्दिरा गांधी हट

जाएंगी। अब ऐसा न कहना वरना जिन्दगी भर दाढ़ी रखनी पड़ेगी। (विघ्न)

चौधरी संत कंवरः अध्यक्ष महोदय, किसी पार्टी के नेता के खिलाफ इनको इस तरह की बात नहीं कहनी चाहिए।

श्री अध्यक्षः उनकी भाान के खिलाफ मैं समझता हूं कि कोई बात नहीं कही गई है। ये तो उनके दृढ़ नि चय का सबूत दे रहे थे कि वे दाढ़ी तब कटायेंगे जब इन्दिरा गांधी हट जाएंगी।

श्री सुरेन्द्र सिंहः मेरे लोक दल के साथी श्री संत कंवर जी किसानों को बड़ा नारा लगाते हैं। चौधरी गंगा राम जी भी बड़ी बड़ी बातें करते हैं लेकिन मैं एक बात संत कंवर जी को बताऊंगा कि अगर हिन्दुस्तान में किसानों का किसी ने भट्ठा बिठाया है तो सबसे ज्यादा क्रैडिट आपकी पार्टी को जाता है। इसका सबूत मेरे पास है। उस वक्त ट्रैक्टर की क्या कीमत थी जब इन्दिरा गांधी जी प्रधानमंत्री थीं ? आपने ट्रैक्टर की कीमत 30 हजार रुपये बढ़ाई है। कल डाक्टर साहब, बाबू मूल चन्द जैन जी और कई दूसरे साथी कह रहे थे कि चीनी का भाव सात रुपये किलो हो गया है। यह भाव किसने दिया ? आपने और चौधरी चरण सिंह जी ने किया। हिन्दुस्तान का गन्ना कोई चार रुपये क्विंटल नहीं खरीदता था। (विघ्न) चौधरी चरण सिंह जी को तो भाुक्रिया अदा करना चाहिए प्रधान मंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी जी का, जिनकी वजह से उनका नाम प्रधान मंत्री के रूप में इतिहास

में आया है। (ाोर) किसानों का जब गन्ना 4 रुपये क्विंटल था, उनको चाहिए था कि संसार में कोई मार्किट देखते जहां चीनी बेची जा सकती थी और हिन्दुस्तान के लिए फौरन ऐक्सचेंज कमाई जा सकती थी। स्पीकर साहब, मुझे एक बात याद आ गई। किसी ने वह मुझे बताई है। कहां तक सच है या गलत है यह तो संत कंवर जी जानते होंगे लेकिन बात इस प्रकार है कि होली का त्योहार आया। बहुत से लोग इकट्ठे होकर लोक दल के एक नेता के पास गए और कहा कि चौधरी साहब आप हमारे गांव में चलें हमने आपसे एक उद्घाटन कराना है। चौधरी साहब कहने लगे कि टाईम नहीं लेकिन उद्घाटन किस चीज का करोओगे ? वे लोग कहने लगे कि सारे गांव का गन्ना इकट्ठा करके आपसे माचिस लगवाएंगे। (हंसी) जब किसान को उसकी चीज का भाव न मिले तो वह उस चीज को क्यों बीजेगा ? आज गन्ने से लोगों को नफरत हो गई है। केवल यहीं ही नहीं वैस्टर्न यू0पी0 के इलाकों में भी यही हाल है। आप भाुक्रिया अदा करें मिसेज गांधी जी का कि गन्ने का भाव 19 रुपये क्विंटल सरकारी मिलों पर और 26–27 रुपये क्विंटल क्रै ार्ज पर मिलता है। ये तो अध्यक्ष महोदय इस मुल्क में बहुत बड़ी परसनैलेटीज हैं मिसेज गांधी और संजय गांधी, जिनसे आपके नेता टाईम लेकर के मिलते रहे हैं। (विघ्न एवं भाोर) आप कहते रहे कि संजय गांधी नहीं आएगा, लेकिन मैंने कहा था कि कर्नाटक से बैठ लिया है और चंडीगढ़ में उतरेगा जिसने टाईम लेना हो ले लो। अध्यक्ष महोदय, एक कहावत है डाक्टर साब भाायद उसे अच्छी तरह से जानते होंगे। चार पांच

आदमी एक बहुत खूबसूरत कार में चल दिए। पन्द्रह बीस किलोमीटर चलकर वह कार खड़ी हो गई। वड़ा सैल्फ मारा, धक्के दिए लेकिन वह नहीं चली। जब बौनेट खोल कर देखा तो इंजन नहीं था। (विघ्न)

डा0 मंगल सैनः मारुति की होगी। (ाोर)

श्री सुरेन्द्र सिंहः तब सोचने लगे कि बगैर इंजन के कार चली कैसे ? एक आदमी ने उत्तर दिया कि यह इसलिए चली क्योंकि इस कारी की कम्पनी का नाम बहुत अच्छा था। (हंसी) तो अध्यक्ष महोदय, यह इस मुल्क का बहुत बड़ा गौरव है कि इन्दिरा गांधी जी की बहुत बड़ी पर्सनैलेटी है। यह उनका नाम था कि जिसकी वजह से अढ़ाई साल तक मुल्क भी चल गया और यह प्रान्त भी चल गया। भाुक्र है हिन्दुस्तान के लोगों को जिन्होंने अढ़ाई साल में ही यह अहसाल कर लिया कि ये लोग इतनी बड़ी हकूमत के काबिल नहीं थे जितनी हकूमत हमने इनको दे दी। (विघ्न)

Mr. Speaker: Please wind up your speech.

श्री सुरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं राजनीति की चर्चा नहीं करता क्योंकि मुखालिफ लोग नाराज होंगे। हकीकत तो यह है कि इनको न तो हरियाणा प्रान्त की जनता की भलाई का फिक्र है और न हिन्दुस्तान की जनता की भलाई का फिक्र है। (विघ्न) हमारे जिन साथियों ने यहां कांग्रेस (आई) ज्वायन की है उनको ये

डिफैक्टर बताते हैं। संत कंवर जी ये डिफैक्टर नहीं हैं। इन्होंने तो लोगों ने जो मैनडेट दिया है लोगों ने जो फैसला किया है उसकी कदर करते हुए कांग्रेस (आई) को ज्वायन किया है। डिफैक ान किया तो आप लोगों ने पहले किया। चौधरी देवी लाल जी जब मुख्यमंत्री नहीं रहे तो आप कहने लगे कि इस पार्टी में रूलिंग पार्टी में है क्या ? इसने तो हमारा लीडर ही हटा दिया और अगले ही दिन आपने लाठी दल बना लिया। (ाोर)

अध्यक्ष महोदय, इस प्रान्त के कामों में बारे में आपके जरिए मैं चीफ मिनिस्टर साहब से कुछ गुजारि ा करूंगा। (विघ्न)

Mr. Speaker: Surrender Singh Ji, please wind up your speech now.

श्री सुरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, लोकदल के हमारे एक एम0एल0ए0 साथी एक बहुत बड़े आई0ए0एस0 आफिसर के पाए गए। वे सैक्रेटरी लैवल के आई0ए0एस0 आफिसर हैं। जाकर कहने लगे कि आज चौधरी देवी लाल जी सिलैक्ट लिस्ट बना रहे हैं। अगर आप कहें तो आपका नाम भी उसमें डलवा देता हूं। (विघन एवं भाोर) अध्यक्ष महोदय, ये तो गवर्नर ऐड्रैस को पढ़ते ही नहीं। (ाोर) तीन चार दिन के बाद बजट आ रहा है उसकी भी मुखालफत करेंगे। अध्यक्ष महोदय, काम के बदले में अनाज की जो योजना है इसकी मैं तारीफ करना चाहता हूं (ाोर) यह स्कीम श्रीमती इन्दिरा गान्धी ने सन् 1976 में बनायी थी। कांग्रेस सरकार ने उस टाईम पर अनाज स्टोर कर दिया और आपकी सरकार

आयी तो आपने इस स्कीम को चालू कर दिया। परन्तु इस स्कीम का क्रेडिट आप लोगों को नहीं जाता क्योंकि आप लोगोंं ने तो इसमें बड़ी घपलेबाजी की है। अध्यक्ष महोदय, ये तो ठेके खुद ही ले लेते थे। अध्यक्ष महोदय, मैं चीफ मिनिस्टर साहब से कहना चाहता हूं कि जहां गांवों में ठीक ढंग से काम हो रहा है वहां पर ज्यादा अनाज भिजवाया जाये। रोहतक जिले के बारे में एक बात नोटिस में आयी है कि वहां पर एक आदमी ठेकेदारी करता है, जिसके कारण और लोगों को फायदा नहीं पहुंचता है। इस बात को भी चैक करवाया जाये।

स्पीकर साहब, हरियाणा के अन्दर कांग्रेस सरकार के टाईम पर जहां पर कंस्ट्रक ान के काम हुए थे, चाहे वे नहर पर हुए, सड़कों या इलैक्ट्रिसिटी पोल्ज बगैरह के हुए, उस वक्त उन लोगों की जमीने एक्वायर की गई थी। परन्तु उनको आज तक भी उस जमीन का मुआवजा नहीं मिला है। जनता पार्टी की अढ़ाई साल तक सरकार रही जो अपने आप को किसानों की बड़ी हमदर्द समझती थी, उन गरीब किसानों को मुआवजा नहीं दिला सकी।

हमारे रोडवेज के एम्पलाइज ने हड़ताल की थी। चौधरी देवी लाल की सरकार में सभी मुलाजिम बड़े परे ाान थे इसलिए पेर ाान में कोई न कोई तो हड़ताल करता ही। रोड़वेज के एम्पालइज ने हडताल कर दी, इसलिए उनको नौकरी से निकाल दिया। (ाोर)

कई सदस्यः वे तो भजन लाल की सरकार ने निकाले थे।

श्री सुरेन्द्र सिंहः अगर भजन लाल की सरकार ने निकाले थे तो डाक्टर मंगल सैन और श्रीमती सुशमा स्वराज का जरूर हाथा था। इसलिए मेरा निवेदन है कि रोडवेज के एम्पलाइज या दूसरे विभागों के जो भी एम्पलाइज निकाले गये थे उन सब को वापिस लिया जाये और उनको हड़ताल के वक्त की पूरी तन्खाह दी जाये।

स्पीकर साहब, हरियाणा में पे–कमी ान की रिपोर्ट आयी है। पंजाब के एस0डी0ओ0 के और पी0सी0एस0 अफसर के बराबर के स्केल हैं इसलिए हरियाणा के अन्दर भी एस0डी0ओ0 चाहे वह इलैक्ट्रिसिटी का हो, बी0एन्ड0आर0 का हो या इरीगे ान का हो, सबको हमारे एच0सी0एस0 आफिसर्ज के बराबर स्केल मिलने चाहिएं। (ाोर)

अध्यक्ष महोदय, थोड़ा लाइनिंग के विशय में भी अर्ज करना चाहता हूं। गवर्नमैंट को चाहिए कि किसानों के लिए फ्री आफ कास्ट लाइनिंग कराये। किसान के पास इतना धन नहीं होता कि खालों को पक्का करवाने के लिए इतना धन दे सके। किसानों के लिए खाद के रेट भी कम किये जायें। ट्रैक्टरों का भी गवर्नमैंट को ऐसा अरेंजमैंट करना चाहिए जिससे ये सस्ते दामों पर मिल सकें। इस बारे में सरकार सैन्ट्रल गवर्नमैंट से बात करें या पंजाब

की तरह से ट्रैक्टर फैक्ट्री लगाये। इन भाब्दों के साथ मैं आपका भाुक्रिया अदा करते हुए हाउस से निवेदन करूंगा कि वह एड्रैस सर्वसम्मति से पास किया जाये।

श्री वीरेन्द्र सिंहः (नारनौंद): स्पीकर साहब, दो दिन से गवर्नर एड्रैस पर बहस चल रही है और माननीय सदस्यों ने अपने विचार पे ा किये हैं। डाक्टर मंगल सैन जी ने कहा कि यह दल बदलुओं की सरकार है और ऐसी मिसाल इतिहास में पहली बार आयी है कि इतनी होलसेल में दलबदली की गई हो। स्पीकर साहब, मैं आपसे एक रिक्वैस्ट जरूर करूंगा कि आप घड़ी जरूर देखते रहना क्योंकि इन्ट्रप ान बहुत ज्यादा होगी इसलिए उसके हिसाब से मेरा टाईम भी बढ़ा दें।

श्री अध्यक्षः आपको पांच मिनट फालतू दिये जायेंगे।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब डा0 मंगल सैन जी ने फरमाया कि एक करोड़ दस लाख जनता दल बदलने के कारण उनसे नफरत करती है। डाक्टर साहब ने यह भी कहा कि इस दल बदलने के कारण हरियाणा का नाम बदनात हुआ है। (ाोर)

आज मेरे दोस्त तायल साहब ने इस बात का जिक्र किया कि जब भी हम दल बदलने की बात करते हैं तो ट्रेजरी बैंचिज के भाई मुस्करा रहे होते हैं। वे इसलिए मुस्करा रहे थे क्योंकि वे कुछ महसूस ही नहीं करते। मैं इस बारे में चौधरी भजन लाल जी को और उन मैम्बरान को मुबारिकबाद देता हूं कि

उनकी हिम्मत है कि वे यहां हाउस में बैठे हैं। मैंने तमो एक कम तला ा किया था, उसको यहां हाउस में लाना चाहता था और आपके द्वारा यहां पे ा भी करना चाहता था। आज हरियाणा की एक करोड़ जनता इनसे नफरत करती है आज हरियाणा का नाम सारे दे ा में बदनाम हुआ है लेकिन ये लोग सीना तान कर घूमते हैं हर भला आदमी इस तरह से घूम नहीं सकता।

स्पीकर साहब, अब मैं गवर्नर एड्रैस की तरफ आता हूं। सब से पहले जनरल एडमिनिस्ट्रे ान के बारे में अर्ज करना चाहता हूं। जनरल एडमिनिस्ट्र ान में चौधरी भजन लाल की सरकार बनने के बाद जिनती डिमोरेलाइजे ान आयी है, उतनी आज तक हरियाणा बनने के बाद कभी नहीं आयी। चाहे कोई आफिसर है, चाहे आफि ियलय है या कोई अन्य है सब में डिमौरेलाइजे ान आयी है। प्रतिदिन ट्रांसफरों की लम्बी लम्बी लिस्टें भेजी जाती हैं जिसका कोई हद हिसाब नहीं है। माननीय सदस्यों को याद होगा कि जब लोकसभा के इलैक ान हुए तो इलैक ान कमी नर ने इंस्ट्रक ांज जारी की कि इलैक ान के दौरान कोई ट्रांसफर न किया जाये। परन्तु पता नहीं क्या हिसाब किताब था कि हरियाणा में डभ्0सीज0 और एम0पीज0 के ट्रांसफर उन इन्स्ट्रक ांज को वायलेट करके किये गये। आप रोज अखबारों में ट्रांसफरों की लिस्ट देख लें, कम से कम दस बीस रोज मिलैंगी। अभी चौधरी राजेन्द्र सिंह जी कह रहे थे कि इस सरकार का सारा समय ट्रांसफरें करने में लग जाता है। इसलिए ट्रांसफर की कोई कन्क्रीट

पालिसी तय की जानी चाहिए। ट्रेजरी बैंचिज में अलग अलग किस्म के लोग इकट्ठे हो गये हैं। चौधरी सुरेन्द्र सिंह, श्री बीरेन्द्र सिंह और चौधरी भाम ोर जी तो इस सरकार को तोड़ना चाहते हैं परन्तु चौधरी भजन लाल जी से चाहते हैं कि मैं दो साल तक इस को रखूं। हालत यहां तक खराब हो चुकी है। हमने तो कल कहा था कि चौधरी बीरेन्द्र सिंह, सुरेन्द्र सिंह और भाम ोर सिंह जी यह अ योरेन्स दे दें कि हाउस दो साल चलेगा, हम मान लेंगे लेकिन चौधरी भजन लाल की अ योरेन्स हम मानने वाले नहीं हैं।

12.00 बजे

स्पीकर साहब, अब मैं ला एण्ड आर्ड के बारे में कहना चाहता हूं। कहां पर ला है और कहां पर आर्डर है ? चौधरी भजन लाल जी की सरकार को बने हुए अभी 8–9 महीने ही हुए हैं। इसी सै ान में एक प्र न पूछा गया था कि कितनी एफ0आई0आरज0 दर्ज हुई हैं, उसका नम्बर बताया जाये। इनकी यह हिम्मत नहीं हुई कि वे एफ0आई0आरज0 का नम्बर बता सकें कि कितनी रजिस्टर हुई हैं। एफ0आई0आरज0 का नम्बर बताते हुए सरकार झिझकती है। जब अगले साल सै ान आयेगा तो यही सवाल फिर उठेगा। उस समय तक इस सरकार की पालिसी बदल जायेगी। अब जनता पार्टी की सरकार में जो फ्री–रजिस्ट्रे ान आफ केसिज की पालिसी थी, उसके बारे में मुझे डर है कि कहीं उसको बदल न दिया जाये। यह इसलिए चालू की गई थी कि क्राईम न बढ़ें। मैं सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि फ्री रजिस्ट्रे ान

ऑफ केसिज को बन्द न किया जाये ताकि गरीबों को भी न्याय मिल सके। स्पीकर साहब, मैं कितने कान्डों को जिक्र करूं। नारनौल, रिवाड़ी और खानपुर में इतने बड़े कांड हुए लेकिन सरकार ने कोई एक ान नहीं लिया। एक केस तो मुख्यमंत्री महोदय के अपने हल्के के गांव चौधरीवास का ही है। वहां पर गरीब हरिजन लोगों ने धरना लगाया हुआ है लेकिन अभी तक उन्हें कोई इन्साफ नहीं मिला। (ाोर)

श्रीमती भाान्ति देवीः आन ए प्वाएंट आफ आर्डर सर। स्पीकर साहब, भाई वीरेन्द्र सिंह जी को अब हरिजनों के साथ हमदर्दी हो गई जबकि इन्होंने चुनावों के दौरान उनको वोट तक नहीं डालने दिए।

श्री अध्यक्षः यह कोई प्वाएंट आफ आर्डर नहीं है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, इसी प्रकार से एक दर्दनाक केस हांसी की स्पिनिंग मिल में चार औरतों के साथ हुआ। वहां पर पुलिस के लोगों द्वारा रेप किया गया। वहां के लोगों नें जुडि ियल इन्क्वायरी की मांग की लेकिन सरकार उनकी मांग को मानने के लिए तैयार नहीं हैं। आज हरियाणा प्रान्त के अन्दर सैन्स आफ सिक्रयोरिटी नहीं है। इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि अगर सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया तो हमें कोई कदम उठाना पड़ेगा। (ाोर) स्पीकर साहब, ये स्टेट के अन्दर क्या ला एण्ड आर्डर मेनटेन करेंगे। मुख्य मंत्री जी तो अपने

मैंबरों को भी ला एण्ड आर्डर में नहीं रख सकते। वे दूसरे मैंबरों को बोलने ही नहीं देते और हम बात में इन्ट्रप्ट करते रहते हैं। स्पीकर साहब, अब मैं डिवैल्पमैंट एक्टिविटीज के बारे में अर्ज करना चाहता हूं। यह बहुत अच्छी बात है कि स्टेट के अन्दर डिवैल्पमैन्ट हो। हरियाणा का भविश्य पानी से जुड़ा हुआ है। यहां पर एस0वाई0एल0 का जिक्र मेरे कई माननीय सदस्यों ने किया है। इस समय भाई सुरेन्द्र सिंह जी उठ कर चले गए हैं वरना मैं उनको जवाब देता। वे यहां पर कह रहे थे कि जनता पार्टी की सरकार यदि किसानों की हितैशी होती तो एस0वाई0एल0 का मसला हल कर लिया होता। इस बारे मैं अर्ज करना चाहता हूं कि जब यहां पर इस प्रदे ा के अन्दर कांग्रेस की सरकार थी और सैन्टर में भी कांग्रेस की सरकार थी उस वक्त वह सरकार इस मसले को क्यों ने हल कर सकी ? बंसी लाल जी के समय में एस0वाईएल0 का एवार्ड 3.5 मिलियन एकड़ फीट किया गया ाि लेकिन हमारे यहां पर जितनी भी कमेटियां बनीं उन सभी कमेटियों ने इस पानी के डिस्ट्रीब्यू ान के मामले में 4.5 मिलीयन एकड़ फीट पानी रिकमैंड किया था। जबकि चौधरी बंसी लाल जी की सरकार सैन्टर की सरकार के साथ 3.5 मिलियन एकड़ फीट पानी पर अंगूठा लगा कर आ गई और आने वाली सरकारों को बांध कर रख दिया। यह बात बड़ी खु ा किस्मती की है कि एस0वाई0एल0 के पानी के बारे में जब हमने सैन्टर सरकार को एप्रोच किया तो उस वक्त इस मसले को हल करने के लिए आज के मुख्यमंत्री जी भी मेरे साथ एसोि ाएट थे। उनको सारे फैक्टस का पता है।

लेकिन बदकिस्मती यह है कि अब पावर एण्ड इरोगे ान डिपार्टमैंट एक ब्लड प्रै ार वाले आदमी को दिया हुआ है। ऐसे महत्वपूर्ण महकमे में बहुत भारी इम्पलीके ान्ज हैं। ऐसे महकमे को सरदार तारा सिंह, जगन नाथ या गजराज बहादुर नागर जैसे मंत्रियों को दिया जाना चाहिए।

श्री अध्यक्षः यह सुझाव आप मुख्य मंत्री जी को अलग से दे दें। (हंसी)

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, यदि यह पानी हमें हमें नहीं मिला तो हरियाणा का भविश्य धूमिल हो जायेगा। इसलिए ऐसे विभाग को चौधरी वीरेन्द्र सिंह को दे दें और कोई जब नए मिनिस्टर बनाएं तो उनको दे दें वरना काम नहीं चलेगा।

श्री अध्यक्षः आप भी पढ़े लिखे हैं, आप को ही क्यों न दे दिया जाये। (हंसी)

स्थानीय भाासन मंत्री (चौधरी खुर ाीद अहमद): आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। स्पीकर साहब, हाउस के अन्दर दो बीरेन्द्र हैं, कहीं ये अपना नाम तो नहीं ले रहे हैं। इसलिए यै इस बारे में कलैरिफिके ान दें कि कौन से वीरेन्द्र के बारे में कह रहे हैं ?

श्री अध्यक्षः इस कैबनिट में बहुत अच्छे काबिल मिनिस्टर हैं तो फिर आप कैसे कह सकते हैं कि काम नहीं चलेगा ?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, काबिल आदमी हैं नहीं आगे आएंगे। स्पीकर साहब, कुछ लोग सोचते हैं कि यह एस0वाईएल0 जो खुदवाई जा रही है यह ठीक नहीं है और पैसे की वेस्टेज की जा रही है इसलिए इसे बन्द कर दिया जाना चाहिए। यह गलत बात है। इस पर पैसा वेस्ट नहीं हो रहा है। यह रियाणा के लिए बहुत ही यूजफुल है और इसे जितना जल्दी हो सके मुकम्मल कराया जाना चाहिए। मैंने मिनिस्टर के रूप में ओथ ली हुई है इसलिए वह बातें मैं हाऊस के सामने कहना नहीं चाहता क्योंकि वे पब्लिक इन्ट्रैस्ट में नहीं होंगी। जिस समय हमने यह सूट दायर किया तो इस प्रकार के 3–4 सूट पहले भी दायर किए हुए थे। वे सार 6 महीने के अन्दर डिस्पोज आफ ही गए थे लेकिन इस सूट को दायर किए हुए एक साल हो चुका है। इसलिए इस सूट को जल्दी से एक्सपीडाइट करवाया जाना चाहिए एस0वाई0एल0 की खुदाई हो सके। इस सूट के लिए अलग से कोि ा ा की जा सकती है, क्योंकि सैन्टर के अन्दर इन्दिरा गांधी की सरकार है और राव बीरेन्द्र सिंह जो पावर एण्ड इरीगे ान मिनिस्टर हैं, वे भी बड़ी अच्छी जगह पर बैठे हैं। हमारी हरियाणा स्टेट के अन्दर भी कांग्रेस (आई) के मुख्य मंत्री हैं और पंजाब के अन्दर प्रेजीडेन्ट रूल है इसलिए इस समस्या का हल करने का इससे बेहतरीन मौका फिर भाायद ही कभी आयेगा। इसलिए मैं प्रार्थना करूंगा कि इस मसले को हल करने के लिए चौधरी भजन लाल जी को एक एक बात का पता है वे सारी बातें मैं यहां पर

नहीं बताना चाहता क्योंकि वे पब्लिक इन्ट्रैस्ट में नहीं होगी। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, आपको बोलते 15 मिनट हो गये हैं। (व्यवधान व भाोर)

श्री वीरेन्द्र सिंहः एक बात मैं और कहना चाहता हूं वह है बिजली की कमी के बारे में। इस प्रदे ा में यह देखने में आया है कि बिजली की बड़ी भारी कमी है। पिछले दो साल तक जब तक चौधरी देवी लाल की सरकार रही, बिजली पानी की कोई कमी नहीं रही। आप प्रोसीडिंग्ज निकाल कर देख लीजिये मैं यह बात साबित कर सकता हूं। अपोजी ान बैंचिज पर बैठने वाले मैम्बरों ने अपने भाशणों में यह कहा है। चौधरी भाम ोर सिंह जी की मैं स्पीच बता सकता हूं। उन्होंने यह कहा था कि जब से हरियाणा में चौधरी देवी लाल जी की सरकार आयी है, तब से किसानों को बिजली और पानी इतना मिला है कि जितना पहले कभी नहीं मिला .... (व्यवधान व भाोर) ..... स्पीकर साहब, जैसे कि आप के सामने तमाम सदस्यों ने यह कहा है कि इस प्रदे ा में ही नहीं बल्कि सारे दे ा में बिजली का संकट आने वाला है मैं पर्टिकुलरली हरियाणा के लिये एक दो सुझाव देना चाहता हूं। पहले तो हमारे प्रदे ा की बदकिस्मती यह है कि हमारे यहां यमुना हाईडल प्रोजैक्अ के इलावा कोई दूसरा हाईडल प्रोजैक्ट नहीं बन सकता। अगर राठी साहब की सेहत इजाजत दे तों यह सारे प्रदे ा की नहरों का दौरा करें। मैंने कुछ जगह फाल्ज देखे हैं

जहां पर हाईडल प्रोजैक्ट बनाये जा सकते हैं। अगर इनको एक दो ऐसे फाल्ज मिल जायें तो वहां से भी बिजली पैदा की जा सकती है। मैं एक और सुझाव इनको देना चाहता हूं (ाोर एवं व्यवधान) हिसार में ि ाप ब्रीडिंग फार्म के अन्दर विन्ड मिल लगी हुई है जो पानी ले जाती है और सारा एरिया इरीगेट करती है। वहां के एक्सपर्ट ने मुझे यह बताया है कि यह इस किस्म की है कि साल में 365 दिनों में से 315 दिन तक हवा के साथ चल सकती है। केवल 50 दिन के लिये यह म ाीन हवा के साथ नहीं चल सकती। मेरा कहने का मतलब यह है कि कुछ ऐसी म ाीनें हैं जो बिना बिजली की जरूरत के भी पानी दे सकती हैं और इससे एग्रीकल्चवर के लिये दी जाने वाली 40 प्रति ात बिजली बच सकती है। मैं टैक्नीकल एक्सपर्ट नहीं हूं। मुझे इस बात का आइडिया दिया गया है इसलिये मैंने यहां पर बताया है। (ाोर व व्यवधान)

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, अब आप वाइन्ड अप कीजिये।

श्री वीरेन्द्र सिंहः बहुत अच्छा जी। इस किस्म का एक्सपैरीमैंट जो मैंने बताया है, नीदरलैंड और हालैंड में हो रहा है। वहां पर अगर स्टडी करने के लिये किसी को भेजना हो तो किसी पढ़े लिखे आदमी को भेजना। (व्यवधान व भाोर) इस तरह से हम भाायद कुछ पोटैं ाियल इलैक्ट्रिसिटी का पैदा कर लें। आखिरी बात मैं यह कहना चाहूंगा कि जब से चौधरी भजन लाल की सरकार बनी है, इसने डिवैल्पमैंटल एक्टीविटीज की मन्जूरी पर

ज्यादा जोर दिया हुआ है। अगर इनके मन्जूर किये गये प्रेोजैक्टस/स्कीम्ज का टोटल खर्चा जोड़ लिया जाये तो मेरे ख्याल में हरियाणा के पास अगले अढ़ाई हजार साल तक भी उतना पैसाव नहीं होगा जितना यह अनाउन्स कर चुके हैं। इनकी मंजूरी की मैं एक मिसाल आपको देना चाहता हूं। एक बार चौधरी साहब, मुख्य मंत्री बनने के बाद अपने हल्के में बालसमन्द गांव में गये वहां के लोगों ने 22 मांगें इनके सामने रखीं। इन्होंने खड़े होकर एक के बाद एक 21 मांगें मन्जूर कर दी। जब बाइसवीं रह गयी तो वहां का सरपंच खड़ा होकर यह कहने लगा कि चौधरी साहब, हमारी एक मांग तो रह गयी है तो इन्होंने फौरन पूछा कौन सी ? उसने कहा एक प ाुओं का हस्पताल चाहिए। ये बोले 25 बिस्तरों का वह भी मंजूर। यह हकीकत है। (ाोर व व्यवधान) स्पीकर साहब, यह मन्जूरी की बड़ी डींगें मारते हैं। (व्यवधान व भाोर)

श्री अध्यक्षः अब आप वाइन्ड अप करें।

श्री वीरेन्द्र सिंहः कर रहा हूं जी। स्पीकर साहब, ऐसी मन्जूरी का कोई फायदा नहीं है। इसमें आगे वाटर वर्क्स और रोडज का जिक्र है। मैं समझता हूं कि जो वाटर वर्क्स और सड़कें चौधरी देवी लाल की सरकार के वक्त में मन्जूर हुई हैं, अगर उन पर यह काम करना बन्द कर देंगे तो यह बहुत बुरी बात होगी। एक मेरे गांव में हस्पताल मन्जूर किया हुआ था, उसको यह

उठाकर अपने आदमपुर में ले गये हैं। अगर उसको वापिस दिलवा दें तो ठीक रहेगा। (घंटी) अच्छा जी, धन्यवाद।

चौधरी बीरेन्द्र सिंह (उचाना कलां): अध्यक्ष महोदय, हमारे आदरणीय गवर्नर महोदय ने अपने अभिभाशण में यह बात भाुरू में ही स्पश्ट भाब्दों में कही है कि इस दे ा में जो लोक सभा के मध्यावधि चुनाव हुए उससे यह साबित हो गया है कि इस दे ा की जनता प्रजातांत्रिक पद्धति में वि वास रखती है।

श्री कंवल सिंह: यह तो सन् 1977 में सिद्ध हो गया था।

चौधरी बीरेन्द्र सिंह: सन् 1977 में यह सिद्ध हुआ था कि इस दे ा में कुछ डिस्ग्रन्टल्ड और फ्रस्ट्रेटिड नेता इकट्ठे हुए थे और उन्होंने इस दे ा के वोटरों को इस दे ा के मतदाताओं को सब्ज बागे दिखाये कि हम आपको एक कु ाल प्र ाासन देंगे जो कांग्रेस भाासन से अलग किस्म का होगा। उससे सारे दे ा की जनता खु ा होगी और सुखी होगी। लेकिन अध्यक्ष महोदय, अढ़ाई साल के अर्से में ही इस दे ा की जनता ने यह महसूस किया कि कांग्रेस ही एक ऐसी पार्टी है और इस दे ा में एक ही ऐसी नेता है – श्रीमती इन्दिरा गांधी जो इस दे ा को सही और सुचारू रूप से चलने वाला प्र ाासन प्रदान कर सकती हैं। यह बात अगर कोई साथी न माने तो वह बात आज इस दे ा की जनता ने इस दे ा के वोटर ने साबित कर दी है .....

श्री मूल चन्द जैनः आपको हरियाणा में केवल तीस परसैन्ट वोट मिले हैं। (व्यवधान)

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहता हूं कि इस दे ा की जनता ने और हरियाणा की जनता ने उन दोनों पाटियों को जिनमें एक तो भाहरी कुलक या भाहरी कैपिटेलिस्टस को रिप्रैजैन्ट करती थी और दूसरी देहाती कुलक को रिप्रैजैन्ट करती थी उन दोनों को ही हरियाणा की जनता ने रिजैक्ट कर दिया है। (व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही साथ मैं यह भी कहता हूं कि मेरे साथी बार बार यह चर्चा करते हैं कि वे लोग जनता पार्टी में थे और अब हमारे साथ बैठे हैं। लेकिन अध्यक्ष महोदय, यह बात साफ साबित होती है कि जनता पार्टी के अन्दर वे लोग जो कांग्रेस की नीतियों में वि वास रखते थे, जो गरीबों से हमदर्दी रखते थे जिनका आर0एस0एस0 और जनसंघ से कोई सम्बंध नहीं था ...

चौधरी सतवीर सिंह मलिकः आन ए प्वाएंट आफ आर्डर। स्पीकर साहब, ये खड़े होकर अपनी पापुलेरिटी की बड़ी डींग मार रहे हैं। मैं बताना चाहता हूं कि इनकी कांस्टीच्यूएंसी, उचना कलां से लोक दल के उम्मीदवार ने 17 हजार वोटों से लीड किया है।

श्री अध्यक्षः यह प्वाएंट आफ आर्डर नहीं है। आप बैठ जाइए।

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, जिन लोगों ने श्रीमती इन्दिरा गांधी के नेतृत्व में वि वास प्रकट किया आज उन्होंने कांग्रेस (आई) में सम्मिलित होकर इन लोगों का बहिश्कार किया है। जो लोग भाहरों में बैठ कर भाहरी लोगों का भाोशण करते थे, गांव में बैठ कर गांव के हरिजनों और गरीब लागों का भाोशण करते रहे उनका बहिश्कार करके ये लोग हमारी पार्टी में भाामिल हुए हैं। ये लोग अढ़ाई साल इकट्ठे होकर नहीं चल पाए। अध्यक्ष महोदय, भूतपूर्व मुख्य मंत्री के लड़के चौधरी प्रताप सिंह इनकी जनता पार्टी के बारे में कहते हैं कि जनता पार्टी एक रेल की तरह से है और उस रेल के प्रधान मंत्री मोरार जी देसाई ड्राईवर हैं और जो लाल हरी झण्ड़ी दिखाने वाले हैं वे लोक दल के राज नारायण हैं। चौधरी चरण सिंह भी उस गाड़ी में सफर कर रहे हैं और कभी कभी वे गाड़ी की चेन खींच देते हैं। मेरे पिता जी उस गाड़ी में सफर कर रहे हैं और राज नारायण द्वारा लाल और हरी झण्ड़ी दिखाने से जब गाड़ी बार बार रुकती और चलती है तो मेरे पिता का सिर आगे पीछे टकराता है। इसलिए यह पार्टी स्पीकर साहब, छिन्न भिन्न हो गई। इस पार्टी में सिर्फ जनसंघ रह गया है। बहिन जी भी (श्रीमती सुशमा स्वराज की ओर इ ाारा) थोड़े दिनों में इधर अपने वाली हैं .....

वाक आउट

श्री कंवल सिंहः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्ड है .....

Mr. Speaker: No point of order please. Let him finish first.

श्री हीरा नन्द आर्य: स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है .....

Mr. Speaker: I will not allow interruptions because there is no point of order.

श्री हीरा नन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, जब तक आप सुनेंगे नहीं तब तक आप कैसे फैसला करेंगें कि यह प्वायंट आफ आर्डर नहीं है। आप सुन तो लीजिए।

श्री अध्यक्ष: मैंने आपकी पार्टी के कम से कम 20 प्वायंट आफ आर्डर सुने हैं लेकिन all these points of order were not only out of order but were wholly irrelevant. That shows absolut lack of home work being done about the raising of point of order. Kindly discipline your party. (Interruptions)

श्री हीरा नन्द आर्य: जो आपने कहा है यह सारी अपोजी ान पर असपर ान है, सारी अपोजी ान पर लांछन है। (व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: मैं जो कुछ कहता हूं वह पूरी जिम्मेदारी के साथ कहता हूं। I have not allowed any single point of order from the Treasury Benches side. I have been checking them. कम से कम बीस प्वायंट आफ आर्डर आपकी तरफ से उठाए गए हैं, आप रिकार्ड देख लें और उनमें से एक भी प्वायंट आफ आर्डर

इन आर्डर नहीं आया। अब आप ही बताइए, मैं क्या कर सकता हूं ? There is a limit to my patience.

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है कि आपने किसी मैम्बर को सुनने से पहले यह फैसला कर लिया कि यह प्वायंट आफ आर्डर नहीं है। ऐसा करना किस रूल्ज आफ प्रोसीजर की किताब में है ?

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, यह गलत बात है और इसके विरोध में मैं वाक आउट करता हूं।

(इस समय श्री हीरा नन्द आर्य तथा सर्वश्री कंवल सिंह और सतवीर सिंह मलिक सदन से बाहर चले गए)

औचित्य प्र न–

(1) प्वायंट आफ आर्डर उठाने सम्बन्धी

श्री मूल चन्द जैनः आन ए प्वायंट आफ आर्डर। स्पीकर साहब, जो आदमी सदन में नहीं है उसका हवाला सदन में देना कहां तक ठीक है ? इन्होंने चौधरी देवी लाल और उनके सुपुत्र का हवाला यहां दिया है। मैं इस बारे में आपकी रूलिंग चाहता हूं कि उनकी गैर हाजरी में कैसे उनका हवाला दिया जा सकता है ?

श्री अध्यक्षः रूलिंग बड़ी क्लियर है कि जो आदमी हाउस के अन्दर प्रेजेन्ट नहीं है उसके खिलाफ डेरोगेटरी या डिफेमेटरी रिर्माक्स नहीं कह जा सकते लेकिन कोई चीज ऐसी कहनी पड़ जाती है जो रैफरेंस टू कांटैस्ट पoूरा करने के लिए हो, अगर उसमें कोई ऐसी बात न हो जो डिफेमेटरी हो या डेरोगेटरी हो तो वह कहीं जा सकती है। Babu Ji, I must point out with the greatest emphasis at my command that your section of the House has been raising most irrelevant point of order which have got no basis at all.

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, आपने जो फरमाया है वह बड़ा फरमाया है (व्यवधान)

Mr. Speker: Thank you very much for your appreciation. I do not want appreciation.

डा0 मंगल सैनः आप नाराजगी में एक बात कह गए कि अपोजो ान के लोग ..... (Interruption)

Mr. Speaker: No interruption please. On point of order, no home work whatsoever has been done by the (Lok Dal) side.

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, प्वायंट आफ आर्डर पर क्या होम वर्क करना पड़ता है ?

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, you are a much more senoir legislator than I a.m. मेरा तो केवल अढ़ाई साल का

ऐक्सपीरियेंस है और आपको ऐक्सपीरियेंस 35–40 साल का होगा। प्वायंटस आफ आर्डर पर क्या होम वर्क करना पड़ता है, मैं आपको बताऊंगा और इस बोर में मैं मैंबर साहेबान को पहले भी बता चुका हूं। अब दूसरी दफा बता रहा हूं कि प्वायंटस आफ आर्डर पर क्या होम वर्क करना चाहिए। हरियाणा लैजिस्लेटिव असैम्बली की जो रूल्ज आफ प्रोसीजर एंड कंडक्अ आफ बिजनैस की किताब है वह सब मैम्बर साहेबान को इ ा की हुई हैं और अगर यह किताब किसी मैम्बर साहब को न पहुंची हो तो मैं उसको भिजवा सकता हूं। इस किताब के पेज 66 पर रूल 112 है, इसमें प्वायंट आफ आर्डर कैसे रेंज किया जा सकता है इसके बारे में डेढ़ सफे में दिया गया है। इन बातों का होम वर्क करके ही करैक्ट प्वायंट आफ आर्डर रेज हो सकता है। मैं आपके सामने एक बात और कहना चाहता हूं कि आपकी नालेज का प्रद र्न यहां सारा हरियाणा देख रहा है, वह प्रद र्न आपको नहीं करना चाहिए, पूरी स्टडी करके ही आपको यहां पर आना चाहिए।

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैं आपकी रूलिंग चाहता हूं कि अभी मेरे मित्र ने यहां पर चौधरी प्रताप सिंह के बारे में कहाच कि वे कहते थे कि जब उनके पिता रेल में सफर करते हैं तो झटके लगने से वे आगे पीछे होते हैं। क्या ये लफ्ज डेरोगेटरी नहीं हैं ?

श्री अध्यक्षः मेरे ख्याल में डेरोगेटरी नहीं हैं अगर आप इनको डेरोगेटरी समझते हैं और आप कहते हैं it should be

expunged तो इस बारे में मेरा आपसे निवेदन है कि जैसे खाने के साथ थोड़ा नमक मिर्च जरूरी है उसी तरह से अगर प्रोसीडिंग्ज में ह्यूमर नहीं होगा तो प्रोसीडिंग्ज ड्राई होंगी।

डा0 मंगल सैनः जब आप जरा गुस्से में हो जाते हैं तब सारी चीज गड़बड़ हो जाती है। You appeared to be a bit hard.

Mr. Speaker: If I gave such an impression that I was in temper, I am sorrry for that.

Brig. Ran Singh: Mr. Speaker, I appreciate your feelings and, I think, you will be better off in this House if you punish the members who raise a wrong point of order. On the other hand, if a person wants to raise a point of order and without listening to him you say nothing doing and do not allow him to raise a point of order, it is wrong and it should not be so.

Mr. Speaker: I have fullest respect for you but, I am sorry, I will not allow any discussion on my ruling. It is very clear from the experience of the past 5 or 6 days and I have seen that at crucial points, where a member can make out his point, precisely, on that very point a member will get up and raise a most irrelevant and inadmissible point of order. It is also my duty to ensure that when a member either from the Treasury Benches or from the other side is at a crucila point or in the middle of his speech, to make a point he should not be interrupted at that time.

श्री मूल चन्द जैनः स्पीकर साहब, दोनों से ही ऐसा होता है।

Mr. Speaker: From the botoom of my heart, I have been checking both sides evenly and perhaps I can say that I have got many friends on this side (Opposition) whom I have gien more latitude that I have given to the other side.

Brig. Ran Singh: I appreciate you feelings that when any member is in the middle of his speech or at a crucial stagbe to make a point, nobody should interrupt him and if anybody does that he must be punished. But before a member has given his point of order it is incorrect to say that he cannot raise a point of order.

Mr. Speaker: I will certainly consider this.

Brig. Ran Singh: Thank you.

(2) रूल 116 के अधीन या अन्यथा कार्यवाही से हिस्से या हिस्सों इत्यादि को निकालने के अध्यक्ष के विवेकाधिकार संबंधी

श्री कंवल सिंहः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। आपने कहा है कि किसी मैम्बर को प्वायंट आफ आर्डर रेज करने से पहले होम वर्क करके आना चाहिये। आपकी हिदायतों के अनुसार मैंने होम वर्क करने की कोि ा ा की है। इस मामले में, मैं आपकी रूलिंग चाहता हूं। आपने कहा कि जो लफ्ज डिफेमेटरी इंडीसैंट, अनपार्लियामैंटरी या अन डिगनीफाइड हों, इन्हें एक्सपन्ज

किया जा सकता है। मैं यह जानना चाहता हूं कि इसके अलावा आपके पास कोई और भी डिसक्री ान है कि किसी और लफ्ज को एक्सपन्ज कर सकें। दूसरी बात यह है कि जो आपने हाउस में आबरजरवे ान की ही उसको भी आप एक्सपन्ज कर सकते हैं ?

Mr. Speaker: I will give a ruling on this after studying the Rules, if you give it to me in writing.

Shri Sanwal Singh: Alright, Sir.

Mr. Speaker: Is this the point that you wanted to raise when he (Chaudhri Birinder Singh) was speaking ?

Shri Kanwal Singh: No, Sir.

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा कहने का तात्पर्य यह है कि अढ़ाई साल के अपने भाासन काल में जनता पार्टी ने पहली सरकार के किये कामों पर बिल्कुल पानी फेर दिया। इसी कारण दे ा की जनता ने इंदिरा गांधी पर अपना वि वास प्रकट किया और इस चुनाव में सभी पार्टियों को मुंह की खानी पड़ी। आज ये अपोजी ान वाले अपने कामों की डींग मारते हैं कि हमने यह काम यिका, हम ने वह काम किया। अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी मार्फत कुछ बातें और बताना चाहता हूं कि जब 1977 में कांग्रेस (आई) सरकार का राज हटा, उस वक्त दे ा के अन्दर 4 करोड़ रुपये की विदे ाी मुद्रा का भण्डार था और अनाज

का भण्डार भी इतना था कि दो साल तक, अगर कहीं कहत भी पड़ जाता तो भी दे ा की जरूरतों के लिये वह काफी था। (ाोर एवं व्यवधान)

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, क्या यह रैलेवैन्ट बोल रहे हैं ?

Mr. Speaker: Yes, he is speaking quite relevant.

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मैं कह रहा था कि पिछली सरकार अन्न का इतना भण्डार छोड़ गई थी कि कहत की द ाा में भी इस दे ा की सरकार ऐसी स्थिति का मुकाबला कर सकती थी लेकिन इस जनता पार्टी ने अपने अढ़ाई साल के भाासन काल में दे ा की व्यवस्था को अस्त व्यस्त और छिन्न भिन्न कर दिया। यही कारण था कि दे ा की जनता पार्टी को बाहर उखाड़ फेंका और श्रीमती गांधी में अपना वि वास प्रकट किया।

अध्यक्ष महोदय, मेरे भाई श्री वीरेन्द्र सिंह जी कह रहे थे कि श्री सुरेन्द्र सिंह, बीरेन्द्र सिंह व श्री सुरजेवाला जी तो भजन लाल को अपना नेता नहीं मानते हैं। मैं उनको यह बताना चाहता हूं कि जब श्रीमती इंदिरा गांधी ने उनको हरियाणा का नेता मान लिया तो फिर हम उनको कैसे न मानेंगे ? हम सब श्री भजन लाल जी को दिल से अपना नेता स्वीकारते हैं। स्पीकर साहब, इस दे ा की स्थिति जो पिछले तीस महीनों में बिगड़ी है, उसको देख कर

मुझे राश्ट्रकवि पूज्यनीय हरिवं ा राय बच्चन जी का यह भोर याद आता है –

वक ा पर युग वाहू बांधे मैं खड़ा सागर किनारे,

आज लहरों का निमन्त्रण मैं क्यों तूफान से डरूं।

अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले तो मैं नाथपा–झाकड़ी प्रोजैक्ट पर हमारी सरकार का जो हिमाचल सरकार से एग्रीमैंट हुआ है, उसके लिये मैं अपनी सरकार को बधाई देता हूं। उससे 1100 मैगावाट बिजली का उत्पादन होगा जिससे दोनों राज्यों को काफी फायदा होगा। अध्यक्ष महोदय, जब श्री वीरेन्द्र सिंह जी, इरीगे ान व पावर मिनिस्टर थे, उस वक्त उन्होंने यह कहकर टाल दिया था कि इस स्कीम को कम से कम 20 वर्श लगेंगे और इससे कोई फायदा नहीं होगा और लगभग 300 करोड़ रुपया भी इस पर खर्च होगा– (ाोर एवं व्यवधान)

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मैं तो अब भी यही कहता हूं (ाोर)

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं चौधरी भजन लाल जी को मुबारिकबाद देता हूं क्योंकि थर्मल पावर प्लांट से यह प्रोजैक्ट सस्ता पड़ता है और इससे आगे आने वाले कम से कम 60 सालों में हरियाणा प्रान्त में बिजली का कोई संकट नहीं होगा। अध्यक्ष महोदय, सतलुज यमुना योजक परियोजना की समस्या को हमारी कांग्रेस सरकार ही सुलझा पाई थी। जनता

पाटी ने अपने दो साल के भाासन काल में इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया। इसी तरह से थीं डैम के बारे में उस वक्त के इरीगे ान एण्ड पावर मिनिस्टर श्री वीरेन्द्र सिंह जी को मैंने चैलेंज किया था कि आपने इसमें अपना हिस्सा खो दिया है। ये कहते थे कि हमारा हिस्सा है लेकिन आज आप देखें कि उसकी एक्सीक्यू ान में भी हमारा कोई हिस्सा नहीं है। उस वक्त इन्होंने मेरी बात पर गौर नहीं किया था। इस सारे काम के लिये पिछली चौधरी देवी लाल की सरकार ही जिम्मेदार है। (ाोर एवं व्यवधान)

वैयक्तिक स्पश्टीकरण

श्री वीरेन्द्र सिंह द्वारा

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मैं पर्सनल एक्सप्लेने ान देना चाहता हूं। यह मामला अटार्नी जनरल को चला गया था और इस पर अटार्नी जनरल की जो फाइंडिंग आनी थी, वह फाइंडिंग नहीं आई। अब इस सरकार का यह फर्ज बनता है कि अटार्नी जनरल से इसका फैसला करवाए।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, एक बात कह कर मैं अपनी बात खत्म करूंगा। कल किसानामें के हमदर्द कामरेड

भांकर लाल ने कहा कि चीनी सात रु0 किलो मिलती है। मेरे पास फिगर्ज हैं, मैं बताता हूं। जब कांग्रेस पार्टी सत्ता से हटी उस साल यानी 1976–77 में चीनी का उत्पादन 62 लाख टन हुआ था। उसके बाद 1978 में यह उत्पादन घट कर 58 लाख टन रह गया और जब किसान का गन्ना खेत में सड़ रहा था तो उस वक्त उसकी कीमत देने के लिये कोई तैयार नहीं था। किसानों के बड़े नेता कहलवाने चौधरी चरण सिंह ने किसानों के लिये कुछ नहीं किया और उनके टाइम में चीनी का उत्पादन घटकर 40 लाख टन रह गया। तो इसकी जिम्मेदारी कांग्रेस की सरकार की नहीं है। आज ये कहते हैं कि डेढ़ महीने में चीनी की कीमत बढ़ गई। लेकिन इसका अगर कोई सही जिम्मेदार है तो वह लोक दल और जनता पार्टी के लोग हैं। अध्यक्ष महोदय, किसासनों के हक में नारा देने वाली इनको सरकार किसानों को कोई फायदा नहीं दे सकी। इन्दिरा गांधी का राज इस दे ा में 11 साल तक रहा और उस राज में किसानों को जो सहूलियत मिली, उसकी मिसाल इतिहास में कहीं नहीं मिलती है। चौधरी चरण सिंह ने एक काम किया कि ट्रैक्टर की कीमत 30 हजार रु0 बढ़ा दी, दूसरे इम्पलीमैंटस की कीमत बढ़ा दी और डीजल की कीमत बढ़ा दी। उन्होंने खाद पर पांच रु0 की सबसिडी देकर किसानों के आंसू पोंछने वाली बात की है। इन भाब्दों के साथ जो प्रस्ताव श्री सुरजेवाला ने पे ा किया है, मैं उसका समर्थन करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, तीन मार्च को इस सदन में राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर विपक्ष की ओर से जिस अभद्रता का प्रद र्शन किया गया इसकी मिसाल आपको कहीं नहीं मिलेगी। राज्यपाल महोदय, के अभिभाशण पर जो इस तरह की निर्लज्जतापूर्ण घटना हुई, मैं इसकी जितने भी कड़े भाब्दों में निन्दा करूं उतनी ही थोड़ी है।

डा0 मंगल सैन: अध्यक्ष महोदय, इन्होंने अभद्रता (indecent) और निर्लज्जता (shameful) दो भाब्दों का प्रयोग किया है। मैं आपकी रूलिंग चाहता हूं कि क्या ये भाब्द पार्लिमैंटरी हैं ?

Mr. Speaker: I will get it checked up and if these words are found unparliamentary then I will get them @ expunged.

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, ऐसी घटना को देक्ष कर हमारा सिर भार्म से झुक जाता है। अध्यक्ष महोदय, अपोजी ान का भी एक रोल हुआ करता है। जब हाउस में राज्यपाल महोदय अपना अभिभाशण पढ़ रहे थे और उस समय अपोजी ान की तरफ से जो परिचय दिया गया ऐसी मिसाल हरियाणा के इतिहास में देखने को नहीं मिलेगी। मैं इसके लिये राज्यपाल महोदय से क्षमा चाहता हूं और विपक्ष के रोल की कड़ी निन्दा करता हूं। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा विपक्ष के कुछ नेताओं ने बोलते हुए हमारे बारे में यह कहा कि हमने पार्टी के साथ बड़ा वि वासघात किया और दल बदल किया और डा0

मंगल सैन ने हमें भगौड़े तक भी कहा। अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी मार्फत विपक्ष के नेताओं और सदस्यगण को यह बताना चाहता हूं कि हमने किसी कुर्सी या कोई और लालच के लिये डिफैक ान की बात नहीं की बल्कि हमने तो दे ा की जनता की भावनाओं को देख कर ऐसा किया है। कन्या कुमारी से लेकर हिमालय तक दे ा की जनता ने प्रधानमंत्री, श्रीमती इन्दिरा गांधी में वि वास प्रकट किया। इसका सबूत आपने इलैक ान के रिजल्टस से देख लिया होगा। इसलिये जनता की भावना की कदर करते हुए हमने यह फैसला लिया। डिफैक ान तो वह हुआ करती है अगर एक या दो आदमी पार्टी छोड़ कर चले जाएं। लेकिन हमने तो 40 विधायकों ने सोच समझ कर यह निर्णय लिया और अपना विलय कांग्रेस पार्टी के साथ किया। हम समझते हैं कि दे ा में केवल श्रीमती इन्दिरा गांधी ही ऐसी नेता हैं जो दे ा को सही दि ाा दे सकती हैं। आपने पिछले अढ़ाई साल का वातावरण देखा। इस तरह के वातावरण की मिसाल इस दे ा में कहीं भी देखने को नहीं मिलेगी। आज ये कहते हैं कि हमने डिफैक ान की है।

****

****

****

चौधरी संत कंवरः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अभी माननीय मुख्य मंत्री जी ने कहा कि लोक दल के

नेता * * * या तो ये इस चीज को साबित करें या ये भाब्द एक्सपंज किये जाएं।

श्री अध्यक्षः यह प्वायंट आफ आर्डर नहीं है।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, इस बात को सारा दे ा जानता है।

श्री कंवल सिंहः स्पीकर साहब, * * * हमारे दे ा के नेता हैं। और वे इस हाउस के मैम्बर नहीं हैं तो क्या उनका नाम इस हाउस में लिया जा सकता है ?

श्री अध्यक्षः जो हिस्टारिकल फैक्ट है उस पर बात की जा सकती है।

श्री मूल चन्द जैनः स्पीकर साहब, मैं आपकी रूलिंग चाहता हूं कि यदि चीफ मिनिस्टर साहब किसी फैक्ट को हिस्टारिकल फैक्ट कहें तो क्या आप भी उसे हिस्टारिकल फैक्ट मान लेंगे ? हम इस बात को चैलेंज करते हैं। (ाोर)

श्री अध्यक्षः हिस्टारिकल फैक्ट वाली बात पर अगर आपको कोई डिसप्यूट है तो आप मुझे लिख कर भेज दें मैं इसको चैक अप कर लूंगा।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, मुझे इससे आगे भी एक बात कहनी पड़ेगी कि जब कोई आदमी डिफैक ान किया

करता है तो किसी मर्यादा को लेकर करता है। लेकिन * *

* * (ाोर)

Mr. Speaker: As far as the question of defection is concerned, from both sides of the House a number of challenges and accusations have been made at each other and if somebody makes an allegation on somebody, he must be prepared to face it. जिसने किसी पर एक्यूजे ान किया है उसमें इतना तो सुनने और बर्दा त करने का मादा होना चाहिये। मैं रूल तला ा कर रहा हूं कि जो हाई डिगनिटरीज हैं उनके बारे में जिक्र किया जा सकता है। मैं चैक अप कर लूंगा। लेकिन जब लीडर आफ दि हाउस बोल रहे हों तो उन्हें इस तरह इन्ट्रप्ट करना भाोभा नहीं देता।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, इन्होंने हाउस में कितनी बार इस बात की चर्चा की और हमने इनको आराम से सुना है। अब कम से कम भाान्ति से मुझे भी सुनने की कृपा करें, मैं आपको हकीकत बता रहा हूं। इस दे ा की जनता को पता है कि किस तरह से डिफैक ान करके इन्होंने दे ा का नाम कलंकित किया है, यह कहने में मुझे कोई हिचकिचाहट नहीं होगी। स्पीकर साहब, इस प्रान्त के नेता चौधरी देवी लाल एक ऐसे नेता हैं जिन्होंने 18 बार पार्टी बदली है। (व्यवधान) पार्टी किस तरह बदली है, इसका अन्दाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि जब तक वे प्रान्त के मुख्य मंत्री रहे तब तक उनके लिए जनता पार्टी ठीक थी और जब मुख्य मंत्री पद से हट गए तो जनता पार्टी छोड़

कर एक और नई पार्टी बना ली। इस पार्टी को लठ दल कहें या लोक दल कहें, यह बात आप देख लें लेकिन मेरे कहने का तात्पर्य यह है कि जिन लोगों के सियासी नेता का ऐसा करदार रहा हो, वे किस मुंह से कह सकते हैं कि हमने डिफैक ान की है। हमने मर्यादा में रह कर एक सिद्धान्त को अपनाया है और श्रीमती इन्दिरा गांधी ही ऐसी नेता हैं जो दे ा को सही दि ाा दे सकती हैं। (व्यवधान) मेरे जो साथी हैं, ये सारे ही कांग्रेस विचारधार के लोग हैं। किन्हीं बजूहात के कारण वे उस पार्टी से अलग हुए थे और अब वे अपने घर में वापिस आकर मन में खु ाी अनुभव कर रहे हैं। (व्यवधान) जैसे एक परिवार से कोई आदमी बिछड़ जाता है और कुछ समय के बाद वह अपने परिवार में वापिस आ जाए तो उसके परिवार के लोग उसको बहुत प्यार से गले लगाते हैं। इसके लिए हम श्रीमती इन्दिरा गांधी के एहसानमंद हैं, जिन्होंने हमें अपने घर में बुलाकर, गले लगाकर प्यार किया। उनका धन्यवाद करने के लिए हमारे पास कोई भाब्द नहीं हैं। (व्यवधान)

चौधरी संत कंवरः स्पीकर साहब, यहां पर तो ये तारीफ कर रहे हैं लेकिन एक जनवरी को इलैक ान जलसे में इन्होंने कहा था कि यह सबसे झूठी महिला हैं ..... (व्यवधान)

चौधरी भजन लालः मैंने ऐसा कभी नहीं कहा। (व्यवधान) आप कुछ कहते रहें, हमें इस बात की चिन्ता नहीं है। (व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, श्री वीरेन्द्र सिंह ने सदन में इल्जाम

लगाया था कि मेरे हलके के लोगों की 22 मांगें थी और उनमें से मैंने 21 मंजूर कर लीं। चूंकि इन्होंने मेरे हलके का जिक्र किया था इसलिए मैं इन्हें बताना चाहता हूं कि 22 मांगों में से 1 मांग रह गई थी जो मेरे हलके बालसमन्द गांव की थी। वहां पर पिछले आठ सालों से 25 बैडज का हस्पताल टैम्परेरी तौर पर चल रहा है। जहां तक मुझे याद है, इसका उदघाटन भूतपूर्व मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल ने किया था और श्री घन याम दास गोयल ने बनवाया था। उस फंक ान में मैं भी भाामिल था और मुझे पता है, यह मेरे हलके का गांव है और यहां पर आलरेडी हस्पताल है। (व्यवधान) मैं ऐसी बात नहीं करता जैसे इनके नेता बात करते है। ये अपने नेता की बात करते हैं जिनकी यह खासियत थी कि पांच मिनट के बाद उनको बात याद नहीं रहती थी। पता नहीं वे कौन सी गोली खाते थे। (ाोर) मैं एक दिन का वाक्या बताता हूं। हरियाणा भवन का .....

श्री हरफूल सिंहः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। यह जो गोली वाली बात इन्होंने कही है, यह ठीक नहीं है। (व्यवधान एवं भाोर)

(इस समय कई मैम्बर प्वायंट आफ आर्डर रेज करने के लिए खड़े हो गए)

Mr. Speaker: When the Hon. Member is already on a point of order, I do not know how you can raise another point of order ? एक समय एक ही मैम्बर प्वायंट आफ आर्डर रेज

करे, आप छः छः मैम्बर एक ही दफा खड़े होकर प्वायंट आफ आर्डर रेज करते हैं, यह मुनासिब नहीं।

कई सदस्यः इन्होंने गोली का जिक्र किया है ..... (व्यवधान एवं भाोर)

चौधरी भजन लालः मैं आपका जिक्र नहीं करूंगा। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः विटामिन की गोली तो मैं भी सुबह खाकर आता हूं।

एक सदस्यः ये गोली का नाम बता दें। (व्यवधान)

श्री मूल चन्द जैनः स्पीकर साहब, मैं आपकी रूलिंग इस बात पर चाहता हूं कि जैसा कि चीफ मिनिस्टर साहब ने यहां कहा कि वे ऐसी गोली खाते थे जिससे वे पांच मिनट में बात भूल जाते थे। यह उन पर इल्जाम है और ऐसे आदमी के खिलाफ जो सी0एम0 रह चुके हैं, ऐसे लफ्ज इस्तेमाल नहीं करने चाहिए। मेरे विचार में ये लफ्ज डैरोगेटरी हैं। मैं आपकी रूलिंग चाहता हूं कि क्या ये लफ्ज डैरोगेटरी हैं या नहीं, अगर हैं तो इनको एक्सपंज किया जाए क्योंकि इससे हमारी फीलिंग इंजर हुई है। (व्यवधान)

Mr. Speaker: I will get this examined. Babu Ji please give it to me in writing. वह कौन सी गोली है वे क्या खाते थे यह सब मुझे लिख कर दें। मुझे इस बात का ज्ञान नहीं

है। अगर अपेरेंटली कोई ऐसी वैसी गोली है जिस पर सख्त एतराज उठाया जा रहा है तो मैं आपसे रिक्वैस्ट करूंगा कि आप इन राइटिंग दें। मैं इस प्वायंट को एग्जामिन करूंगा कि वाकई ही कोई गोली ऐसी है अगर ऐसी बात हुई तो इसे * एक्सपंज किया जायेगा।

श्री सुरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, क्या आप खुद गोली खाकर एग्जामिन करेंगे या डाक्टर से एग्जामिन करवायेंगे। (व्यवधान)

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, बाबू जी भी तो उनकी कैबिनेट में मंत्री थे, वे ईमानदारी से बता दें कि क्या वे पांच मिनट के बाद भूल नहीं जाते थे ? (व्यवधान व भाोर)

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, आन ए प्वायंट आफ आर्डर। स्पीकर साहब, बड़ी अजीब सी सिचुए ान क्रिएट हो गई है, इन्होंने बाबू जी की ईमानदार पर सन्देह किया है। (व्यवधान) आप भी बाबू जी से लिख कर मांग रहे हैं। मुख्य मंत्री जी ने बाबू जी को कहा कि वे भी कैबिनेट में मन्त्री थे, उनको पता है। मैं मुख्य मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या ये उनकी कैबिनेट में मन्त्री नहीं रहे, इनको पता नहीं है ? (व्यवधान एवं भाोर) you must come straight forward. (व्यवधान) स्पीकर साहब, आप जांच कहां से करेंगे, क्या उनको बुलायेंगे ?

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, मैं जांच कहां से करूंगा या कहां से नहीं करूंगा। मेरा काम मेरे ऊपर छोड़िए। आप अपना काम अपने आप करें। मैं आपके काम के लिए आपको एडवाइस नहीं देता और मेरे काम के लिए कृपया आप मुझे एडवाइस न दें। जांच कहां से करूंगा, इसके लिए मैं अपनी तरफ से पूरी कोि ा ा करूंगा। अगर किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सका तो आपको बुलाकर भी पूछ लूंगा। (व्यवधान)

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैंने कई गोलियां खाई हैं ..... कम्पोज की गोली, कीबासूल भी खाई है (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कम्पोज की गोली खाना कोई जुर्म नहीं है। (व्यवधान)

डा0 मंगल सैनः मैं बीकासूल खाता हूं। (व्यवधान)

श्री कन्हैया लाल पोसवालः स्पीकर साहब, गोली को डा0 मंगल सैन से टैस्ट करवा लें। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप भी तजुर्बेकार आदमी हैं। मैं जो इन्क्वायरी करूंगा उसमें आपका भी सहयोग लूंगा।

वित्त मंत्री (लाला बलवनत राय तायल): स्पीकर साहब, जैन साहब आपको लिख कर दें। इसकी बजाये जो कुछ वे ईमानदारी से कह देंगे वही मान लें। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः यह बात तय हो गई है कि वे खुद लिख कर देंगे या कहंगे (व्यवधान)

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, यह बाबू जी को ईमानदारी पर भाकर करते हैं। (व्यवधान) मुख्य मंत्री ने हाउस में जो कुछ कहा है वह डैरोगटरी है। (व्यवधान)

Mr. Speaker: Now there is hardly half an hour left. I would request the Hon. Members to let the Leader of the House speak for 20 to 25 minutes withoug undue interruption. अगर इन्ट्रप ान करने की कोई जरूरी बात है तो जरूर की जाए लेकिन अनडयू इन्ट्रप ान न करें।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, बाबू मूल चन्द जैन और डा0 मंगल सैन जो दोनों सीनियर मैम्बर हैं। वे खुद मानते हैं और कहा करते थे कि इनको 5 मिनट के बाद कोई बात याद नहीं रहती। (व्यवधान)

Dr. Mangal Sein: I had never said this to him. This is wrong and he is making a wrong statement. He is making me a party. (Interrruptions)

श्री मूल चन्द जैनः ये अपनी बात कह रहे हैं। गवर्नर ऐड्रैस पर जो प्वायंटस रेज हुए हैं, आप उनका जवाद दें।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, मैं इस बात पर ज्यादा नहीं कहूंगा, मैं तो सिर्फ एक मिसाल दे रहा था ....

श्री अध्यक्षः यादापमज वाला प्वायंट बड़ा सैंसिटिव है। This appears to be sensitive, Therefore, I would request the Hon. Chief Minister not to rub it too hard.

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, वह बात बीच में ही रह गई। मैं कह रहा था कि एक दिन उन्होंने हरियाणा भवन में एक मीटिंग का टाईम फिक्स किया था और उसी वक्त कुछ आदमियों ने उनसे पूछा कि मीटिंग का क्या टाईम है। उन्होंने कहा था कि अढ़ाई तारीख को दो बजे। (व्यवधान) पता नहीं वे ** में थे या क्या बात थी, लेकिन यह हकीकत है।

श्री अध्यक्षः न ो वाली बात एक्सपंज कर दी जाए।

13.00 बजे

श्री प्रीत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा मुख्य मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि हरियाणा भवन में उस समय कौन कौन आदमी थे ? (ाोर)

राजस्व मंत्री (चौधरी भोर सिंह): अध्यक्ष महोदय, उस समय मैं और चौधरी लहरी सिंह वहां मौजूद थे (ाोर)

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, मैं इस सम्बंध में ज्यादा जिक्र न करते हुए इतना जरूर कहूंगा कि मेरे लोक दल के भाईयों ने जोर जोर से डिफैक ान के बारे में, खास करके श्रीमती इन्दिरा गांधी जी को क्रिटिसाइज किया। अध्यक्ष महोदय, मैं लोक दल के भाईयों से यह कहना चाहता हूं कि श्रीमती इन्दिरा गांधी

जी की मेहरबानी से चौधरी चरण सिंह प्रधान मंत्री बने थे और चौधरी चरण सिंह की कोठी पर इन्हीं लोगों ने श्रीमती इन्दिरा गांधी जिन्दाबाद, संजय गांधी जिन्दाबार के नारे लगाए थे।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं डिवैल्पमैंट के बारे में कुछ कहना चाहता हूं।

श्री बीरेन्द्र सिंह जी ने कहा कि मैंने 22 मांगों में से 21 मांगें मंजूर की हैं। वे मैंने इसलिए मंजूर की कि हमने स्टेट में डिवैल्पमैंट के कार्य करने हैं और लोगों की जो समस्याएं हैं उनका समाधान करना है। अध्यक्ष महोदय, अब मैं सदन का ध्यान प्रदे ा में जो सूखा पड़ा है, उसकी ओर दिलाना चाहूंगा। इस साल सारे दे ा में इतना भयंकर सूखा पड़ा है कि यदि आप 100 साल पहले का इतिहास उठा कर देखें, तो ऐसी मिसाल आपको नहीं मिलेगी। यह तो सब मानते हैं कि जो मैदानी इलाका होता है वहां बरसात कम होती है और पहाड़ों में ज्यादा होती है। लेकिन इस साल तो पहाड़ों में भी बरसात नहीं हुई। पहाड़ों में बरसात न होने के कारण हमारे जो डैम हैं उनमें भी पानी बहुत कम आया। उनमें भी पानी की सतह 60 फुट नीची है। पानी की सतह नीची होने की वजह से बिजली भी बहुत कम पैदा होती है। इसलिए नीचे फील्ड में बिजली की मांग बहुत ज्यादा बढ़ गई। इसके अलावा जो पम्पिग सैटस हैं वे भी डीजल से चलते हैं और ट्रैक्टर जिसे किसान खेती के काम के लिए इस्तेमाल करता है वह भी डीजल से चलता है। बिजली की कमी के कारण किसान ट्रैक्टर पर

पट्टा लगा कर पानी निकालता है लेकिन बदकिस्मती से डीजल की भी कमी हो गई। इसलिए हम भरसक प्रयत्न कर रहे हैं कि किसानों को ज्यादा से ज्यादा बिजली दी जाए और डीजल की कमी को देखते हुए हमने बार बार भारत सरकार को लिखा कि हमें डीजल का कोटा ज्यादा दिया जाए। जहां तक सूखे का ताल्लुक है इस बारे में भी हमने भारत सरकार को लिखा और भारत सरकार ने एक टीम भेजी जिसने हरियाणा के सूखाग्रस्त इलाके का सर्वे किया। उस टीम ने अपनी रिपोर्ट में लिखा कि हरियाणा में सूखे की वजह से कम से कम 100 करोड़ रुपए का नुक्सान हुआ है। इसको मद्देनजर रखते हुए हरियाणा प्रान्त को 15 करोड़ रुपए की बजाये हमें सिर्फ 4 करोड़ रुपए दिए। उसके बावजूद भी हमने अपने बजट में से 25 से 26 करोड़ रुपए तक की सबसिडी किसानों को खाद के लिए, बीज के लिए और चारे के लिए दी। इसके अलावा जिन किसानों की फसलें खराब हो गई उनका हमने 50 प्रति ात तक मालिया और आबियाना माफ किया। जहां तक डीजल की भाार्टेज का ताल्लुक है वह भाार्टेज केवल हरियाणा में ही नहीं बल्कि सारे हिन्दुस्तान में है। आज हिन्दुसतान में श्रीमती इन्दिरा गांधी के नेतृत्व में सरकार चल रही है। इस सरकार के आने के बाद इन समस्याओं का थोड़ा सा समाधान तो हुआ है लेकिन जितना होना चाहिए था उतना नहीं हो सका है। भारत सरकार में श्री पी0सी0 सेठी पैट्रोलियम मंत्री हैं। डीजल की ज्यादा सप्लाई करने के सम्बंध में उनसे एक दो बार मैं भी मिला हूं और नागर साहब भी मिले हैं। उन्होंने हमें बार बार यही

वि वास दिलाया है कि हरियाणा को हम ज्यादा डीजल का कोटा देने की कोि ा ा करेंगे। इसके अलावा बदरपुर पावर हाउस से हमें 8 लाख यूनिट बिजली मिलती है और उनसे हमने और ज्यादा बिजली मांगी है। उन्होंने हमें यह वि वास भी दिया कि हम आपको ज्यादा बिजली देने की कोि ा ा करेंगे लेकिन वहां के प्लांटस में खराबी आने की वजह से हमें पूरी बिजली नहीं मिल पाई। इसके बावजूद भी मैं अपने बिजली महकमे की तारीफ किये बगैर नहीं रह सकता क्योंकि उसके अधिकारियों और कर्मचारियों ने दिन रात मेहनत करके इस समस्या का समाधान करने की कोि ा ा की है। अध्यक्ष महोदय, हमने उपलब्ध बिजली में से कुछ हिस्सा इंडस्ट्रीज को भी दिया है और उसमें से ज्यादा हिस्सा किसानों को दिया है। अगर कोई यह कहे कि इंडस्ट्रीज का सारा हिस्सा काटकर किसानों को दे दिया जाए तो आप अन्दाजा लगा सकते हैं कि जो फैक्ट्रियों में वर्कर्ज काम करते हैं, वे बेकार हो जाएंगे। उनकी भी तो रोजी रोटी का सवाल है। इसलिए हमें सभी तरफ का ध्यान रखना पड़ता है। लेकिन फिर भी हमने प्राथमिकता किसानों को ही दी है और अब चूंकि किसानों की फसलें पकने वाली है इसलिए हमने फैसला किया है कि कुछ दिन के लिए चाहे हमें कारखाने बन्द रखने पडें लेकिन हम किसानों को बिजली जरूर देंगे ताकि उनका नुक्सान न हो।

अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से डीजल और मिट्टी के तेल की ब्लैक के बारे में यहां हाउस में जिक्र आया। इसके लिए भी

हम पग उठा रहे हैं। अगर इस मामले में, कोई भी आदमी चाहे वह कितना ही बड़ा क्यों न हो, गड़बड़ी करता पाया जाएगा तो उसे बख्भाा नहीं जाएगा। इसी सम्बंध में हमने प्रदे ा के 206 केस दर्ज किये हैं और आगे भी हम सख्त से सख्त चैंकिग करवा रहे हैं तोकि कोई इस प्रकार की गड़बड़ी न होने पाये। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, कुछ माननीय सदस्यों ने कहा कि बिजली की वोल्टेज कम होने की वजह से किसानों के टयूबवैल्ज की मोटरें खराब हो जाती हैं। यह बात मैं भी मानता हूं कि मोटर खराब हो जाती हैं लेकिन चौधरी देवी लाल जी और श्री वीरेन्द्र सिंह जी हरियाणा में 2 साल तक सरकार में रहे। उस दौरान उन्होंने प्रदे ा में बिजली का एक तार भी नहीं खींचा और न ही कोई सब स्टे ान बनाया जिससे बिजली की प्रोडक ान बढ़ सकती। अध्यक्ष महोदय अब आप ही बतायें कि बिना किसी तार खींचे और बिना किसी सब स्टे ान बनाये बिजली की प्रोडक ान कैसे बढ़ सकती है ? उस समय चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी सिंचाई तथा बिजली मंत्री होते थे वह यहां हाउस में बैठे हैं। इनसे पूछ लो यदि इन्होंने बिजली का कोई तार भी खींचा हो। अब ये दोश उलटा हमारी सरकार को दे रहे हैं।

जिस दिन मैं मुख्य मंत्री बना, आज से नौ महीने पहले, सबसे पहले मैंने पानी के बारे में सोचा। मैंने अधिकारियों से पूछा कि एस0वाई0एल0 चैनल का क्या किया ? आज ये इत तरह की बात करते हैं। यही नहीं, अध्यक्ष महोदय, जिस दिन मैं चौधरी देवी

लाल जी की कैबिनेट में भाामिल हुआ उस दिन भी सबसे पहले मैंने यही प्वायंट उठाया था कि आप मेहरबानी करके एस0वाई0एल0 चैनल का फैसला करें। मैंने उनसे कहा कि बादल साहब की दोस्ती में आप हरियाणा के हितों के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। (विघ्न) चौधरी देवी लाल जी ने इसी जगह से खड़े होकर कहा था कि 31 मार्च 1978 को एस0वाई0एल0 चैनल का उदघाटन होगा। आपको याद होगा कि उन्होंने यह भी कहा था कि प्रका ा सिंह बादल जी समारोह की अध्यक्षता करेंगे और मैं (चौधरी देवी लाल) एस0वाई0एल0 चैनल का उदघाटन करूंगा लेकिन उसके बाद वे आराम से सो गए और आज हरियाणा का किसान एक एक बूंद पानी के लिए तरह रहा है। 35 लाख एकड़ भूमि को सिंचिज करने के लिए जितना पानी चाहिए, यानी साढ़े तीन मिलियन एकड़ फीट पानी जिस प्रदे ा को मिलना हो उस प्रदे ा का मुख्य मंत्री बादल साहब की दोस्ती के कारण जरा सी भी सख्ती के साथ बात न करे, यह कितनी हैरानी की बात है। उसके बाद जब मैंने उनको उनके वायदे की याद दिलाई तो उन्होंने मुझे कहा कि मेरी तो प्रधान मंत्री से कम पटती है। आप ही उनसे बात कर लो। मैंने उनकी चार पांच मीटिंग्ज प्रधान मंत्री से करवाई। (विघ्न) पंजाब हमारा बड़ा भाई है लेकिन बड़ा भाई होने के बावजूद भी वह छोटे भाई के साथ कुछ न कुछ ज्यादती करता आया है। पंजाब को चाहिए था कि हरियाणा प्रान्त को जहां आबपा ाी 40 परसैंट है जबकि पंजाब में 80 परसैंट है वह पानी दे देता क्योंकि वह स्वयं उस पानी का इस्तेमाल नहीं कर रहा है बल्कि वह सारे का सारा

पानी 8 मिलियन एकड़ भूमि को सिंचित करने के लिए जितना पानी चाहिए उतना पानी पाकिस्तान को जा रहा है। कितनी हैरानी की बात है कि इन हालात में भी बड़ा भाई छोटे भाई को नहर नहीं बनाने दे रहा है। इन हालात में मैं तो भारत सरकार से प्रार्थना करूंगा कि यह मामला अपने हाथ में लेकर वह इस काम को करे। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय यही नहीं पंजाब के भाई केस को सुप्रीम कोर्ट में ले गए। 29 मार्च की तारीख लगी हुई है। पंजाब सरकार ने कुछ प्वायंटस का जवाब देना है। उसके बाद पन्द्रह दिन में हरियाणा सरकार ने जवाब देना है। उसके बाद बहस भुरू होगी। अभी इसमें कितने दिन लगते हैं, कुछ कहा नहीं जा सकता लेकिन मुझे भरोसा है कि भारत सरकार के माध्यम से एस0वाई0एल0 चैनल का काम हम बहुत जल्दी भुरू करेंगे ताकि हरियाण का पानी हरियाणा को मिले।

अध्यक्ष महोदय, यहां बिजली का भी जिक्र आया। पानीपत का थर्मल प्लान्ट 1977 में चालू होना था लेकिन नहीं हुआ और ये पता नहीं कहां सोए रहे ? इन्होंने थर्मल प्लांट को चलाने के बारे में एक भी स्टैप नहीं उठाया। मैंने मुख्यमंत्री बनते ही मिस्टर खन्ना को बिजली बोर्ड का नया चेयरमैन लगाया। उनके और उनके इंजीनियर्ज के साथ मीटिंग की। मैंने जब उनके इंजीनियर से पूछा कि यह कब तक चालू हो जायेगा तो उसने कहा कि कम से कम डेढ़ साला और लगेगा। मैंने कहा कि यह बर्दा त करने लायक बात नहीं है। मेहरबानी करके आप रात दिन

काम चलाएं और इस यूनिट को जल्दी से जल्दी चालू करें। मैं चेयरमैम्न, बिजली बोर्ड को और उनके अधिकारियों को बधाई देता हूं कि उन्होंने रात दिन काम चला करके इस थर्मल प्लांट का उदघाटन पहली नवम्बर 1979 को हमारे दे ा के राश्ट्रपति श्री नीलम संजीवा रेड्डी द्वारा करवाया। इसके अलावा हम यमुनानगर में 800 मैगावाट का एक थर्मल प्लांट लगाने जा रहे हैं। (विघ्न)

श्री वीरेन्द्र सिंहः क्या यह यमुनानगर वाली योजना भी आपने बनाई है ?

चौधरी भजन लालः इसी तरह से फरीदाबाद में 60 मैगावाट और यमुनानगर में 64 मैगावाट बिजली तैयार करने वाले यूनिटस का काम सन् 1982–83 तक पूरा कर दिया जाएगा। 440 मैगावाट कैपेसिटी के पानीपत के थर्मल यूनिट्स भी 1983–84 तक पूरे कर दिए जाएंगे। नाथपा झाकड़ी प्रोजैक्ट के बारे में हमने हिमाचल सरकार के साथ नया ऐग्रीमैंट किया है जो प्रान्त के लिए बहुत लाभदायक है। ये सारी योजनाएं जब कम्पलीट हो जाएंगी तो मैं समझता हूं कि इस प्रान्त में बिजली की क्षमता 300 मैगावाट तक पहुंच जाएगी जो कि इस प्रानत में एक रिकार्ड होगा। उसके बाद न किसी इंडस्ट्री के लिए और न किसी किसान के लिए बिजली की कमी रहेगी। (प्र ांसा) इस समय अध्यक्ष महोदय हमारे राज्य में 2 लाख से अधिक टयूबवैल्ज चल रहे हैं। हमने 2 अक्तूबर 1979 को एक अभियान भ्रारू किया था और उस अभियान

के तहत पांच महीनों में पन्द्रह हजार टयूबवैल्ज को बिजली के कनैक ान दिए। (प्र ांसा)

अध्यक्ष महोदय, कृशि उत्पादन के बारे में भी यहां बड़ी चर्चा की गई। इसमें दो राय नहीं कि सूखा पड़ने से बड़ी दिक्कत आई है लेकिन फिर भी हमने 60 लाख टन का लक्ष्य रखा जो कि एक रिकार्ड है और 21 लाख टन कमी वाले प्रदे ाों के लिए सैन्ट्रल पूल में दिया यह भी एक रिकार्ड है। (प्र ांसा)

सहकारिता के क्षेत्र में वर्श 1979–80 के दौरान 123 करोड़ रुपये के सरकारी ऋण किसान भाइयों को दिए गए जबकि 1978–79 में 110 करोड़ रुपये के दिए गए थे। यह भी एक रिकार्ड है। (प्र ांसा) ब्याज की दर भी 11 परसैंट से घटाकर साढ़े दस परसैंट कर दी गई है। हमने यह भी फैसला किया है कि सस्ती चीजें गांव गांव में हर घर तक पहुंचे। जिस गांव की आबादी दो हजार है उसमें उपभोक्ता भंडार बहुत जल्दी खोलेंगें ताकि डीजल मिट्टी का तेल और दूसरी आव यक चीजें किसानों को ठीक दामों पर मिल सकें। तो इस तरह से हम किसानों को इस दि ाा में भी पूरी राहत देने की भरसक कोि ा ा कर रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय, ला एंड आर्डर के बारे में भी यहां जिक्र किया गया। ला एंड आर्डर का जहां तक ताल्लुक है आज हरियाणा प्रान्त की पुलिस पर सारे दे ा को गर्व है। हमारी पुलिस

को जितनी बधाई दी जाए उतनी थोड़ी है क्योंकि आज प्रदे ा में ला एंड आर्डर की कोई प्रौब्लम नहीं। छुट पुट घटनाएं तो होती रहती हैं। (विघ्न) यह ला एंड आर्डर की प्रौब्लम किसने खड़ी कर रखी है ? यह लोक दल के भाइयों ने खड़ी कर रखी है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, आपको याद होगा कि इलैक ान के दिनों में जातिवाद का जहर दे ा में फैला कर गरीब आदमियों को किस तरह दबाया गया। जातिवाद का जहर फैला कर गरीब आदमियों को कुचलने की कोि ा ा की गई। हमारे नोटिस में है कि गरीब आदमियों को वोट तक डालने नहीं दिया गया। (विघ्न) खुद अपने हाथों से वोट डाले गए उन्हें पोलिंग स्टे ांज तक नहीं आने दिया गया, इसमें कोई दो राय नहीं। (विघ्न)

श्री मूल चन्द जैनः फरीदाबाद में गोलियां भी हमने चलाई होंगी ? (ाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, अब ये कहते हैं कि सरकार आपकी थी, वोट क्यों नहीं डलवाए ? कुछ जगह हमने थोड़ी बहुत कार्यवाही की। अगर ज्यादा करते तो ये हमारे ऊपर इल्जाम लगा देते कि भजन लाल की सरकार या उनके साथी हमारे साथ ज्यादती और जुल्म कर रहे हैं। लेकिन फिर भी मैं कहूंगा कि किसी को कानून अपने हाथ में लेने की इजाजत नहीं दी जायेगी चाहे वह कितना ही बड़ा आदमी क्यों ने हो। हर गरीब आदमी की रक्षा करना सरकार का फर्ज है। (प्र ांसा) जो हरिजनों

के साथ पिछड़े हुए वर्ग के साथ ज्यादती करेगा, उस आदमी के साथ सख्ती से निपटा जाएगा। (प्र ांसा)

जहां तक फरीदाबाद के इंसिडैन्ट का ताल्लुक है, आप जानते हैं कि वहां ला एंड आर्डर की प्रौब्लम सी0टी0यू0 और बी0एम0एस0 वर्कर्ज ने पैदा की थी। (विघ्न) भाटिया साहब ने कुछ नहीं किया। (ाोर) हां, हां मैं कहता हूं कि वह भी कर रहे हैं। (विघ्न) आपकी सिफारि ा की आव यकता नहीं। उस केस की हम जांच करवा रहे हैं। हमें पता चला है कि भाटिया जी निर्दोश हैं और इनके खिलाफ जो केस हैं उन्हें वापिस ले लिया जायेगा। मैं यह हाउस में कहता हूं (विघ्न)

श्री दीप चन्द भाटियाः अध्यक्ष महोदय आन ए प्वायंट आफ आर्डर अर्ज यह है कि * * * * *

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, जो कुछ इन्होंने कहा है यह ऐक्सपंज कर दिया जाए।

श्री अध्यक्षः यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है। यह कुछ भी नहीं लिखा जाएगा।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आप फौज में रहे हैं, आपको पता है कि अनु ाासन में रहना बहुत आव यक है। अगर अनु ाासन में नहीं रहेंगे तो कैसे काम चलेगा। पुलिस लोगों की सुरक्ष0ा नहीं करेगी तो किसी भी नागरिक की सुरक्षा या उसकी इज्जत सेफ नहीं रह सकती है। फरीदाबाद का यहां हाउस

में जिक्र आया। फरीदाबाद के अन्दर एक सब इंस्पैक्टर को लोगों ने डंडे से पीटा। उसको डले और पत्थर मार मार कर मार दिया। कितने ही सिपाही वहां पत्थरों और डलों से घायल हुए। इसलिए पुलिस को मजबूर होकर गोली चलानी पड़ी। गोली से नौ आदमी मारे गये लेकिन जब इतने आदमी इकट्ठे होकर झगड़े पर उतारू हो जायें और पैट्रोल पम्प को आग लगायें, दफतरों को आग लगायें और भाहर को आग लगाने पर आमदा हो जाएं तो पुलिस के पास गोली चलाने के सिवा कोई चारा नहीं रहा। स्पीकर साहब, जब एक सब इंस्पैक्टर मारा गया हो और कितने ही सिपाही घायल हो गये हों तो इन हालात में क्या पुलिस खड़ी देखती रहेगी ? यहां पर कहा गया है कि जो व्यक्ति मरे हैं उनके लिए दस दस हजार रुपये मुआवजे का एलान किया था। मैं उन भाइयों से यह पूछना चाहता हूं कि जो आदमी कानून को अपने हाथ में ले तो क्या उसको ईनाम दिया जायेगा ? कौन उसको ईनाम देगा ? मैजिस्ट्रेट इन्कवायरी कर रहा है उसमें जो व्यक्ति निर्दोश पाये जायेंगे और वे गोली से घायल हुए होंगे या मारे गये होंगे तो उनको मुआवजा देंगे। अभी तक मैजिस्ट्रेट की रिपोर्ट नहीं आयी है, जब रिपोर्ट आ जायेगी तो आगे कार्यवाही होगी। मेरी भी उनके साथ पूरी हमदर्दी है। उनमें कुछ ऐसे गरीब आदमी भी थे जिनको भड़का कर ऐसा वातावरण पैदा किया गया। जिन लोगों ने कानून को अपने हाथ में लिया, उन पर गोल चलानी पड़ी। मुझे बड़ा खेद है कि ऐसा करना पड़ा लेकिन कानून और व्यवस्था को ठीक रखने के लिए सरकार को ऐसी बात करनी पड़ती है।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्षः मैं हाउस की सैन्स लेना चाहता हूं कि हाउस का टाईम बढ़ाया जाये या नहीं। अभी मुख्यमंत्री जी ने भी और बोलना है और डेढ़ बजने में थोड़ा सो समय बाकी है। मुख्यमंत्री जी कै बोलने के बाद वोटिंग भी होनी है। यदि मैम्बर साहेबान चाहें तो हाउस का टाईम बढ़ाया जा सकता है।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): स्पीकर साहब आधा घन्टा बढ़ा दिया जाये।

आवाजें: ठीक है जी, हाउस का समय आधा घंटा बढ़ा दिया जाये।

Mr. Speaker: Sitting is extended by half and hour.

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, यहां हाउस में खानपुर और डहिने के बाबरियों का भी जिक्र किया गया। खानपुर में एक आदमी चरस बेचता था। वह दस नम्बर का बदमा ा था। उसको कई बार सजा भी हो चुकी थी। पुलिस को पता चला कि उसके घर में चरस रखी हुई है। इसलिए उसके पर रेड किया गया। जब वहां पर पुलिस का ए0एस0आई0 गया तो उसको पीटा

गया और उसका रिवाल्वर छीन लिया गया। अगर ऐसी हालात में भी पुलिस कार्यवाही नहीं करेगी तो क्या पुलिस पिटती रहे और जनता अनु ाासन भंग करती रहे ?

श्री मूल चन्द जैनः लेडीज को क्यों पीटा गया ?

चौधरी भजन लालः लेडीज ने उसको पीटा था और उन्हौंने ही रिवाल्वर छीना था। डहिने के बाबरियों का भी जिक्र आया। इस केस में मुकद्दमा दर्ज कर दिया गया और तहकीकात जारी है। इस केास में जो आदमी भी दोशी मिलेगा उसे पूरी सजा दी जायेगी। इसी प्रकार से श्री बलदेव तायल जी ने हांसी के कताई मिल का जो हैफ्ड की तरफ से लगाया हुआ है, जिक्र किया। वहां आपस में वर्कर्ज में झगड़ा हो गया था। हो सकता है कि वर्कर्ज के झगड़े में किसी औरत के साथ ज्यादती की गयी हो। मैं हाउस को बताना चाहता हूं कि हमने वहां पर 11 मुकद्दमें बनाये हैं और 75 आदमियों को गिरफ्तार किया है। जो आदमी भी कसूरवार मिलेगा उसको सख्त सजा दी जायेगी। बड़ोपल के सरपंच का भी जिक्र किया गया कि उसको कत्ल कर दिया गया। वहां का सरपंच निहायत ही भारीफ आदमी था। मैं भाोक प्रकट करने के लिए उसके घर भी गया था। जिस आदमी ने कत्ल किया था उसको अगले दिन ही गिरफ्तार किया गया। जिन जिन आदमियों का इस कत्ल में हाथ है उनको माफ नहीं किया जायेगा। गोहाने के अन्दर एक लड़की का कत्ल हुआ। उसकी

तफती ा जारी है, उसमें जो आदमी भी कसूरवार मिलेगा उसको माफ नहीं किया जायेगा।

श्री मूल चन्द जैनः उस लड़की के मरने के बाद भी तीन दिन तक पोस्टमार्टम क्यों नहीं किया गया ?

चौधरी भजन लालः उस लड़की के वारिस चाहते थे कि पोस्टमार्टम हमारे सामने होना चाहिये। जब उसके वारिस आ गये तो पोस्टमार्टम हुआ।

श्री मूल चन्द जैनः उसके मां बाप तो आ गये थ ?

चौधरी भजन लालः वारिस दूसरे भी तो हो सकते हैं। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने चौधरीवास के कत्ल का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि चौधरीवास में हरिजन का कत्ल हुआ है। उसमें गिरफ्तारी हो चुकी है। तफती ा जारी है। बाकायदा डी0एस0पी0 इन्क्वायरी कर रहा है। जो भी आदमी दोशी पाया जायेगा, उसको माफ नहीं किया जायेगा। रिवाड़ी का भी जिक्र आया। रिवाड़ी में कुछ वकीलों ने डी0सी0 को थरैट किया। यह कैसे हो सकता है कि एक वकील डी0सी0 को थरैट करे और यहां तक भी किया कि एक वकील ने तो डी0सी0 को थप्पड़ भी चलाया। कोई आदमी डी0सी0 पर थप्पड़ चलाये तो फिर क्या उसको माफ किया जायेगा ? जो व्यक्ति कानून को अपने हाथ में लेने की कोि ा ा करे उसको माफ नहीं किया जायेगा।

स्पीकर साहब, वाटर सप्लाई के बारे में कई सदस्यों ने जिक्र किया। गत वर्श सरकार ने साढ़े सात करोड़ से बढ़ कर साढ़े करोड़ रुपया वाटर सप्लाई पर खर्च करने का निर्णय किया। इस साल 180 गांवों को पीने के पानी की सुविधा मिलेगी और अगले साल सन् 1980–81 में 135 गांवों में पीनें के पानी की योजना बनायी है।

इसी प्रकार से सड़कों की पोजी ान है। दिसम्बर सन् 1980 तक यानी नौ महीने में हरियाणा प्रांत का सिवाए खादर के इलाके के कोई भी ऐसा गांव नहीं रहेगा जिसको सड़क के साथ नहीं जोड़ा जायेगा। खादर के इलाके में कुछ बड़े बड़ै पुल बनाने पड़ते हैं। इसलिए वहां पर सड़क बनाने में बहुत टाईम लगेगा। हमने फैसला किया है कि जिस गांव की आबादी 250 की और पहाड़ी इलाके में 150 की है उसको सड़क के साथ जोड़ दिया जायेगा।

उप श्रम मंत्री (चौधरी लाल सिंह): स्पीकर साहब, मैं आज तक नहीं बोला और न ही बोलना चाहता था लेकिन मेरे से रहा नहीं गया क्योंकि मेरा सारा इलाका पहाड़ी इलाका है और आज से पहले किसी भी चीफ मिनिस्टर ने यह फैसला नहीं किया था कि 150 की आबादी वाले गांवों को भी सड़कों से मिलाया जायेगा। यह इस सरकार ने ही ऐलान किया है।

चौधरी भजन लालः इसी तरह से समाज का जो पिछड़ा वर्ग है यानी जो हमारे बाल्मीकी भाई हैं, उनकी तन्खाहें हमने 50 रुपये बढ़ायी हैं ताकि वे गरीब भी अपना ठीक तरह से गुजारा कर सकें और अपना सुखी जीवन बिता सकें। जो गरीब आदमी कारखानों में काम करते थे उनको पहले छः रुपये रोज मजदूरी मिलती थी लेकिन अब इस सरकार ने आठ रुपये मजदूरी कर दी है। यानी साठ रुपये महीने के हिसाब से उनकी तन्खाहें बढ़ायी गयी हैं ताकि वे भी अपने बच्चों का ठीक तरह से गुजारा कर सकें और अपना रहन सहन ऊंचा कर सकें।

स्पीकर साहब, जो हमारा पहले बीस सूत्रीय कार्यक्रम था जिसको आज से अढ़ाई साल पहले बन्द कर दिया था, उसको अब हम नये सिरे से भाुरू कर रहे हैं। हरियाणा प्रान्त पहला प्रांत होगा जिसमें सबसे पहले यह प्रोग्राम चालू होगा। जहां तक रोजगार देने की बात है उसके बारे में सरकार पूरी कोि ा ा कर रही है।

इसी तरह से यहां पर पे कमी ान की रिपोर्ट की भी बात आयी। हरियाणा पहला प्रांत है जिसने इतनी जल्दी पे कमि ान की रिपोर्ट को लागू किया है। पंजाब और दूसरे प्रांतों को आप देखें तो वहां पर एक एक साल रिपोर्ट को पढ़ने में ही लग गया। हमें ज्यों ही रिपोर्ट मिली हमने एक कमेटी चीफ सैक्रेटरी की अध्यक्षता में बनायी। वह कमेटी एक एक बात को देख रही है। जिस विभाग के इम्पलाइज के साथ बे इंसाफी हुई होगी

उसके साथ इन्साफ किया जायेगा। पे कमी ान की रिपोर्ट तीन महीने में सारे प्रांत में लागू कर दी जायेगी।

स्पीकर साहब, डाक्टर मंगल सैन जी ने न ाबन्दी के बारे में ड्राई डेज का जिक्र किया। ड्राई डेज उतने ही रहेंगे जितने पहले थे। न ाबन्दी के बारे में हमारा भी यही विचार है कि यह होनी चाहिए लेकिन अगर अकेला हरियाणा प्रान्त करना चाहे तो नहीं हो सकती। जब तक सारे दे ा में मुकम्मल तौर पर न ाबन्दी नहीं होगी तब तक अकेले हरियाणा के अन्दर बन्द कर देने से काम चलने वाला नहीं है। हमने कोि ा ा करके देखी थी परन्तु हमारे यहां पंजाब, राजस्थान और हिमाचल प्रदे ा से इतनी अधिक मात्रा में नाजायज भाराब आयी जिससे हमारी स्टेट के रैवेन्यू पर बड़ा असर पड़ा और ला एंड आर्डर की स्थिति भी खराब हुई। (ाोर) (चौधरी सतवीर सिंह मलिक की ओर से विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं चौधरी सतवीर सिंह मलिक की बात यहां पर नहीं करना चाहता, वे नाराज होंगे। लेकिन जब इनके पास एक्साइज एंड टैक्से ान का महकमा था तो इनकी वजह से प्रान्त को साढ़े बारह करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। प्रान्त को नुकसान इसलिए हुआ कि उनकी प्लानिंग गलत थी और ठेके अपनी मर्जी से अलाट करने आरम्भ कर दिये। (ाोर)

श्री अध्यक्षः बीच में न बोलें आपको बाद में समय मिलेगा। (ाोर)

श्री मूल चन्द जैनः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। मैं जानना चाहता हूं कि यह जो फैसला था यह कैबिनेट का फैसला था या अकेले चौधरी सतवीर सिंह जी का था ? (ाोर)

चौधरी भजन लालः बाबू जी, हाउस में खम्भे पर लिखा हुआ कि हाउस में या तो बोले नहीं, अगर बोले तो सच बोलें। ये गलत बोल रहे हैं। (ाोर)

श्री मूल चन्द जैनः यह कैबिनेट का फैसला था। (ाोर)

चौधरी भजन लालः बाबू जी, आपने खुद मुझ से कहा था कि चौधरी सतवीर सिंह जी ने गलत पालिसी बनायी है। यह भी आपने कहा था कि इसमें घपता हुआ है। (ाोर)

श्री मूल चन्द जैनः यह गलत बात है। (ाोर)

चौधरी भजन लालः आपने मुझसे कहा था। मैं यह आन ओथ कहता हूं कि आपने मुझे कहा था कि यह गलत पालिसी बनायी है। 60 एम0एल0एज0 ने दस्तखत करके दिये उसमें आप के भी दस्तखते थे। (ाोर)

श्री मूल चंद जैनः वह कैबिनेट का फैसला था, अकेले चौधरी सतवीर सिंह का नहीं था। (ाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, चौधरी हरस्वरूप बूरा जी ने बड़े अच्छे रचनात्मक सुझाव दिये हैं उन सुझावों को हम जरूर इम्पलीमैंट करने की कोि ा ा करेंगे। स्पीकर साहब,

बाबू मूल चंद जैन जी बड़े पुराने और सीनियर एम0एल0ए0 हैं। उनकी मैं बड़ी इज्जत करता हूं। उन्होंने यहां पर लोक दल का चुनाव घोशणा पत्र पढ़ कर सुनाया। इस लोकदल को लठ दल भी कहते हैं (ाोर) जिस तरह से लोक लद के घोशणा पत्र को जनता ने कन्डैम किया ऐसी मिसाल दुनियां में कहीं नहीं मिलेगी। स्पीकर साहब, इतना ही नही आज तक कोई भी जो प्रधान मंत्री रहा हो, इतने कम सदस्य लेकर नहीं आया। जिस लोक दल के मैनिफैस्टों को जनता ने बुरी तरह से कन्डैम किया, उसको बाबू मूल चंद जैन जी यहां हाउस में लहरा रहे थे। इससे गलत बात और कोई नहीं हो सकती है। (ाोर)

श्री मूल चंद जैनः आपने भी तो कांग्रेस का मैनिफैस्टों नहीं पढ़ा ?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, हमारे साथी उदय सिंह दलाल ने भी कुछ अच्छे सुझाव दिये हैं। उन्होंने दुलहेड़े के सरपंच की सस्पैं ान का जिक्र किया। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ सरपंचों को बदले की भावना से सैस्पैड किया गया है। हमने ऐसी भावना से कोई भी सरपंच सस्पैंड नहीं किया। जिस जिस सरपंच की इन्कवायरी की है और वे उस इन्कवायरी में दोशी पाये गये होंगे तभी उन्हें सस्पैंड किया गया होगा। हर आदमी को इंसाफ दिया जायेगा। अगर किसी को नाजायज सस्पैंड किया गया होगा तो हम जांच करेंगे और अगर उसका कोई फाल्ट न मिला तो उसको बहाल किया जायेगा। मैं सुशमा जी का भी आभारी हूं

कि उन्होंने साहित्य अकादमी के बारे में कुछ सुझाव दिये हैं, उन पर भी हम गौर करेंगे। (ाोर) जो भी ठीक बात होगी वह हम करेंगे।

अध्यक्ष महोदय, आपको यह जानकर हैरानी होगी कि आज तक किसी भी सरकार ने मेवात के इलाके के विशय में नहीं सोचा था। हमने मेवात इलाके की कठिनाईयों को ध्यान में रखते हुए मेवात बोर्ड की स्थापना की है ताकि वहां पर पिछड़ापन है उसको दूर किया जा सके। हमने इस बोर्ड का गठन इसलिए किया है कि वहां पर कैसे इन्डस्ट्री लगाी जाये, कैसे पानी का प्रबन्ध किया जाये और कैसे ि ाक्षा का प्रबन्ध किया जाये ताकि मेवात के पिछड़े इलाके के लोगों को पूरी राहत मिल सके। सरकार अपनी ओर से इस क्षेत्र के लोगों को ऊपर उठाने के लिए पूरी पूरी कोि ाश करेगी।

इसके अलावा ब्रिगेडियर रण सिंज जी ने भी कुछ सुझाव दिये हैं उन पर भी सरकार विचार करेगी। हरियाणा का जो दिल्ली के आसपास चालीस मील का एरिया है उन्होंने उसमें सब्जियां उगाने के बारे में सुझाव दिया है। यह बड़ा अच्छा सुझाव है इस बारे में जरूर कोि ा ा करेंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात जरूर कहूंगा कि डाक्टर मंगल सैन जी ने मुझे चैलेनज किया कि मिनिस्टर जो ग्रांटस देकर आये थे वे कैन्सिल कर दी गई है। पहलें इन्होंने जो ग्रान्टस दी उसका भी रिकार्ड है और अब जो दी हैं उसका भी रिकार्ड है। स्पीकर साहब, 22 जनवरी को हमने

कांग्रेस (आई) में विलय किया था। 22 तारीख की भााम को मैंने इनसे इस्तीफा मांगा था। (ाोर)

डा0 मंगल सैनः आप हमारा इस्तीफा मांगने वाले कौन होते थे ? हमने खुद इस्तीफा दिया था। (ाोर)

चौधरी भजन लालः मैं चीफ मिनिस्टर था तो आपने मुझे ही इस्तीफा देना था। (ाोर) ये तो वही बात चाहते थे जैसे चौधरी देवी लाल जी ने इनके साथ की थी लेकिन मैं बड़ी मर्यादा, में रहा और मैंने आप लोगों से इस्तीफा मांगा था। डाक्टर मंगल सैन ने 23 तारीख को 45 हजार रुपये की ग्रांट बांटने का एलान कर दिया। 22 तारीख की भााम को मैंने इस्तीफा मांगा है और 23 तारीख को ग्रांट देते हैं और 25 तारीख को यह फाइल जो मैरे हाथ में है हमारे कार्यालय में पहुंची है। यह रिकार्ड की बात है कि 22 तारीख को इस्तीफा मांगा गया और 23 तारीख को ये दस्तखत करते हैं। (ाोर)

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, क्या इनकी स्पीच खत्म होनै के बाद मुझे भी स्पश्टीकरण का मौका दिया जायेगा क्योंकि मैं भी रिकार्ड की बात हाउस को बताऊंगा।

श्री अध्यक्षः आपको भी मौका मिलेगा।

चौधरी भजन लालः मैं हाउस का ज्यादा समय न लेते हुए इन भाब्दों के साथ सदन से प्रार्थना करता हूं कि राज्यपाल

महोदय ने जो अभिभाशण दिया है उसको सर्व सम्मति से पास करके धन्यवाद का प्रस्ताव उनको भेजा जाये।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण

(1) डा0 मंगल सैन द्वारा

Dr. Mangal Sein: Speaker Sahib, I may not be given time on personal explanation.

Mr. Speaker: I will give you time at the end. Now I cannot give you time. Please do not interrupt.

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, आप तो कमाल की बात कर रहे हैं ..... (व्यवधान एवं भाोर)

Mr. Speaker: The discussion on the Governor's Address is closed. I will now put the amendments and the motion to the vote of the House. There will be nothing else. You will get sufficient opportunity to explain your position.

चौधरी सतवीर सिंह मलिकः स्पीकर साहब, आपने तो उस वक्त यह कहा था कि आप बाद में टाईम देंगे ..... (व्यवधान एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः अभी 15 दिन तक सै ान और चलना है। (व्यवधान व भाोर) यह प्वायंट 10 दिन से चल रहे हैं। यह नहीं कि आज ही भाुय हुए हों। (व्यवधान व भाोर) अच्छा एक मिनअ के

लिये डाक्टर साहब पर्सनल एक्सपलेने ान दे लें और एक मिनट के लिये सतवीर सिंह मलिक दे लें। Then the amendments and the motion of Thanks will be put to the vote of the House.

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, फिर मुझे भी आपको दो मिनट देने पडेंगे।

डा0 मंगल सैनः अगर मैं कोई एलीगे ान लगाऊंगा तब ही तो आपको समय देना पड़ेगा। स्पीकर साहब, मैं यह कहना चाहता हूं कि ये जो डिस्क्री ानरी ग्रांटस मैंने दी है, इनकी अनाउन्समैंट मैंने काफी पहले की हुई थी। किस दिन मैंने यह एक्चुअली की थी, वह डेट मुझे याद नहीं है। .... (ाोर एवं व्यवघान)

श्री अध्यक्षः आपका कहना यह है कि आपने इन ग्रांटस की पहले अनाउन्समैंट की हुई थी। 45 हजार रुपया इकट्ठा ही कैसे दे दिया ?

डा0 मंगल सैनः सर, मैंने जो कमिटमैंट की हुई थी, उसको पूरा किया था।

श्री सुरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मैं इस बात पर आपकी रूलिंग चाहंगा और सरकार से भी यह चाहूंगा कि वह भी इस बात पर गौर करें कि जो वजीर 22 तारीख को वजीर नहीं रहा, 23 तारीख को अगर किसी गवर्नमैंट फाईल पर अपने दस्तखत कर दे तो क्या वह आफैन्स बनता है ?

Dr. Mangal Sein: I do not remember exactly the date on which the discrtionary grant was released. (Interrupions)

स्पीकर साहब, वह तो अभी बच्चा है उसको इसका पता नहीं है। स्पीकर साहब, मैंने जो अनाउन्समैंट की थी, वह पहले की हुई थी। बाद में मैंने वह दी हैं। मुझे एग्जैक्ट डेट याद नहीं कि कब मैंने वह दी थी। मैंने उसका कोई मिसयूज नहीं किया है। स्पीकर साहब, तब जनता पार्टी की गवर्नमैंट थी। जब इन्होंने दल बदला तो हम इनको छोड़ कर चले आये। ..... (व्यवधान व भाोर)

चौधरी भजन लालः इनसे तंग आकर आज बाबू जगजीवन राम जी भी छोड़ गये हैं।

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, इनकी मिली भगत थी। बाबू जगजीवन राम ने इनसे यह कहा था कि तुम जाओ, मैं बाद में आऊंगा।

(2) चौधरी सतवीर सिंह मलिक द्वारा

चौधरी सतवीर सिंह मलिकः स्पीकर साहब, अभी मुख्यमंत्री जी ने गवर्नर साहब के एड्रैस पर हुई बहस का जवाब देते हुए यह कहा कि साढ़े बारह करोड़ रुपये का लास गलत एक्साईज पालिसी की वजह से हुआ। स्पीकर साहब, आपको भी याद होगा, उस समय कैबिनेट में आप भी मेरे साथ थे। जो उस

वक्त पालिसी थी, वह कैबिनेट के सामने लायी। आपके सैक्रेट्रीज़ यहां पर बैठे हैं। आप फाईल मंगवाकर मेरी नोटिंग देखी लीजिये। फाईल पर मेरी बाकायदा नोटिंग है। मैं यह नहीं चाहता था कि इसी तरह से यह औक ान हो। कैबिनेट में जब यह मामला गया तो उस समय तीन आदमियों की एक कमेटी बनायी गयी थी, उसमें डाक्टर मंगल सैन, श्री वीरेन्द्र सिंह और मैं भाामिल थे। फाइनैंस सैक्रेटरी और एक्साईज सैक्रेटरी भी उसके मैम्बर थे। (व्यवधान व भाोर)

Mr. Speaker: Mr. Satvir Singh Malik, please sit down when I am on my legs. (Interruptions)

आर्डर प्लीज। मैं इतना ही कह सकता हूं कि मैं भी उस समय कैबिनेट में मौजूद था। यह कैबिनेट का फैसला था। श्री सतवीर सिंह मलिक, एक्साईज एण्ड टैक्से ान मिनिस्टर का अकेले का फैसला नहीं था। (व्यवधान व भाोर)

डा0 मंगल सैनः उस कैबिनेट में चौधरी भजन लाल भी भाामिल थे। (व्यवधान व भाोर)

श्री मूल चंद जैनः ये उस वक्त कैबिनेट में नहीं थे। (व्यवधान व भाोर)

राज्यपाल के अभिभाशण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर मतदान

श्री अध्यक्षः अब मैं श्री मूल चन्द जैन व 18 दूसरे अपोजी ान के सदस्यों द्वारा दी गयी अमैंडमैटस वोट के लिए पुट करता हूं।

Question is-

That in the motion, the folloiwng be added at the end, namely-

"but regret that no mention has been made of:-

(a) the steps taken for the removal of hurdles in the completion of the Sutlej-Yamuna Channel in Punjab territory so that Haryana's share of Ravi-Beas waters, which should have been available to Haryana in 1970, is available to Haryana farmers now ;

(b) the speedy implementation of the Union Govt. award on Abohar-Fazilka and other Hindi Speaking areas;

(c) securing transfer of canal head works situated in Punjab to Bhakra Management Board in accordance with the Punjab Reorganisaton Act 1966 tp emsire fair distribution of water to Haryana;

(d) the rapidly deteriorating law & order situation in the State;

(e)the abnoramal rise in prices of essential commodities and of hoarding, black marketing and of inaction by Government in cheching these nefarious activities;

(f) the step motherly treatment of agricultural sector in the matter of supply of electricity, diesel & cement;

(g) the wide spread corruption, inordinate delays & inefficiency in the administration & lack of political will in dealing with these problems;

(h) provision of un-employemnt allowaance to the educated unemployed, if they are not employed within one year of registration with Employment Exchanges;

(i) priority in the matter of employment in Government service to those whose families do not have any member already in Government service;

(j) the pro-capitalist & anti labour & anti farmers policies of the State Government;

(k) the total unsuitability of the educational system to the people in the State & of not taking any step to remove its defects especially for teaching moral & ethical values to the students;

(l) the slow progress of developmental work in the State despite numerous pre election announcements and laying of foundaton stones; aand

(m) any concrete step to avoid wasteful expenditure in the administration and in public spending by various departments".

श्री अध्यक्षः अब मैं मेन मो ान वोट के लिए पुट करता हूं।

प्र न है –

"कि राज्यपाल महोदय को इन भाब्दों में एक एड्रैस पे ा किया जाये–

'कि इस सै ान में इकट्ठे हुए हरियाणा विधानसभा के मैम्बर्ज उस एड्रैस के लिये राज्यपाल महोदय के बहुत आभारी हैं जो उन्होंने 3 मार्च 1980 को हाउस में देने की कृपा की'।"

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

श्री अध्यक्षः अब हाउस सोमवार, 10 मार्च, 1980 को दो बजे बाद दोपहर तक के लिए एडर्जन किया जाता है।

13.46 बजे

(तत्प चात सदन सोमवार, 10 मार्च, 1980, को 14.00 बजे तक के लिये स्थागित हुआ।)